आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

तरुण छत्तीसगढ़

■ रायपुर,मंगलवार 25 मार्च 2025 ■ चैत्र कृष्ण पक्ष-11 ■ वर्ष- 40 ■ अंक-352 ■ पृष्ठ-8 ■ डाक संस्करण 26 मार्च 2025 ■ मूल्य 1.00 रु.

E-mail:
tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in
Web:
www.tarunchhattisgarh.in
facebook.TarunChhattisgarh
Twitter - Tchhattisgarh36
Instagram -tarunchhattisgarh.raipur
phone: 0771-2543112

संक्षेप

मालवाहक गाड़ी में लगी आग

दुर्ग,25 मार्च। पुलगांव चौक के पास देर रात एक चलते मालवाहक टाटा स में अचानक आग लग गई। गाड़ी में मालिक सहित दो बच्चे भी सवार थे, लेकिन समय रहते सभी सुरक्षित बाहर निकल आए, जिससे बड़ा हादसा होने से टल गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, वाहन चल रहा था तभी अचानक उसमें धुआं उठने लगा और देखते ही देखते आग भड़क गई। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन गाड़ी बुरी तरह जलकर खाक हो गई।

व्यंग्य की भी एक सीमा होती है : शिंदे

मुंबई,25 मार्च। स्टैंडअप कॉमेडियन कुणाल कामरा द्वारा एकनाथ शिंदे को 'गद्दार' वाली टिप्पणी करने के मामले में महाराष्ट्र डिप्टी सीएम की पहली प्रतिक्रिया आ गई है। महाराष्ट्र के उप-मुख्यमंत्री और शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे ने कहा कि व्यंग्य हम भी समझते हैं, लेकिन इसकी एक सीमा होनी चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि वह कुणाल कामरा की टिप्पणी का विरोध करने के लिए मुंबई के एक स्टूडियो में पार्टी कार्यकर्ताओं की ओर से की गई तोड़फोड़ का समर्थन नहीं करते हैं, लेकिन हर क्रिया की प्रतिक्रिया होती है। बता दें कि कुणाल कामरा सोशल मीडिया पर लिखे एक लंबे-चौड़े लेख में मामले में माफी मांगने से इनकार कर दिया। मामले में पुलिस ने स्टैंडअप कॉमेडियन को समन जारी कर थाने में हाजिर होने का आदेश दिया है। इन सबके बीच एकनाथ शिंदे की प्रतिक्रिया आई है।

लापता सगी दो बहनों की पंचधारी डैम में मिली लाश

रायगढ़,25 मार्च। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले से सनसनीखेज मामला सामने आया है. यहां केलो नदी के पंचधारी स्टॉप डैम में दो सगी बहनों की तैरती हुई लाश मिली है. दोनों नाबालिग की लाश मिलने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्रवाई कर जांच में जुट गई है. जानकारी के अनुसार, मृतक नाबालिग लड़कियां रायगढ़ के विनोबानगर इलाके की रहने वाली बिंदिया और अंजलि थीं. सिटी कोतवाली पुलिस ने शवों को बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, दोनों नाबालिग बहन का देर रात घर वालों से किसी बात को लेकर विवाद हो गया था, जिससे गुस्सा होकर दोनों घर से निकल गए थे. जिसके बाद आज सुबह पंचधारी स्टॉप डैम में दोनों की लाश मिली है. इस घटना के बाद परिवार वालों का रो-रोकर बुरा हाल है. फिलहाल, पुलिस पूरे मामले में हर पहलुओं पर जांच कर रही है.

रायपुर से विशाखापट्टनम के लिए नई फ्लाइट

रायपुर,25 मार्च। छत्तीसगढ़ के हवाई यात्रियों के लिए विशाखापट्टनम अब नया डेस्टिनेशन बनने जा रहा है. बजट एयरलाइंस इंडिगो ने रायपुर-विशाखापट्टनम-रायपुर सेक्टर में 31 मार्च से नई फ्लाइट शुरू करने का शेड्यूल जारी कर दिया है. इसके लिए बुकिंग भी शुरू कर दी गई है. प्रदेश के कारोबारी, विद्यार्थी और पर्यटक लंबे समय से इस रूट पर सीधी फ्लाइट की मांग कर रहे थे. इंडिगो की यह फ्लाइट सोमवार, मंगलवार, बुधवार, गुरुवार और शुक्रवार को संचालित होगी. यात्रियों की सुविधा के लिए 78 सीटर एटीआर विमान लगाया गया है. इससे रायपुर से विशाखापट्टनम का सफर सिर्फ डेढ़ घंटे में पूरा होगा. शुरुआती दौर में 31 मार्च को रायपुर से विशाखापट्टनम की टिकटें मात्र 3,000 रुपये में उपलब्ध हैं.

सुरक्षाबलों ने किया 3 माओवादियों को ढेर

» शव व भारी मात्रा में हथियार बरामद

» झीरमघाटी कांड के मास्टरमाइंड 25 लाख के इनामी चैतूदादा की भी मौत की खबर

दंतेवाड़ा,25 मार्च। छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के खिलाफ अभियान जारी है. सुरक्षाबलों के जवान लगातार लोहा लेते हुए नक्सलियों को ढेर कर रहे हैं. इसी कड़ी में आज दंतेवाड़ा और बीजापुर की सरहद पर माओवादी विरोधी अभियान के तहत सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच सुबह से मुठभेड़ जारी है. इस मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने तीन नक्सलियों को मार गिराया है. इस अभियान में 500 जवान शामिल थे। मुठभेड़ स्थल से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया है. जानकारी के अनुसार, 25 मार्च की सुबह 8 बजे से ही सुरक्षाबलों की टीम और नक्सलियों के बीच लगातार फायरिंग जारी थी. यह मुठभेड़ दंतेवाड़ा और बीजापुर के सरहदी इलाके में चल रही थी.जहां सुरक्षा बलों की टीम नक्सल विरोधी अभियान पर निकली थी. वहीं सुरक्षाबलों ने इलाके में सर्चिंग ऑपरेशन तेज कर दिया है. खबर यह भी मिली है कि झीरम घाटी हत्याकांड के मास्टर माइंड चैतूदादा की इस मुठभेड़ में मौत हो गई है। उन पर 25 लाख का इनाम था। ज्ञात हो कि गत 21 मार्च को बीजापुर जिले के गंगालूर थाना क्षेत्र के अंदरी जंगलों में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच बड़ी मुठभेड़ हुई थी. इस कार्रवाई में 14 महिला नक्सलियों समेत कुल 26 वर्दीधारी नक्सली ढेर कर दिए गए. इनमें से 18 की शिनाख्त हो चुकी है, जिनमें एक डिवीजनल कमेटी मेंबर , पांच एरिया कमेटी मेंबर , तीन प्लाटून पार्टी कमेटी मेंबर और नौ PLG प्लाटून सदस्य शामिल हैं. मुठभेड़ स्थल से सुरक्षाबलों ने AK-47, SLR, इंसास राइफल, .303 राइफल, रॉकेट लॉन्चर, बीजीएल लॉन्चर सहित भारी मात्रा में हथियार, विस्फोटक सामग्री और अन्य सामग्री बरामद की है. इस मुठभेड़ में डीआरजी बीजापुर के आरक्षक राजूराम ओयाम वीरगति को प्राप्त हुए.

बुलडोजर एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट की योगी सरकार को फटकार

नोटिस के 24 घंटे के अंदर ही बुलडोजर चला दिया, बर्दाश्त नहीं कर सकते

नई दिल्ली,25 मार्च। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार को बुलडोजर कार्रवाई के लिए कड़ी चेतावनी दी है. अदालत ने स्पष्ट किया कि ऐसी कार्रवाई करने से पहले प्रभावित व्यक्तियों को उचित समय प्रदान करना आवश्यक था. इस मामले ने 'अदालत की अंतरात्मा' को गहराई से प्रभावित किया है. न्यायालय ने पीड़ितों को राहत देते हुए उनके घरों के पुनर्निर्माण की शर्तों के साथ अनुमति दी। याचिकाकर्ताओं ने अदालत को सूचित किया कि उनकी संपत्ति को गैंगस्टर अतीक अहमद की बताकर राज्य सरकार ने उनके घरों को ध्वस्त कर दिया था, जबकि अतीक की हत्या 2023 में की गई थी. याचिका की सुनवाई जस्टिस अभय एस ओक और जस्टिस उज्जल भुइयां की बेंच द्वारा की जा रही थी. सुप्रीम कोर्ट ने यह निर्णय लिया है कि याचिकाकर्ताओं को अपने खर्च पर ढहाए गए घरों का पुनर्निर्माण करने की अनुमति दी जाएगी, लेकिन इसके साथ कुछ शर्तें भी लागू की गई हैं. इनमें से एक शर्त यह है कि याचिकाकर्ताओं को निर्धारित समय सीमा के भीतर अपीलीय प्राधिकरण के समक्ष अपील दायर करनी होगी. अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि उनकी अपील अस्वीकृत होती है, तो उन्हें अपने खर्च पर घरों को फिर से ध्वस्त करना पड़ेगा.बेंच ने स्पष्ट किया कि वे एक आदेश जारी करेंगे, जिसके तहत याचिकाकर्ता को अपने खर्च पर घर का पुनर्निर्माण करने की अनुमति दी जाएगी. यदि अपील अस्वीकृत होती है, तो उन्हें उस घर को अपने खर्च पर ढहाने की भी आवश्यकता होगी.

भक्त माता कर्मा पर डाक टिकट का विमोचन

रायपुर,25 मार्च ■ तरुण छत्तीसगढ़

भक्त माता कर्मा जयंती पर साहू समाज द्वारा लंबे समय से की जा रही मांग पूरी हुई. इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने माता कर्मा पर डाक टिकट का विमोचन किया. कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू और उप मुख्यमंत्री अरुण साव भी मौजूद रहे. छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ, शहर जिला साहू संघ रायपुर और संत माता कर्मा आश्रम समिति के संयुक्त तत्वावधान में भक्त माता कर्मा की 1009वीं जयंती पर संतोषी नगर स्थित कर्माधाम में कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में शामिल मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि भक्त माता कर्मा का आशीर्वाद छत्तीसगढ़ को मिलता रहे. साहू समाज का स्नेह बना रहे. भक्त माता कर्मा का डाक टिकट जारी होना गर्व की बात है. समाज की लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी हुई. केंद्रीय मंत्री तोखन साहू के प्रयास से मांग पूरी हुई. केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने कहा कि भक्त माता कर्मा का सामाजिक योगदान अतुलनीय है. उनको सम्मानित करने डाक टिकट जारी किया गया है. मात्र 10 दिनों में यह पहल पूरी हुई. समाज के लोगों के लिए बड़े गौरव की बात है.

निगम-मंडलों में नियुक्ति पर फैसला जल्द : साव

रायपुर,25 मार्च ■ तरुण छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ में निगम-मंडलों में नियुक्तियों को लेकर चल रही अटकलों के बीच डिप्टी मुख्यमंत्री अरुण साव ने बड़ा बयान दिया है। आज एक प्रेसवार्ता के दौरान उन्होंने कहा कि नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव संपन्न हो चुके हैं, अब मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जल्द ही इन नियुक्तियों पर फैसला लेंगे। डिप्टी सीएम ने बताया कि भाजपा संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों से चर्चा के बाद निगम-मंडलों में नियुक्तियां तय की जाएंगी। इसके साथ ही जिला और मंडलों में भी कार्यसमिति का गठन जल्द किया जाएगा। संगठन विस्तार और राजनीतिक समीकरणों को ध्यान में रखते हुए यह प्रक्रिया पूरी की जाएगी। गर्मी बढ़ते ही जल संकट गहराने लगा है। राज्य कई इलाकों में जल स्तर नीचे गिरने और बारिश की कमी को देखते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मंगलवार को पेयजल आपूर्ति को लेकर उच्चस्तरीय बैठक बुलाई थी। इसे लेकर उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने बताया कि आमतौर पर दिसंबर और जनवरी में कुछ आंशिक बारिश होती है, जो इस बार नहीं हुई। ऐसे में अभी से ही गर्मी का प्रकोप

बढ़ने लगा है, जिससे जल संकट गहराने की आशंका है। उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने बताया कि बैठक में मुख्यमंत्री ने जल संसाधन, ऊर्जा एवं यांत्रिकी, और पंचायत विभाग के अधिकारीयों को निर्देश दिए है कि गर्मी में लोगों को पेयजल की दिक्कत न हो, इसके लिए हरसंभव उपाय किए जाएं। जरूरत के अनुसार नए ट्यूबवेल और हैंडपंप लगाए जाएं। साथ ही, तालाबों में जलभराव और निस्तारी के लिए भी योजना बनाई जाए। कांग्रेस का राष्ट्रीय अधिवेशन अहमदाबाद में होने जा रहा है, जहां पार्टी की भविष्य की रणनीति तय की जाएगी। इस पर डिप्टी मुख्यमंत्री अरुण साव ने तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस अब शून्य की ओर बढ़ रही है और उसका भविष्य सबको दिख चुका है। राज्य सरकार ने नई औद्योगिक नीति लागू की है, जिसमें रोजगार को प्राथमिकता दी गई है। इसी कड़ी में बेंगलुरु में इन्वेस्टर्स कनेक्ट कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसको लेकर डिप्टी सीएम अरुण साव ने कहा कि इससे छत्तीसगढ़ में औद्योगीकरण को गति मिलेगी। इससे पहले दिल्ली और मुंबई में भी इन्वेस्टर्स कनेक्ट कार्यक्रम आयोजित किए गए थे, जहां निवेशकों ने गहरी रुचि दिखाई।

न्यूजीलैंड में भयंकर भूकंप सुनामी का अलर्ट जारी

वेलिंगटन,25 मार्च। न्यूजीलैंड में भूंकप आया है। भूकंप रात 9 बजे के करीब न्यूजीलैंड के रिवर्टन तट पर आया है। 7 की तीव्रता वाले भूकंप से पूरे न्यूजीलैंड की धरती कांपने लगी। न्यूजीलैंड के रिवर्टन तट पर मंगलवार रात 7 तीव्रता का भूकंप का झटका महसूस किया गया, जिसका केंद्र धरती के 10 किलोमीटर अंदर की गहराई पर था। रात होने के कारण जान-माल की हानि होने का पता नहीं चल पाया है। न्यूजीलैंड में आए 7 तीव्रता के भूकंप के बाद अधिकांश प्रभावित क्षेत्र भूकंप-प्रतिरोधी इमारतों से सुरक्षित हैं। न्यूजीलैंड की आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी इस बात का आकलन कर रही है कि क्या भूकंप सुनामी का खतरा पैदा कर सकती है। एजेंसी ने कहा है कि अगर सुनामी की स्थिति पैदा हुई तो इसे देश तक पहुंचने में कम से कम एक घंटे का समय लगेगा। यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट के माध्यम से भूकंप की जानकारी साझा की है। भूकंप का झटका रिवर्टन से 159 किलोमीटर पश्चिम-दक्षिणपश्चिम (WSW) में महसूस किया गया था। फिलहाल भूकंप से होने वाले नुकसान की रिपोर्ट नहीं मिली है। न्यूज़ीलैंड भूकंप सेंसिटिव एरिया में आता है, जहां इस तरह की घटनाएं अक्सर देखी जाती हैं। संबंधित अधिकारी स्थिति की निगरानी कर रहे हैं.

कांग्रेस ने विदेशी पैसों से 24 के चुनाव को प्रभावित किया : योगी

लखनऊ,25 मार्च। सीएम योगी आदित्यनाथ ने अमेरिकी अरबपति जॉर्ज सोरोस का नाम लेते हुए कांग्रेस और इंडिया गठबंधन में शामिल उसके सहयोगी दलों पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेताओं ने 2024 के चुनाव में न सिर्फ दुष्प्रचार किया बल्कि इन चुनावों में विदेशी पैसे का भी बड़े पैमाने पर इस्तेमाल हुआ। सीएम योगी ने एएनआई के एक पॉडकास्ट में सवालों का जवाब देते हुए ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि ये लोग (विपक्षी दलों के कई नेता) चुनाव में विदेशी पैसों के इस्तेमाल में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष ढंग से शामिल रहे। 2024 में चुनाव में क्या गलत हुआ इस सवाल के जवाब में सीएम योगी ने कहा कि दुष्प्रचार किया गया था। दुष्प्रचार ही नहीं किया था बल्कि विदेशी पैसे भी इसमें इन्वाल्व था। जार्ज सोरोस ने तो बहुत पहले ही इसकी घोषणा कर दी थी। क्या सोरास के पैसे यूपी में भी लगे थे इस सवाल पर सीएम योगी ने कहा- 'मैं कह रहा हूं कि पूरे देश में विदेशी पैसा इन्वाल्ब था लोकसभा चुनाव के दौरान जिसमें कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने, जो भी इंडी गठबंधन से जुड़े हुए दल थे ये लोग धड़ल्ले से डायरेक्ट-इन डायरेक्ट (प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष) ढंग से उसमें लिप्त थे। उसी के माध्यम से इन्होंने पूरे चुनाव को प्रभावित करने का प्रयास किया।' सीएम योगी ने कहा कि यह कृत्य देशद्रोह की श्रेणी में आता है। बता दें कि बीजेपी अमेरिकी उद्योगपति जार्ज सोरोस के नाम पर कांग्रेस को घेरती रही है। पिछले साल दिसम्बर में बीजेपी के राज्यसभा सदस्य सुधांशु त्रिवेदी ने एक प्रेस कांफ्रेंस में आरोप लगाया था कि फोरम फॉर डेमोक्रेटिक लीडर्स ऑफ एशिया पैसिफक से कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी के संबंध हैं। बीजेपी का आरोप है कि इस फोरम में भारत विरोधी और पाकिस्तान समर्थित बातें हो रही हैं और इसकी फंडिंग जार्ज सोरोस के फाउंडेशन से की जाती है।

कुणाल कामरा को पुलिस ने व्हाट्सएप पर भेजा समन

मुंबई,25 मार्च। स्टैंडअप कॉमेडियन कुणाल कामरा की मुश्किलें कम होती नहीं दिख रही हैं। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे पर विवादित कविता लिखने के मामले में कुणाल कामरा को पुलिस ने अब समन भेजा है। खार पुलिस ने स्टैंडअप कॉमेडियन को व्हाट्सऐप पर समन भेजकर पूछताछ के लिए बुलाया है। दरअसल MIDC पुलिस ने कुणाल के खिलाफ मिली शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज की थी, जिसे आगे जांच के लिए खार पुलिस को ट्रांसफर किया गया है। कुणाल कामरा को खार पुलिस ने उनके घर पर समन भेजा है। कुणाल फिलहाल मुंबई में नहीं है, इसीलिए समन कुणाल के पिता को हैंडओवर किया गया है। इसके अलावा कुणाल को पुलिस ने व्हाट्सएप के जरिए भी समन भेजा है और पूछताछ के लिए जांच अधिकारी के सामने पेश होने के लिए कहा है। बता दें कि एकनाथ शिंदे पर विवादित कविता लिखने पर कंट्रोवर्सी में फंसे कुणाल कामरा ने बीती रात एक स्टेटमेंट जारी किया था। इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए कुणाल कामरा ने साफतौर पर कहा कि वे माफी नहीं मांगेगे।

नवरात्रि के दौरान बंद रहनी चाहिए मीट की दुकानें

नई दिल्ली,25 मार्च। पटपड़गंज से भाजपा विधायक रविंदर सिंह नेगी ने आगामी नवरात्रि के दौरान मीट की दुकानें बंद रखने की मांग की है। उन्होंने कहा कि भले ही यह निर्देश पूरी दिल्ली में लागू न हो, लेकिन वह अपने निर्वाचन क्षेत्र में दुकानें बंद रखने का प्रयास करेंगे। नेगी ने कहा कि मैंने अपने क्षेत्र में मंदिरों के सामने मंगलवार को खुलने वाली मीट की दुकानों के लिए अभियान चलाया था, और अब दुकानें मंगलवार को बंद रहती हैं। नवरात्रि साल में दो बार आती है, मैं सभी व्यापारियों से अनुरोध करता हूं कि वे मंगलवार को मीट की दुकानें बंद रखें। नेगी ने आगे कहा कि यह अनुरोध है कि नवरात्रि पर कोई भी मांस की दुकान नहीं खोली जानी चाहिए, खासकर मंदिरों के सामने वाली दुकानें। उन्होंने कहा कि मैं इस बारे में डीएम को भी पत्र लिखूंगा। मैं अपने विधानसभा क्षेत्र में मंगलवार को मीट की दुकानें बंद रखने की पूरी कोशिश करूंगा। भाजपा सांसद योगेंद्र चंदोलिया ने कहा कि देश के करोड़ों लोग नवरात्रि में पूजा करते हैं, 9 दिनों तक वे अन्न ग्रहण नहीं करते और फलाहार पर जीवित रहते हैं। इस दौरान अगर आस-पास मीट की दुकानें हैं तो इससे पवित्रता भंग होगी। भाजपा सांसद ने कहा कि 9 दिनों की बात है, मीट की दुकानें और शराब की दुकानें बंद होनी चाहिए। जब साल में दो बार ईद आती है तो दोनों ईद अलग-अलग तरीके से मनाई जाती हैं, इसलिए नवरात्रि के दौरान दिल्ली में मीट पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा देना चाहिए। अन्य राज्यों में भी नेताओं ने मंदिरों और धार्मिक स्थलों के पास स्थित मांस और शराब की दुकानों को बंद कराने की पहल की। पिछले वर्ष मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा था कि नर्मदा नदी की पवित्रता और आशीर्वाद को बनाए रखने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं तथा राज्य भर के धार्मिक शहरों में शराब और मांस की दुकानों पर प्रतिबंध लगाने की योजना है।

एनएचएआई के जीएम को 15 लाख रिश्वत लेते दबोचा

पटना। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने बिहार की राजधानी पटना में भ्रष्टाचार के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। एजेंसी ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के पटना क्षेत्रीय कार्यालय के महाप्रबंधक रामप्रीत पासवान को 15 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया है।

इस कार्रवाई से एनएचएआई कार्यालय में हड़कंप मच गया। सीबीआई की टीम ने रिश्वत की रकम बरामद करने के तुरंत बाद अधिकारी को हिरासत में ले लिया। इसके बाद सीबीआई ने रामप्रीत पासवान के विभिन्न ठिकानों पर छापेमारी की, जहां से उन्हें 1।18 करोड़ रुपये की भारी नकदी बरामद हुई है।

कश्मीर में इतिहास बन चुका है अलगाववाद : शाह

नई दिल्ली,25 मार्च। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ट्वीट कर कहा कि कश्मीर में अलगाववाद अब इतिहास बन चुका है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की एकीकरण नीतियों ने अलगाववाद को जम्मू-कश्मीर से बाहर निकाल दिया है। हुर्रियत के दो संगठनों, जेएंडके पीपुल्स मूवमेंट और डेमोक्रेटिक पॉलिटिकल मूवमेंट ने अलगाववाद से सभी संबंध तोड़ने की घोषणा की है। मैं भारत की एकता को मजबूत करने की दिशा में इस कदम का स्वागत करता हूं और ऐसे सभी समूहों से आग्रह करता हूं कि वे आगे आएं और अलगाववाद को हमेशा के लिए खत्म करें। इससे पहले संसद में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दोहराया कि कश्मीर में अलगाववादियों द्वारा पथराव और बंद का आह्वान अब अतीत की बात हो गई है। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को हटाए जाने के बाद से क्षेत्र में महत्वपूर्ण परिवर्तन आया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद से जुड़ी घटनाओं में 70त्न की कमी आई है। गृह मंत्रालय (एमएचए) के कामकाज पर चर्चा के दौरान, शाह ने इस बात पर जोर दिया कि 2019 में अनुच्छेद 370 को हटाने से जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में स्थिरता, आर्थिक प्रगति और सुरक्षा आई है। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 को खत्म करके, मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने संविधान निर्माताओं के सपने को पूरा किया, जिसे उन्होंने ÷अस्थायी प्रावधान÷ कहा था। राज्यसभा में बोलते हुए शाह ने जम्मू-कश्मीर में हुए प्रमुख बदलावों पर प्रकाश डाला और कहा, ÷34 साल तक सिनेमा हॉल बंद रहे और मुहर्रम के जुलूसों की अनुमति नहीं थी। आज सिनेमा हॉल चालू हैं, मुहर्रम के जुलूस निकलते हैं और लोग शांति से रहते हैं।÷ उन्होंने कश्मीर में आयोजित सफल जी-20 शिखर सम्मेलन का भी हवाला देते हुए कहा कि इसने इस क्षेत्र को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर ला खड़ा किया।

सहायक शिक्षकों की प्रयोगशाला सहायक के रूप में नियुक्ति एक मात्र समाधान

रायपुर ,25 मार्च ■ तरुण छत्तीसगढ़

छग उच्च न्यायालय के आदेश पर नौकरी से हटाए गए बीएड सहायक शिक्षकों के भविष्य के सामने रोजगार को लेकर अनिश्चितता का अंधेरा छाया हुआ है। समायोजन की मांग कर रहे सहायक शिक्षकों के तो हाथ खाली हैं, सरकार भी कोई विकल्प निकालने की दिशा में रुचि नहीं दिखा रही है। यह तो तय है कि तकनीकी रूप से सेवा से हटाए गए इन सहायक शिक्षकों को अब पुनः शिक्षक के रूप में नियुक्ति नहीं मिल सकती है। किंतु शिक्षा विभाग यदि रिक्तियां निकालता है तो यह संभव है कि उन्हें नियुक्ति मिल जाए। यह स्थिति बनती है तो उन्हें नए सिरे से नए अभ्यर्थी के रूप में भर्ती प्रक्रिया में शामिल होना पड़ेगा। लेकिन ऐसा हो पाएगा इसकी उम्मीद कम ही है। पूर्व में चयनित सहायक शिक्षक डीएड-बीएड के फेर में उच्च न्यायालय के निर्देश पर सेवा से पृथक किए गए हैं। बहरहाल, ये सहायक शिक्षक सेवा समाप्त होने के बाद से ही समायोजन की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। किंतु हकीकत यह है कि इन सहायक शिक्षकों को सीधे शिक्षक के रूप में समायोजित करना राज्य सरकार के लिए संभव नहीं है और यह उचित भी जान नहीं पड़ता है। यह भी सही है कि सेवा से हटाए गए बीएड शिक्षक कुछ समय तक बाकायदा चयनित होकर सहायक शिक्षक के रूप में सेवा दे चुके हैं। वे समायोजन तो चाहते हैं पर सरकार नियम विरुद्ध समायोजित नहीं कर पा रही है। ऐसी स्थिति में सरकार को नियमानुसार विकल्प की तालश कर विचार करना चाहिए। आखिर ये पदमुक्त शिक्षक अब कहां जाएंगे। परिवार की रोजी-रोटी की समस्या खड़ी हो गई है। धर्मसंकट व नियम कायदों के जाल से इन सहायक शिक्षकों को निकालने का एक उपाय यह हो सकता है कि इनको प्रयोगशाला सहायक के रूप में समायोजित किया जाए। ऐसा

हाईकोर्ट के आदेश पर सेवा से हटाए गए 2897 सहायक शिक्षक

किया सकता है। इससे इनके जीवन में उजाला फैलाया जा सकता है। अब यहां एक दिक्कत यह आ सकती है कि प्रयोगशाला सहायक के लिए विज्ञान विषय का होना अनिवार्य है। यह संयोग ही है कि सेवा से हटाए गए बीएड सहायक शिक्षकों में 75 प्रतिशत शिक्षक विज्ञान विषय से ही हैं। शेष 25 फीसदी शिक्षकों को समायोजन के बाद विज्ञान विषय का आवश्यक प्रशिक्षण देकर इन्हें प्रयोगशाला सहायक के रूप में कार्य करने के लायक बनाया जा सकता है। इस तरह से इस मसले का सौ प्रतिशत समाधान निकाला जा सकता है। लाठी भी नहीं टूटेगी और सांप भी मर जाएगा। राज्य सरकार के हाथों परमार्थ का एक पुण्य काम भी हो जाएगा।

यहां यह बताना जरूरी है कि हाईकोर्ट के आदेश पर लोक शिक्षक संचालनालय (डीपीआई) ने 2,897 बीएड डिग्रीधारी सहायक शिक्षकों की सेवाएं समाप्त करने का आदेश 31 दिसम्बर सन् 2024 में जारी किया था। इस आदेश के खिलाफ सहायक शिक्षकों ने भाजपा कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर का घेराव कर राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात ठप कर दिया था। पुलिस ने कई शिक्षकों को झड़प के बाद गिरफ्तार किया था। इसके साथ ही उन्होंने भारत माता, शहीद भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव की वेशभूषा में रैली निकाली थी। इनके हाथ जंजीरों से बंधे थे। इतना ही नहीं सामूहिक मुंडन कराकर जल सत्याग्रह किया व दंडवत यात्रा भी निकाली थी। इनका आंदोलन अभी भी जारी है। यहां यह बताना भी लाजिमी है कि राज्य सरकार ने समस्या का समाधान निकालने एक उच्च स्तरीय प्रशासनिक समिति का गठन किया है लेकिन अभी तक कोई ठोस हल नहीं निकल पाया है। दूसरी ओर दुखद पहलू यह है कि नौकरी जाने के बाद कई सहायक शिक्षकों की शादी टूट गई है क्योंकि इसी नौकरी के कारण शादी तय हुई थी। कुछ सहायक शिक्षक व शिक्षिका ने एक ही तरह की नौकरी के चलते विवाह का फैसला ले लिया था। अब दोनों की नौकरी चली गई है। कई सहायक शिक्षकों की आर्थिक हालत खराब हो गई है।

एक नजर

नपा में 167.70 लाख के कार्य प्रारंभ

जामुल, 25 मार्च। नगर पालिका परिषद जामुल में विकास कार्यों का गति काफी तेजी से चल रहा है । इसी तारतम्य में न.पा. अध्यक्ष ईश्वर सिंह ठाकुर ने बाताया कि हमारे नगर पालिका का वार्ड क्र. 02, 06, 10, 15 एवं 16 मे नहर किनारे ब्रिक लाइनिंग एवं प्लांटेशन कार्य 17.51 लाख से व वार्ड क्र. 05 राममंदिर तालाब में रेजुनवेशन कार्य 130.19 लाख एवं भारत माता सौंदर्यीकरण का कार्य 20.00 लाख इस प्रकार कुल 167.70 लाख के लागत से प्रारंभ हो गया है और यह हम सबके लिये गौरव का विषय है। कार्य प्रारंभ के समय नपा उपाध्यक्ष सुनिता चन्नेवार पार्षदण सबीहा करीम खान, खम्हन ठाकुर, रेखराम बंछोर, सरोजनी चन्द्राकर, दीपक गुप्ता, संजय देशलहरा, अश्वनी साहू, निशा चन्नेवार, सीमा यादव, रामप्यारी वर्मा, रामदुलार साहू, कविता विश्वाल, के राजू, चुम्मन वर्मा, दुर्गा वैष्णव, तिलेश्वर देवांगन, अहिल्या वर्मा, शांति टंडन, मुख्य नगर पालिका अधिकारी सीमा बक्शी, उपअभियंता के एन ताम्रकार, सचिन भागवत लोक निर्माण विभाग के कर्मचारीगण रामू देवांगन, दयालू राम जंघेल, गनपत तथा गणमान्य नागरिक प्रकाश गुप्ता, करीम खान, विद्यापति, श्रवण चन्द्राकर, राम अभिलाष पाल, मनोज पाल, राकेश पाल, आशीष कदम, उमाशंकर मिश्रा, आशीष मिश्रा, राजकुमार कामले, ओमप्रकाश शर्मा, राजेश पासवान, बाल गोविन्द चैधरी, सत्येन्द्र सिंह, भूपेन्द्र वाल्मीकि, अर्जुन कामले, रमाकांत राय, मौला भाई, कादर, कमलजीत सिंह, अनिल चैधरी, तेजनारायण सिंह एवं अन्य नागरिकगण उपस्थित थें।

कर्मचारी छत से गिरा,मौत

भिलाई, 25 जनवरी। भिलाई एक निजी दुकान का कर्मचारी वह छत से नीचे गिर पड़ा, जिससे उसकी मौत हो गई. पुलिस इस घटना की जांच आत्महत्या के एंगल से भी कर रही है तीन मंजिला इमारत से गिरा युवक प्रत्यक्षदर्शियों और उसके साथ काम करने वाले अन्य कर्मचारियों के अनुसार जब दुकान के सभी लोग खाना खाने गे उस दौरान युवक सागर ऊपर दुकान में रुक गया उसके बाद वह वह अचानक छत से नीचे गिर गया गिरने के बाद दुकान के अन्य कर्मचारियों ने उसे नजदीकी अस्पताल सुपेला पहुंचाया यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया भट्टी टीआई राजेश साहू ने बताया कि हादसे की खबर मिलते ही एफएसएनएल टीम के साथ मौके का निरीक्षण किया गया. प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि युवक छत से गिरा है, लेकिन गिरने की परिस्थितियों को लेकर अभी भी जांच जारी है पुलिस मृतक सागर के सहकर्मियों और आसपास मौजूद लोगों से पूछताछ कर रही है. जिससे इस केस में और खुलासा हो सके सदमें में परिजन- इस घटना के बाद से सागर के परिजनों और परिवार के लोगों का रो रोकर बुरा हाल है पुलिस जांच के बाद आगे की कार्रवाई की बात कह रही है इस हादसे के बाद मृतक सागर का परिवार बेहद सदमे में है उन्हें कुछ सूझ नहीं रहा है इस घटना से सागर के दोस्त भी हैरान हैं ।

महिला ने घर में फांसी लगाई

भिलाई, 25 जनवरी। भिलाई छावनी थाना क्षेत्र के कैंप-दो मछली मार्केट के पास निवासी किरण नाम की महिला ने 17 मार्च को घर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली वर्ष 2016 में उसकी शादी अविनाश से हुई थी दोनों के चार बच्चे भी हैं साल भर से दंपती के बीच विवाद चल रहा है 17 मार्च को भी उनके बीच विवाद हुआ था इसके बाद पत्नी ने कमरे में जाकर फांसी लगा ली घटना के बाद बिहार से भिलाई पहुंचे किरण के मायके वालों ने पति के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए शव का पोस्टमार्टम करवाने से इन्कार कर दिया घटना के तीन दिन बाद 20 मार्च को शव का पोस्टमार्टम किया गया है वहीं मायके वालों ने शिकायत दर्ज कराई है ।

अधेड़ ने घर में खुदकुशी की

भिलाई, 25 जनवरी। भिलाई उतई थाना क्षेत्र के इंदिरा चौक निवासी (42 साल) पुष्पराज ठाकुर ने घर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली रात को परिवार वालों ने लाश को फंदे पर लटके देखा और पुलिस को जानकारी दी उतई थाने पुलिस ने शव को चीरघर भिजवाया पुलिस ने प्राथमिकी कर मामले की जांच शुरू की है पुष्पराज का पत्नी के बीच मारपीट भी हुई इसके बाद पुष्पराज की पत्नी बहन के घर चली गई पुष्पराज घर पर अकेला था दूसरे दिन रविवार को दिन भर वह घर के बाहर नहीं निकला पड़ोसियों से जानकारी मिलने के बाद रात पत्नी घर लौटी और दरवाजा खटखटाया तो अंदर से किसी ने जवाब नहीं दिया इसके बाद उसने खिड़की से झांककर देखा तो पति की लाश फंदे से लटक रही थ पुष्पराज शराब पीने का भी आदी था आशंका जताई जा रही है ।

सेल ने डिजिटल परिवर्तन को बढ़ावा देने मैकिन्से एंड कंपनी के साथ की साझेदारी

भिलाई, 25 मार्च । भारत की महारत्न स्टील उत्पादक सार्वजनिक उपक्रम स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने कंपनी में एक व्यापक डिजिटल परिवर्तन कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के लिए मैकिन्से एंड कंपनी इंडिया एलएलपी के साथ एक रणनीतिक समझौते पर हस्ताक्षर किया है। यह डिजिटल परिवर्तन परियोजना, खदानों से लेकर मार्केटिंग तक की प्रक्रिया की गुणवत्ता श्रृंखला के प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करेगी, सुरक्षा और अनुपालन के उच्चतम मानकों को बनाए रखते हुए, इनोवेटिव समाधानों का निर्बाध एकीकरण सुनिश्चित करेगी और 3 वर्ष की समयावधि में 1000 करोड़ रुपये प्रति वर्ष के गुणवत्ता प्राप्ति के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करेगी।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने भोरमदेव महोत्सव की तैयारियों का जायजा लिया और बैठक में अधिकारियों को दिए निर्देश

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कवर्धा, 25 मार्च। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने आज छत्तीसगढ़ के ऐतिहासिक, पुरातात्विक, धार्मिक एवं पर्यटन महत्व की धरोहर भोरमदेव महोत्सव की तैयारियों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने आयोजन स्थल का दौरा कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने भोरमदेव महोत्सव के आयोजन से संबंधित सभी व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया। उन्होंने आयोजन स्थल पर पहुंचकर कार्यक्रम की रूपरेखा की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके पहले उन्होंने मंदिर परिसर में अधिकारियों की बैठक लेकर, अतिथियों के आगमन, पेयजल, बिजली, पार्किंग, कार्यक्रमों और सुरक्षा व्यवस्था के अलावा अन्य सभी पहलुओं की विस्तार से जानकारी ली।

भोरमदेव महोत्सव का आयोजन प्रदेश के ऐतिहासिक और पुरातात्विक धरोहर स्थल भोरमदेव में 26 एवं 27 मार्च 2025 को दो दिवसीय कार्यक्रम के रूप में किया जाएगा। इस महोत्सव में प्रदेश की संस्कृति, कला, और परंपराओं को बढ़ावा दिया जाएगा और यह पर्यटन के क्षेत्र में भी एक महत्वपूर्ण अवसर साबित होगा। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संचालित किया जाए ताकि महोत्सव में आने वाले श्रद्धालु और पर्यटक किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करें। भोरमदेव महोत्सव छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है और इस आयोजन को भव्य और सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न करना है। महोत्सव का शुभारंभ 26 मार्च 2025 को विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह द्वारा किया जाएगा, जबकि समापन समारोह के मुख्य अतिथि प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय होंगे। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा महोत्सव के दोनों दिन उपस्थित रहेंगे और इस कार्यक्रम की भव्यता और सफलतापूर्वक संचालन के लिए निरंतर निगरानी रखेंगे। इस दौरान जिला पंचायत उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, राजेन्द्र चंद्रवंशी, नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी, पूर्व जिला अध्यक्ष संतोष पटेल, बोड़ला जनपद उपाध्यक्षा नंद, वरिष्ठ बीजेपी नेता नितेश अग्रवाल, जिला युवा मोर्चा अध्यक्ष मनिराम साहू, श्री रामबिलास चंद्रवंशी, पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह छवई, डीएफओ श्री शशिकुमार सिंह, जिला पंचायत सीईओ अजय कुमार त्रिपाठी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र बघेल अपर कलेक्टर विनय पोयाम, एसडीएम बोड़ला सुश्री रूचि शार्दुल सहित जिला अधिकारी, जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

भोरमदेव मंदिर ऐतिहासिक धरोहर

भोरमदेव मंदिर का निर्माण फणीनागवंशी शासकों द्वारा 11वीं शताब्दी में किया गया था। यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है और इसकी दीवारों पर उत्कृष्ट मूर्तिकला अंकित है।

भोरमदेव महोत्सव राज्य की संस्कृति को बढ़ावा देगा-उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि भोरमदेव महोत्सव छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक धरोहर को प्रदर्शित करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा की पहल से इसकी तैयारी और संचालन पूरी तरह से सुव्यवस्थित और भव्य तरीके से किया जाएगा। इस महोत्सव का आयोजन न केवल राज्य की संस्कृति को बढ़ावा देगा, बल्कि पर्यटन के क्षेत्र में भी एक नया आयाम जोड़ेगा।

नवनिर्वाचित जिला पंचायत सदस्य पूर्णिमा साहू ने जीत के लिए क्षेत्र की जनता का आभार माना

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कवर्धा, 25 मार्च। कवर्धा जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 5 की नवनिर्वाचित सदस्य पूर्णिमा मनिराम साहू ने बीते शुक्रवार को अपने निर्वाचन क्षेत्र के ग्राम खड़ौदाकला में आभार प्रदर्शन सह होली मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला भाजपा के उपाध्यक्ष, नितेश अग्रवाल, बरसाती वर्मा, जिला पंचायत सदस्य डॉ1 वीरेन्द्र साहू, जिला महामंत्री भाजपा क्रांति गुप्ता, महेन्द्र घृतलहरे, जिला पंचायत सदस्य विजय पटेल,मंडल अध्यक्ष मोहन ध्रुवे उपाध्यक्ष नंद श्रीवास, बलदाऊ चंद्रवंशी, झम्मन चंद्रवंशी, राजेश साहू महामंत्री मंडल बोड़ला, बीरबल साहू महामंत्री पांडातराई मंडल रामविलास चन्द्रवंशी , सचिन गुप्ता महामंत्री भाजयूमो, तुकेश चंद्रवंशी, श्रीमती उत्तरा गोकुल साहू, अमित वर्मा युवा

मोर्चा मंडल अध्यक्ष बोड़ला, बालाराम चंद्रवंशी, हेमचंद चंद्रवंशी, महंत श्रवण गिरी गोस्वामी, शिवनाथ वर्मा, दिलीप वर्मा, नरोत्तम साहू भाजयुमो मंडल अध्यक्ष पंडरिया, धरमराज साहू तहसील अध्यक्ष कवर्धा सहित बड़ी संख्या में भाजपा के कार्यकर्ता व पदाधिकारी व क्षेत्रवासी उपस्थित थे। इस अवसर पर उपस्थित जनो को संबोधित करते हुए जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 5 की नवनिर्वाचित सदस्य श्रीमती पूर्णिमा मनिराम साहू ने अपनी जीत का श्रेय भाजपा के समस्त कार्यकर्ताओं व क्षेत्र की देवतुल्य जनता को देते हुए कहा कि यह जीत प्रदेश की भाजपा सरकार के सुशासन तथा प्रदेश के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा तथा विधायक श्रीमती भावना बोहरा द्वारा क्षेत्र में कराए गए विकास कार्यो की जीत है। उन्होने कहा कि जिलेवासियों ने जिस ढंग से नगरीय निकायत तथा त्रि-स्तरीय चुनाव में भाजपा सरकार पर भरोसा जताया है उसे जिले के समुचित विकास की राह आसान हो गई है। अब ट्रपल इंजन की सरकार काम करेगी और क्षेत्र का समुचित विकास होगा। उन्होने भरोसा दिलाया कि क्षेत्रवासियों ने जिस उम्मीद और भरोसे से उन्हें शानदार जीत दिलाई है उस पर वह पूरी तरह से खरा उतरेंगे। इस अवसर पर भाजपा कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों सहित क्षेत्रवासियों ने जिला पंचायत सदस्य श्रीमती पूर्णिमा मनिराम साहू का फूल-माला भेंट कर सम्मान किया। उन्होंने अपनी जीत के लिए सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम को भाजपा के जिला उपाध्यक्ष नीतेश अग्रवाल, जिला पंचायत सदस्य डॉ.वीरेन्द्र साहू सहित अन्य पदाधिकारियों ने भी संबोधित किया और निर्वाचित जिला पंचायत सदस्य श्रीमती पूर्णिमा मनिराम साहू के चुनावी संघर्ष की प्रशंसा की।

माँ कर्मा के जीवन से हमें मानव सेवा की शिक्षा मिलती है : ताम्रध्वज साहू

भिलाई, 25 मार्च । प्रदेश के पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने 25 मार्च को भक्त माता कर्मा जी की जयंती पर प्रदेश एवं क्षेत्र वासियों को बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित की है। अपने बधाई संदेश में

साहू ने कहा कि छत्तीसगढ़ में साहू समाज सहित सभी समाजों द्वारा भक्त माता कर्मा जयंती का पर्व बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। आराध्य माँ कर्मा ने अपनी भक्ति भाव से साक्षात् भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन किए और उनका आशीर्वाद ग्रहण किया। उनके जीवन से हमें श्रद्धा, भक्ति, नारी सम्मान और मानव सेवा की शिक्षा मिलती है। माँ कर्मा का विराट व्यक्तित्व हम सभी को भक्ति के मार्ग पर चलते हुए लोगों की सेवा करने हेतु सदैव प्रेरित करता रेहगा।

नवनियुक्त कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर ने पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू से की सौजन्य मुलाकात

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

उतई, 25 मार्च। छत्तीसगढ़ के 11 जिलों में कांग्रेस पार्टी द्वारा जिलाध्यक्ष की नियुक्ति शनिवार को कांग्रेस जनरल सेक्रेटरी केसी वेणुगोपाल द्वारा किया गया। दुर्ग ग्रामीण कांग्रेस कमेटी जिला अध्यक्ष के पद पर पाटन क्षेत्र के ग्राम धौराभांटा निवासी पूर्व सभापति जिला पंचायत दुर्ग एवं किसान नेता राकेश ठाकुर को नियुक्त किया गया। राकेश ठाकुर को जिलाध्यक्ष बनाए जाने के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है नवनियुक्त कांग्रेस दुर्ग जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू जी से मुलाकात करने उनके मीनाक्षी नगर दुर्ग निवास पहुंचे । जहां जिलाध्यक्ष श्री ठाकुर ने पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू से मुलाकात कर नवीन दायित्व के लिए आभार व्यक्त किया व आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान विभिन्न राजनीतिक गतिविधि व संगठनात्मक चर्चा भी हुआ। इस दौरान जिलाध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग ग्रामीण श्री राकेश ठाकुर, विनोद गुप्ता, अय्यूब खान, धर्मेन्द्र बंजारे जितेंद्र साहू आलोक चंद्राकर अभिषेक शर्मा, दुर्गेश ताम्रकार, अमृत राजपूत, गोविंदा निषाद, हेमलाल साहू, ईश्वर निषाद, पालेश्वर ठाकुर, लक्की यदु सहित अन्य मौजूद थे।

भक्ति में शक्ति का स्वरूप है संत माता कर्मा:खेमलाल साहू

कर्मा जयंती पर विशेष

उतई, 25 मार्च। चैत कृष्ण पक्ष एकादशी पाप मोचनी के पावन दिवस में संत माता कर्मा का जन्म झांसी की पावन धरती में आज से लगभग 1009 वर्ष पहले, बहुत ही सम्पन्न तैलकार रामशाह के यहां सम्वत् 1073 के चैत्र कृष्ण पक्ष 11 को एक सुकन्या ने जन्म लिया। पिता रामशाह परिवार से धार्मिक संस्कार तो मिला ही था, इसलिए बचपन से भगवान श्री कृष्ण जी के भजन-पूजन आराधना में ही कर्मा माता को विशेष आनंद मिलता था। अपने शांत, धार्मिक प्रवृत्ति, पत्निव्रता धर्म से अपने पति के हृदय में भगवान के प्रति अनुराग पैदा करने में सफल रही। अपने त्याग , तपस्या और समर्पण भाव से भगवान कृष्ण जी साक्षात दर्शन दिए और खिचड़ी का भोग भी लगाए द्य ऐसी महान संत का जन्म तैलिक कुल में जन्म लेकर तेली समाज को संकट से उबारने का काम भी किया है । तेली कुल में महिला

वंदनीय पूज्यनीय है द्य जिनके बताये मार्ग में चलकर समाज उत्तरोत्तर प्रगति कर रहा है द्य तेली समाज मूलतः व्यपार करने वाला समाज है द्य तेल जिसे औषधि भी माना जाता है द्य जिसका व्यपार करके जीवन यापन किया जाते रहा है द्य तेल के व्यवसाय में जब संकट की घड़ी आयी तभी मां कर्मा ने अपने समर्पण भाव से भगवान कृष्ण जी को प्रसन्न करके समाज को संकट से उबारने के लिए प्रार्थना किया और भगवान ने उबारा भी दिया । माता कर्मा की भक्ति में इतनी शक्ति थी कि कर्मा के खिचड़ी को ग्रहण करने के

लिए प्रभु को मंदिर से निकलकर स्वयं चलकर माता कर्मा के पास आना पड़ा और कर्मा को आशीर्वाद भी प्रदान किया कि सदा मुझे खिचड़ी का प्रथम भोग लगेगा द्य भगवान जगन्नाथ मंदिर में आज भी खिचड़ी का ही भोग लगाया जाता है । जगन्नाथ के भात अउ जगत पसारे हाथ की कहावत आज भी चरितार्थ है द्य समाज मे फैली कुरीतियों को भी दूर करने का कार्य माता कर्मा ने किया है ।तेली समाज एक संगठित समाज है जिसमे पार से लेकर प्रदेश स्तर के संगठन कार्यरत है । पूरे देश मे भी तैलिक वैश्य महासभा के नाम से संगठन कार्य कर रही है । समाज का स्वयं का लिपिबद्ध नियमावली है जो कि समाज का दर्पण है । उनके अनुसार ही समाज संचालित हो रहा है द्य तेली समाज महिला शसक्तीकरण की दिशा में अग्रणी भूमिका में कार्य कर रही है द्य माता कर्मा स्वयं महिला थी और अपने नाम के अनुरूप अपने कर्म की रचना किया है इसलिए उसे कर्मा नाम मिला है । नारी होकर समाज मे नई चेतना लायी है । जिस समय महिलाएं घर से बाहर नही निकलती थी उस समय समाजिक चिंतन करने वाली एक महिला ही थी और आज भी समाज मे महिलावो का स्थान अग्रिम पंक्ति में है द्य तेली समाज के द्वारा जयंती के अवसर पर माता कर्मा के सतकर्मो को जीवन मे उतारने का दिवस होता है । इसलिए घर घर पूजा होती है और गांव गांव में जयंती मनाई जाती है । जयंती समाजिक एकता और संगठन के भाव को प्रदर्शित करती है ।

सुरेठी कुर्मी वर्मा समाज ने होली मिलन के साथ निर्वाचित जनप्रतिनिधियों का सम्मान किया

कवर्धा, 25 मार्च। जिला सुरेठी कुर्मी वर्मा के द्वारा पोंडी सामाजिक भवन में विशेष बैठक,जिसमें सर्वप्रथम ज्ञान की देवी मां सरस्वती की पूजा अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। सुरेठी कुर्मी समाज अध्यक्ष शिव प्रसाद वर्मा ने कहा जिस प्रकार अंगूर का गुच्छा जब तक एक साथ रहती है,तब तक कीमत ज्यादा होती है।लेकिन वही अंगूर का गुच्छा जब टूटकर अलग हो जाती है,तक उसका कीमत कम हो जाती है।इसी प्रकार जब तक हम सब समाज से जुड़े रहेंगे,तब तक हमारा समाज राजनीतिक,आर्थिक,व्यापारिक सहित हर क्षेत्र में महत्व बढ़ता रहेगा।सभी सामाजिक बंधुओं का समाज के प्रति भागीदारी एवं निरंतर प्रयास ही सबका अनुकरणीय कार्य है। तत्पश्चात भारतीय परंपरा अनुरूप होली

मिलन एवं निर्वाचित जनप्रतिनिधियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया।जिसमें त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 2025 में जनमानस द्वारा चुने गए समाज के 18 जनप्रतिनिधियों का प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह सहित गमछा नारियल भेट कर वरिष्ठजनो द्वारा एक एक कर सम्मान किया।जनपद पंचायत बोड़ला अध्यक्ष श्रीमति बालका रामकिंकर वर्मा और जनपद सदस्य श्रीमति पूर्णिमा वाल्मिकी वर्मा , श्रीमति सद्भावना रवि वर्मा ,श्रीमति मधु प्रीतम वर्मा बोड़ला ओर सरपंच नरेन्द्र वर्मा ग्राम ,सुरेश वर्मा ,श्रीमति नेहा भरत वर्मा ग्राम पंचायत ,श्रीमति संतोषी संतोष वर्मा ,श्रीमति मंदाकिनी विश्वनाथ वर्मा और 09 उपसरपंच बने ।कुल मिलकर जनपद अध्यक्ष, जनपद सदस्य,सरपंच, उपसरपंच मिलकर कवर्धा विधानसभा में 18 लोग जनप्रतिनिधि के रूप में निर्वाचित हुए।सभी को समाज के द्वारा बधाई शुभकामनाए एवं उज्जवल भविष्य की कामना प्रेषित किया।। संगठन पदाधिकारी शिवप्रसाद वर्मा जिलाध्यक्ष सुरेठी कुर्मी (वर्मा)समाज कबीरधाम,बद्री प्रसाद वर्मा उपाध्यक्ष,अशोक वर्मा कोषाध्यक्ष,धन्नू राम वर्मा सचिव,जयचंद वर्मा संगठन मंत्री,वाल्मिकी वर्मा मीडिया प्रभारी,शत्रुहन वर्मा प्रवक्ता,शीतल वर्मा प्रवक्ता,पुरन वर्मा सह सचिव को समाज के प्रबुद्धजनों द्वारा सम्मानित कर रंगों का पर्व होली मिलन एक दूसरे को रंग गुलाल लगाकर बधाई शुभकामनाए दिया।एक साथ मिलकर जनता की सेवा करने की संकल्प लिया गया।

सफल आयोजन हेतु सभी समाज के प्रमुखजनों का हृदय से आभार।। उक्त कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे।

गोंडवाना विकास समिति ने शिव,रामशिला का सम्मान किया

उतई, 25 मार्च। नगर पंचायत उतई के नवनिर्वाचित पार्षद आदिवासी समाज से श्री शिव कुमार मंडावी एवं श्रीमती रामशिला धनंजय नेताम का रविवार को बुढ़ादेव मंदिर में गोंडवाना विकास समिति की ओर से सम्मान श्रीफल व पीला गमछा भेट देकर उनको सम्मानित किया गया इस अवसर पर मंदिर पुजारी रामदयाल ठाकुर अमर सिंह ठाकुर संतोष नेताम पुनेशवर मंडावी जीवनलाल मांडवी श्रीमती केशनी बाई मांडवी श्रीमती वैदिक ठाकुर श्रीमती डामिन नेताम श्रीमती सरोज ठाकुर छत्तर सिंह मंडावी तोरण ठाकुर हरिशंकर ठाकुर गोंडवाना विकास समिति के अध्यक्ष बहादुर सिंह नेताम जिनकी उपस्थिति में सम्मान किया गया।

स्ट्रीट वेंडरों को बांटे गए बड़े डस्टबिन एवं हाइजीनिक किट

भिलाई, 25 मार्च । नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र में सड़क के किनारे एवं निर्धारित स्थल पर खादय सामग्री बेचने वाले लगभग 8780 स्ट्रीट वेंडर है। इसमें से 3222 स्ट्रीट वेंडरो का नगर निगम भिलाई द्वारा पंजीयन किया गया है। इनके पास गुमशता, हाकर लाइसेंस, पंजीयन प्रमाण पत्र आदि प्रदान किया गया है। ज्यादातर स्ट्रीट वेंडर द्वारा दैनिक उपयोग की खाद्य सामग्री बनाकर बेचा जाता है। समय-समय पर उन्हें शासन की योजना के अनुसार ट्रेनिंग दी जा रही है। किस प्रकार से दुकानों का संचालन करें, शासन द्वारा उन्हे क्या सुविधा प्रदान की जा रही

है। शुरू में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत व्यापार करने के लिए उन्हे 10 हजार का लोन प्रदान किया जाता है। बैंक से उनका ट्रांजेक्शन ठीक रखने एवं हिसाब-किताब व्यवस्थित रखने पर उन्हे और आवश्यकतानुसार बैंक द्वारा दुकान को अच्छे ढंग से संचालित करने के लिए ऋण प्रदान किया जाता है। जो 10 हजार, 20 हजार, 50 हजार, 2 लाख इत्यादि आवश्यकता अनुसार बहुत कम ब्याज दर पर प्रदान किया जा रहा है। निगम सभागार में आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय द्वारा उपस्थित सभी स्ट्रीट वेंडरों को गीला कचरे के लिए हरा रंग का बड़ा डस्टबिन एवं सूखा कचरे के लिए नीला रंग का बड़ा डस्टबिन बांटा गया। साथ ही स्ट्रीट फूड वेंडरों को प्रथम एजुकेशन फाउन्डेशन द्वारा हाथ में पहने के लिए ग्लबस, सर पर पहने के लिए टोपी, एप्रान, गारबेज बेग, काउंटर पोछने के लिए कपड़े आदि सामग्री बांटा गया है। ताकि स्ट्रीट वेंडर अपने दुकान पर बची हुई खादय सामग्री, दोना, प्लेट, पानी बॉटल इत्यादि इधर-उधर न फेंक कर डस्टबिन में ही डालें। जिसे नगर निगम भिलाई के स्वच्छता गाड़ी में दे दिया करें।

ललित कला अकादमी रीजनल सेन्टर के लिए मुख्यमंत्री से मिलेंगे कलाकार

भिलाई, 25 मार्च । ललित कला अकादमी के रीजनल सेन्टर की स्थापना के लिए मुख्यमंत्री से छत्तीसगढ़ के ख्यातलब्ध कलाकार मिलेंगे। विधायक ललित चंद्राकर ने अपने आवास में मिलने आए कलाकारों को आश्वस्त किया है कि वे इस महत्वपूर्ण विषय पर हरसंभव मदद करेंगे। मुलाकात के दौरान वरिष्ठ रंगकर्मी विजय शर्मा, प्रवीण कालमेघ, तरूण धोटे, कांता देवी, यश दलवी खैरागढ़ संगीत विश्वविद्यालय से प्रीति, गुंजन तथा ललित कला में राज्य से प्रथम बोर्ड मेम्बर डॉ.अंकुश देवांगन उपस्थित थे।

ग्रीष्मकाल में पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर जोर:साय

फील्ड विजिट कर समस्याओं का मौके पर समाधान सुनिश्चित करें अधिकारीः साय

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर, 25 मार्च। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि ग्रीष्मकाल में प्रदेश के प्रत्येक नागरिक तक निर्बाध और सुरक्षित पेयजल पहुंचाना हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है। इसके लिए सभी विभागों के बीच समन्वय और जनसहभागिता अनिवार्य है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि जल संकट से निपटने के लिए जल संरक्षण की दिशा में ठोस और निर्णायक कदम उठाए जाने की आवश्यकता है, जिससे आने वाले समय में प्रदेश जल संकट की किसी भी स्थिति से सुरक्षित रह सके। मुख्यमंत्री साय मंत्रालय में आयोजित लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी एवं जल संसाधन विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री साय ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ग्रीष्म ऋतु के दौरान प्रदेशभर में पेयजल की समुचित और सतत उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सभी जरूरी उपायों को प्राथमिकता पर क्रियान्वित किया जाए। मुख्यमंत्री साय ने ग्रीष्मकालीन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए प्रदेशभर में पेयजल की उपलब्धता को राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता घोषित किया है।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जल संकट की किसी भी संभावना को गंभीरता से लेते हुए त्वरित और समन्वित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने इस दिशा में ग्रामीण विकास, नगरीय प्रशासन, ऊर्जा, वन एवं कृषि विभाग को परस्पर तालमेल के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में उत्पन्न हो रही पेयजल समस्याओं के समाधान हेतु अल्पकालिक और दीर्घकालिक रणनीतियाँ समान रूप से आवश्यक हैं।

इसके लिए उन्होंने जल संरक्षण के प्रभावी उपायों जैसे रिचार्ज पिट, रेन वॉटर हार्वेस्टिंग और सौर ऊर्जा आधारित पंपों को तेजी से बढ़ावा देने पर बल दिया। साथ ही, उन्होंने भूजल के अनियंत्रित दोहन पर सख्त निगरानी रखने और कम जल-खपत वाली फसलों की खेती को प्रोत्साहन देने के निर्देश दिए, जिससे जल संसाधनों का संतुलित उपयोग सुनिश्चित हो सके। मुख्यमंत्री श्री साय ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे केवल कार्यालयों तक सीमित न रहते हुए, फील्ड में जाकर स्वयं स्थिति का आकलन करें और स्थल पर ही पेयजल संबंधी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें।

समाचार संक्षेप

आत्मनिर्भर भारत अभियान महिलाओं को देश के विकास के साथ जोड़ रहा है: किरण

छुरिया, 25 मार्च। जागरण ग्राम संगठन द्वारा आयोजित आमसभा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष किरण वैष्णव शामिल हुई। श्रीमती वैष्णव ने कहा कि लगातार गांव मे महिला समुह द्वारा आमसभा कार्यक्रम आयोजित किया जाता है, यहां भी महिला समुह द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्य किये जा रहे जो बेहद प्रशंसनीय है, आज मुझे बहुत खुशी हो रही है कि हमारी माताएं बहनें आत्मनिर्भर भारत की ओर अग्रसर है..कार्यक्षेत्र मे महिलाओं की भागीदारी ने लाखों परिवारों को गरीबी से बाहर निकालने और रोजगार पैदा करने में मदद की है.उक्त कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जनपद पंचायत छुरिया अध्यक्ष संजय सिन्हा ने भी संबोधित करते हुए कहा कि हमारे लिए गर्व की बात है कि आज हमारे गांव की महिला सशक्त मजबूत और आत्मनिर्भर बन रही है.इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि जनपद पंचायत छुरिया उपाध्यक्ष प्रशांत ठाकुर श्रीमति भेषबाई साहू जनपद सदस्य ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। साथ ही इस अवसर पर चंद्र प्रकाश मोटधरे, कुमार साहू,नकुल नेताम, कीर्तन साहू सरपंच, लखन गेंड्रे, भूखन पटेल, बल्देव साहू, विष्णु साहू,संतोष धनगावी , सुभाष ठाकुर ग्राम पटेल ,खे़म ठाकुर, हेमू साहू ,ताम्रध्वज पटेल, गोवर्धन साहू और ग्राम संगठन की महिलाओ ने महाअधिवेशन कार्यक्रम रखा जिसमें प्रमुख रूप से गीता साहू सक्रिय महिला हितेश्वरी साहू अध्यक्ष ललिता साहू सचिव सरिता कोटेरे कोषाध्यक्ष, जीयन साहू, वेणु पटेल, हरिता कुंजाम, धन्ना साहू, भीणेश्वरी साहू, त्रिवेणी पटेल दुलेस्वरी पटेल व ग्रामवासिय उपस्थित थे।

एक नजर

हसन ख्वाजा ने रखा पहला रोजा

राजनांदगांव, 25 मार्च। पवित्र रमजान के महीने के चलते एम. आई. जी. - 1 दीनदयाल नगर चिखली निवासी पिता अजहर ख्वाजा (महिला एवं बाल विकास) और माता परवीन ख्वाजा (शिक्षा विभाग) के पुत्र हसन ख्वाजा (अहद) 6 वर्ष ने अपना पहला रोजा मुकम्मल किया है।

उल्लेखनीय है कि ईद उल फितर 31 मार्च को होना संभावित है। अगर चांद की तस्दीक हों जाती हैं। तो 31 मार्च को निश्चित रूप से ईद उल फितर मनाया जाएगा। रमजान के चलते मस्जिदों में मुस्लिम समाज के लोगों द्वारा विशेष नमाज अदा की जाएगी। ईद को लेकर समाज में अभी से उत्साह का माहौल बनने लगा है।इसके लिए बाजार में अभी से खरीदारी शुरू हो गई है।

जिला स्तरीय कर्मा जयंती एवं सम्मान समारोह का आयोजन

राजनांदगांव, 25 मार्च। जिला साहू संघ के अध्यक्ष भागवत साहू ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी

करते हुए कहा कि प्रदेश साहू संघ के आह्वान पर जिला साहू संघ के द्वारा जिला स्तरीय कर्मा जयंती एवं सम्मान समारोह आज 25 मार्च 2025 दिन मंगलवार को जिला साहू संघ में धूमधाम से मनाई जाएगी। साहू ने आगे कहा कि जिला साहू संघ में सर्वप्रथम प्रातः 08 बजे माँ कर्मा मंदिर में आरती पश्चात् मां कर्मा झाँकी के साथ भव्य कलश शोभा यात्रा, प्रातः 11 बजे सांस्कृतिक कार्यक्रम, दोपहर एक बजे माँ कर्मा की सामूहिक पूजा एवं ध्वजारोहण, 1.30 बजे समाज के नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधि सम्मान समारोह, दो बजे आमंत्रित अतिथियों स्वागत एवं संबोधन, तीन बजे खिचड़ी प्रसादी (भोजन) आदि होंगे। उन्होंने जिला साहू संघ के समस्त पदाधिकारी अध्यक्ष सचिव तहसील साहू संघ परिक्षेत्र साहू संघ को बड़ी संख्या में कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की हैं। उक्त जानकारी जिला साहू संघ के महामंत्री नीलमणी साहू ने दी है।

पंचायतों में स्वच्छता त्यौहार मनाया गया

राजनांदगांव 25 मार्च। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत जिले के सभी ग्राम पंचायतों में शनिवार को स्वच्छता त्यौहार का आयोजन किया गया। स्वच्छता त्यौहार के दौरान ग्रामों में साफ-सफाई की गई। ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए रैली निकाली गई और स्वच्छता प्रदर्शनी का आयोजन किया भी किया गया। ग्रामीणों ने स्वच्छता बनाए रखने और प्लास्टिक के उपयोग को कम करने का संकल्प लिया। स्वच्छता त्यौहार में जनप्रतिनिधियों, बच्चों, युवाओं, वरिष्ठ नागरिकों एवं ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इसके अलावा स्कूलों में स्वच्छता विषय पर निबंध, लेखन, चित्रकला प्रतियोगिता तथा स्वच्छ ग्राम पुरस्कार वितरण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम में स्वच्छता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वच्छताग्राही, पंचायत प्रतिनिधि और सामाजिक संगठनों को सम्मानित किया गया।

किसान को बिना पंजीयन नहीं मिलेगा सरकारी योजनाओं का लाभ

धमतरी 25 मार्च। जिले के सभी कृषि भूमिधारक किसानों को आधार नंबर की तरह ही यूनिक पहचान नंबर देने के लिए किसानों का एग्रीस्टैक पोर्टल पर पंजीयन किया जा रहा है। किसानों को यूनिक पहचान नंबर मिल जाने से खेती-किसानी के लिए चलाई जा रही शासकीय योजनाओं का लाभ लेने में बड़ी आसानी होगी। किसान पंजीयन के लिए 31 मार्च 2025 अंतिम तिथि निर्धारित की गई है। केन्द्र सरकार की एग्री टैक परियोजना के तहत किसानों को इस पोर्टल पर पंजीयन कराना अनिवार्य है। बिना पंजीयन के भविष्य में किसानों को सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाएगा।

एग्रीस्टैक पोर्टल में पंजीयन कराने के लिए किसान अपने नजदीक के प्राथमिक सहकारी समिति या जिले के किसी भी चॉईस सेंटर या लोक सेवा केन्द्र पर सम्पर्क कर सकते हैं। धमतरी जिले में अभी तक 88 हजार 106 किसानों को एग्रीस्टैक पोर्टल में पंजीकृत कर उनके यूनिक किसान नंबर फॉर्मर आईडी जारी किए जा चुके हैं। कृषि विभाग के उप संचालक मोनेश साहू ने बताया कि एग्रीस्टैक पोर्टल पर पंजीयन कराकर फॉर्मर आईडी बनवाने वाले किसानों को फसल बीमा, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, केसीसी, फसल ऋण जैसी कई सरकारी योजनाओं का लाभ आसानी से मिल सकेगा। सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए किसानों को बार-बार अपने दस्तावेज देने की आवश्यकता नहीं होगी।

डोंगरगढ़। नगर पालिका के नवनिर्वाचित अध्यक्ष रमन डोंगरे के द्वारा अधिवक्ता संघ डोंगरगढ़ को 25 कुर्सी प्रदान की गई। इस अवसर पर अधिवक्ता संघ डोंगरगढ़ ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

कलेक्टर ने पॉलीटेक्निक कॉलेज में छात्रों का उत्साह बढ़ाया

धमतरी 25 मार्च। कलेक्टर मिश्रा आज सुबह रुद्री स्थित भोपाल राव पावर पॉलिटेक्निक कॉलेज पहुंचे। उन्होंने जिला पंचायत सीईओ श्रीमती रोमा श्रीवास्तव के साथ विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया और उनसे भविष्य के बारे में कैरियर के बारे में बात की। दोनों अधिकारियों ने विद्यार्थियों से अपने छात्र जीवन के अनुभव भी साझा किए और सभी को मेहनत कर अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित होकर आगे बढ़ने की समझाईश दी। कलेक्टर ने विद्यार्थियों से उनके कैरियर ऑप्शन्स के बारे में बात की और उनसे सरकारी नौकरी, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के साथ अपना व्यवसाय शुरू करने के बारे में जाना।

वृंदावन का प्रेम मंदिर व कीर्ति मंदिर सनातन धर्म की पताका:धामेश्वरी

राजनांदगाव, 25 मार्च। शहर के स्टेट स्कूल में विश्व प्रसिद्ध संत कृपालु जी महाराज (वृंदावन) की की प्रमुख प्राचारिका शिष्या सुश्री धामेश्वरी देवी का प्रवचन का कार्यक्रम आयोजित है किस सिलसिले में उन्होंने पत्रकार वार्ता लेते हुए परम पूज्य कृपालु जी महाराज की महिमा बताई। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि विश्व

में शायद ही ऐसा कोई शायद ही ऐसा कोई व्यक्ति होगा जो पूज्य महाराज जी को नहीं जानता हो उन्होंने कहा कि वृंदावन धाम का प्रेम मंदिर बरसाना का कीर्ति मंदिर सनातन धर्म की पताका है। आज के भौतिक जीवन की उधेड़ बुन में व्यक्ति अपने जीवन का लक्ष्य भूलता जा रहा है। ऐसी परिस्थिति में ईश्वर हम जीवों के उद्धार हेतु अपने संतों को इस धरा धाम पर भेजते हैं। वे संत ही कृपा द्वारा हम भटकते हुए जीवो का पथ प्रदर्शन करते हैं। हमें सही रास्ता दिखाते हैं। ऐसे ही विश्व विख्यात संत हैं जगद्?गुरूत्तम श्री कृपालु जी महाराज। आज विश्व में शायद ही कोई व्यक्ति हो जो श्री महाराज जी को न जानता हो। श्री गहाराज जी द्वारा वृंदावन धाम में स्थापित दिव्य प्रेम मंदिर हमारे सनातन धर्म की पताका है।

बच्चों ने गर्मीभर पशु-पक्षियों की देखभाल का लिया संकल्प

रायपुर, 25 मार्च। खरतरगच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणि प्रभ सूरीश्वर जी द्वारा प्रतिष्ठित श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व चमत्कारी श्री जिनकुशल सूरि जैन दादाबाड़ी , भैरव सोसायटी में भगवान महावीर स्वामी 2624 वाँ जन्मकल्याणक महोत्सव के अंतर्गत भीषण गर्मी की संभावना देखते हुए मूक पक्षियों के दाना पानी के लिये दाना फीडर व सकोरा वितरण किया गया। प्रातः पूजन करने आए बच्चों को धर्म के साथ ही सेवा दया करुणा की शिक्षा दी गई सभी बच्चों ने दाना फीडर सकोरा घर ले जाकर गर्मी भर मूक पक्षियों की सेवा का संकल्प लिया। श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष संतोष बैद व महासचिव महेन्द्र कोचर ने बताया कि मूक पक्षियों के लिए आधुनिक दाना पानी फ़ीडर व प्लास्टिक सकोरे का वितरण आरंभ किया गया। जिसे घर की छत पर या बाल्कनी में आसानी से रखा व टांगा जा सकता है और स्वच्छता के साथ पक्षियों के दाना पानी दिया जा सकता है। ट्रस्टी नीलेश गोलेछा व टीकम जैन ने बताया कि 25 मार्च से सार्वजनिक पशु आहार गौशाला में घुमन्तु पशुओं के लिए हरी सब्जियां व चारा वितरण पखवाड़े का आरम्भ किया जावेगा।

श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर में बच्चों में धर्म के साथ सेवा - दया करुणा का बीजारोपण

निगम आयुक्त ने स्टेशनपारा, पुराना बस स्टैण्ड एवं गंज चौक में साफ-सफाई देखी

दुकानदारों को डस्टबिन रखने दिये समझाईस

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 25 मार्च। स्वास्थ्य सेवाओ में गुणात्मक सुधार लाने नगर निगम आयुक्त श्री

अतुल विश्वकर्मा वार्डो में जाकर सफाई कर्मियों को दिशा निर्देश दे रहे हैं। उन्होंने आज सुबह स्टेशन पारा, पुराना बस स्टैण्ड एवं गंज चौक में साफ सफाई का निरीक्षण कर हाजरी रजिस्टर की जॉच किये और झिल्ली पन्नी का उपयोग नही करने, डस्टबिन रखने समझाईस देने और मलमा मण्डप के तहत कार्यवाही करने स्वास्थ्य अधिकारी श्री राजेश मिश्रा हो निर्देशित किये।

स्टेशन पारा क्षेत्र में साफ सफाई देख आयुक्त श्री विश्वकर्मा ने कहा कि सभी सफाई कर्मी निर्धारित समय तक सफाई कार्य करेगे, झिल्ली पन्नी का उपयोग नही करने डस्टबिन का उपयोग करने समझाईस देगे। उन्होंने स्वच्छता दीदीयो से चर्चा कर कहा कि गिला एवं सुखा कचरा अलग अलग रखे, घर वालो को भी अलग अलग कचरा देने समझाईस देवे। उन्होंने ओव्हर ब्रिज के नीचे टैंट का समान रखे देख हटाने समझाईस देने कहा। इसी प्रकार रोड में ईट रखने पर संबंधित को हटाने कहे, नही हटाने पर जुर्माना लगावे। इसके अलावा स्टेशन रोड के बंद बोरिंग को चालू कराने के निर्देश दिये। पुराना बस स्टैण्ड में साफ सफाई देख वार्ड प्रभारी से आयुक्त ने कहा कि जनता के आवागमन का स्थल है, इसलिये यहा प्रतिदिन समुचित साफ सफाई होनी चाहिये। उन्होंने भरकापारा एसएलआरएम सेन्टर का जायजा लेकर साफ सफाई रखने गिला सुखा कचरा व्यवस्थित रख छटनी करने के निर्देश दिये। इसके अलावा गंज चौक में सफाई देख दुकानदारो को डस्टबिन रखने समझाईस दिये।

श्रृंगीऋषि पर्वत, कर्णेश्वर मंदिर में सुविधाओं का होगा विस्तार

जिले को पर्यटन के क्षेत्र में मिलेगी अलग पहचान

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

धमतरी 25 मार्च। जिले में पर्यटन क्षेत्रों के विस्तार की पहल शुरू हो गयी है। इसके मद्देनजर कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा ने आज नगरी विकासखंड के सिहावा स्थित श्रृंगीऋषि पर्वत, कर्णेश्वर मंदिर और समीप स्थित महाकुण्ड तथा गणेश घाट का निरीक्षण कर पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए किये जाने वालों कार्यों को देखा। कलेक्टर श्री मिश्रा ने कहा कि पर्यटन क्षेत्रों के विकास से जिले को पर्यटन के क्षेत्र में अलग पहचान मिलेगी। इसके लिए आवश्यकता है कि इन क्षेत्रों में सभी मूलभूत सुविधायें उपलब्ध हो, ताकि आने वाले पर्यटकों को किसी प्रकार की परेशानियां का सामना न करना पड़े। इस दौरान कलेक्टर ने गणेश घाट के सौंदर्यीकरण, महानदी के उद्गम स्थल के आसपास रौशनी हेतु प्रस्ताव तैयार करने कहा। कलेक्टर ने कहा कि पर्यटन की दृष्टि से यह महत्वपूर्ण स्थल है, दूरदराज से लोग श्रृंगीऋषि मंदिर और महानदी के उद्गम स्थल को देखने प्रतिदिन आते है, इसके आसपास साफ-सफाई, शौचालय आदि की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाये।

निगम अध्यक्ष पारस वर्मा में पूजा-अर्चना कर कार्यभार ग्रहण किया

महापौर यादव एवं आयुक्त विश्वकर्मा ने दी बधाई

राजनांदगांव 25 मार्च। नगर निगम के नव निर्वाचित अध्यक्ष श्री टोपेन्द्र सिंह पारस वर्मा ने आज पूर्वान्ह में निगम कार्यालय के अध्यक्ष कक्ष में पूजा अर्चना कर कार्यभार ग्रहण किया। कार्यभार ग्रहण के दौरान महापौर श्री मधुसूदन यादव एवं निगम आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा ने पुष्पगुच्छ भेट कर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर महापौर परिषद के प्रभारी सदस्यों व पार्षदो ने भी उन्हें माला पहनाकर बधाई दी। कार्यभार ग्रहण के दौरान निगम अध्यक्ष श्री पारस वर्मा ने कहा कि महापौर श्री मधुसूदन यादव सहित संगठन के वरिष्ठजनों ने मुझे निगम अध्यक्ष के लिये नामित किया और पार्षद साथियो ने मुझे मतदान कर अध्यक्ष बनाया जिसके लिये मैं महापौर, संगठन और पार्षदो का सहृदय आभारी हूॅ। उन्होनें कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय, विधान सभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, नगरीय प्रशासन मंत्री अरूण साव, प्रभारी मंत्री विजय शर्मा, सांसद संतोष पाण्डे के मार्गदर्शन में महापौर यादव के साथ मिलकर शहर विकास करेंगे तथा शासन की योजनाओं को जन जन तक पहुचायेगे। उन्होंने अपने वार्ड नं. 16 के वासियों का भी आभार व्यक्त करते हुये कहा कि उन्होंने मुझे भारी मतो से विजयी बनाया।

असामाजिक तत्वों के खिलाफ पुलिस ने की कार्रवाई

राजनांदगांव, 25 मार्च। पुलिस अधीक्षक श्री मोहित गर्ग के मार्गदर्शन व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा तथा नगर पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र नायक के दिशा निर्देश पर थाना प्रभारी बसंतपुर निरीक्षक एमन साहू के नेतृत्व में आपराधिक व असमाजिक तत्वो एवं अवैध शराब कोचियो पर लगातार कार्यवाही किया जा रहा पहै। इसी कडी में ग्राम मोहड में शराब पीकर हो-हुल्लड व शराब बिक्री करने वाले असामाजिक तत्वो के विरूद्ध की गई कार्यवाही। मामले का संक्षिप्त विवरण- इस प्रकार है कि शशी साहू पिता गिरधर साहू उम्र 28 साल , निहाल साहू पिता स्व0 कमलेश साहू उम्र 34 साल , ज्ञानदास साहू पिता खेमलाल साहू उम्र 34 साल , दिलीप श्रीवास पिता माखन श्रीवास उम्र 30 साल , थानेश्वर साहू पिता स्व0 खेमलाल साहू उम्र 34 साल द्वारा गांव मे शराब पीकर हो-हुल्लड करने की सूचना मिलने उपरान्त मौके पर पुलिस पार्टी पहुँचकर अनोवदकगण को समझाईश दिया गया, जो नही माना। ग्राम में अप्रिय घटना घटित होने व परिशांति भंग होने की अदेशा पर अनोवदकगणों के विरूद्ध धारा 107,126,135(3) बीएनएस के तहत् कार्यवाही कर अनावेदकगणो को माननीय एस0डी0एम0 न्यायायल के समक्ष पेश किया गया। माननीय न्यायालय द्वारा अनावेदकगणों का जेल वारंट प्राप्त होने उपरान्त अनावेदकगणो को जिला जेल राजनांदगांव दाखिल किया गया।

सामाजिक सुरक्षा पेंशन के लिये 10 मार्च से 2 अप्रैल तक शिविर

वार्डो में शिविर, दिसम्बर एवं जनवरी माह के पेंशन का होगा भुगतान

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 25 मार्च। नगर के सामाजिक सुरक्षा पेंशनधारियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये नगर निगम द्वारा प्रति माह पेंशन का भुगतान वार्डो में शिविर लगाकर किया जाता है। इसी कडी में हितग्राहियों को माह दिसम्बर 2024 एवं जनवरी 2025 का पेंशन भुगतान के लिये वार्डो में 10 मार्च से 2 अप्रैल 2025 तक प्रातः 11:30 बजे से दोपहर 4 बजे तक शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिसके तहत 26 मार्च को गुरूघासीदास वार्ड नं. 40 व नंदई वार्ड नं. 48 के लिये सामुदायिक भवन नंदई नाका में एवं झुलेलाल वार्ड नं. 41 के लिये सामुदायिक भवन झुलेलाल इंदिरा नगर में, 27 मार्च को महावीर वार्ड नं. 37 के लिये गंजपारा स्कूल में, दिग्विजय वार्ड नं. 38 के लिये पार्षद कार्यालय ब्राम्हण पारा में व हीरामोती वार्ड नं. 39 के लिये सार्वजनिक भवन नागेश्वर मंदिर में तथा 28 मार्च को रविदास वार्ड नं. 20 के लये पेन्ड्री स्कूल में व रेवाडीह आशा नगर वार्ड नं. 21 के लिये रेवाडीह स्कूल में शिविर का आयोजन किया गया है। शेष वार्डो के लिये भी शिविर का आयोजन किया जायेगा। निगम आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा ने सामाजिक सुरक्षा पेंशनधारियों से वार्डो में आयोजित शिविर में प्रातः 11:30 बजे से दोपहर 4 बजे तक उपस्थित होकर माह दिसम्बर 2024 व जनवरी 2025 की पेशन का लाभ लेने की अपील की है।

परीक्षा महाभियान में क्षेत्र के 28100 लोग हुए शामिल

राजनांदगांव 25 मार्च। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग तथा राष्ट्र विद्यालयी शिक्षा संस्थान नई दिल्ली के पहल से राष्ट्रव्यापी बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान मूल्यांकन परीक्षा व उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम अंतर्गत परीक्षा महाभियान का आयोजन किया गया। परीक्षार्थियों में परीक्षा के लिए भरपूर उत्साह देखने को मिला। परीक्षार्थियों ने अपने सभी महत्वपूर्ण कार्यों को शीघ्र निपटाकर परीक्षा केन्द्र पहुंचकर परीक्षा महाभियान में शामिल हुए। परीक्षा केन्द्र में केन्द्राध्यक्ष, पर्यवेक्षक द्वारा परीक्षार्थियों का स्वागत किया गया। स्वयं सेवी शिक्षकों ने परीक्षार्थियों को परीक्षा केन्द्र तक लाने में सहयोग किया। जिला परियोजना अधिकारी जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण श्रीमती रश्मि सिंह ने बताया कि अनंतिम आकड़ों के अनुसार परीक्षा महाभियान में लगभग 28100 परीक्षार्थी शामिल हुए।

धरती आबा अभियान

आदिवासी इलाकों में समग्र विकास की नई पहल

कलेक्टर ने नगरी में की अधिकारियों संग बैठक, विकास प्रस्ताव बनाने दिए निर्देश

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

धमतरी 25 मार्च। धमतरी जिले के आदिवासी बाहुल्य इलाकों में सड़क, बिजली, पानी, पढ़ाई-लिखाई, इलाज की बेहतर सुविधाओं जैसी मूलभूत जरूरतों को विकसित करने के लिए धरती आबा अभियान संचालित किया जा रहा है। केन्द सरकार के सहयोग से संचालित इस अभियान में जिले के 50 प्रतिशत या उससे अधिक अनुसूचित जनजाति वाली ग्राम पंचायतों-गांवों को शामिल किया गया है। धमतरी जिले में 97 ग्रामों पंचातयों के 108 गांवों में इस अभियान का संचालन होगा।

इससे लगभग 75 हजार से अधिक अनुसूचित जनजाति वर्ग के निवासियों को समग्र विकास की सौगात मिलेगी। इस अभियान के तहत आज कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा ने नगरी अनुभाग में अधिकारियों की बैठक ली और सभी से अपने-अपने विभाग के विकास प्रस्ताव तैयार कर अगले तीन दिनों में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री मिश्रा ने चयनित सभी 108 गांवों में धरती आबा अभियान के साथ-साथ राज्य शासन द्वारा संचालित विकास योजनाओं और कार्यक्रमों से भी हितग्राहियों को लाभान्वित करने के लिए निर्देश दिए हैं।

धरती आबा अभियान के तहत 17 प्रमुख विभागों की 25 योजनाओं के समन्वित क्रियान्वयन से क्षेत्र का विकास किया जाएगा। यह अभियान अगले पांच साल चलेगा। इसके तहत आदिवासी बाहुल्य इलाकों में पढ़ाई-लिखाई की बेहतर सुविधाएं, सड़क, बिजली, पानी जैसी मूलभूत जरूरतों के साथ-साथ अच्छे स्वास्थ्य और स्थानीय निवासियों की आजीविका के लिए स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर विकसित करने पर जोर दिया जाएगा। सरकारी योजनाओं से आदिवासी इलाकों के समग्र विकास की धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान में शत्-प्रतिशत सफलता सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा ने आज नगरी के जनपद कार्यालय में आदिवासी समाज के प्रमुखों से चर्चा की। समाज प्रमुखों से उन्होंने संगठित होकर शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने और विकास की मुख्य धारा से जुड़ने का आव्हान किया।

संपादकीय

उम्मीद की जाती है एक जगह तो न हो...

देश में भ्रष्टाचार कहां नहीं हैं,यह कहना जितना आसान है, उतना ही यह कहना मुश्किल है कि भ्रष्टाचार कहां नहीं है। इस देश में शायद ही कोई आदमी ऐसा होगा जो यह मानता होगा कि इस देश में कोई संस्था ऐसी हो सकती है,कोई व्यवस्था ऐसी हो सकती हैं जहां बिलकुल ही भ्रष्टाचार न हो।देश में आजादी के बाद भ्रष्टाचार ही सबसे ज्यादा तेजी से बढ़ा है। आज कोई क्षेत्र ऐसा नहीं है जहां कम ज्यादा भ्रष्टाचार न होता हो।भ्रष्टाचार सर्वव्यापी है। कोई जगह ऐसी नहीं है जहां यह कहा जा सके कि यहां पर भ्रष्टाचार नहीं है। इस जगह कोई भ्रष्टाचार नहीं करता है। इसका मतलब यह नहीं है कि इस देश में सब भ्रष्ट हो गए हैं, इस देश में कोई ईमानदार नहीं रह गया है।देश में ईमानदार लोग भी हैं।बड़ा मुश्किल होता है भ्रष्ट व्यवस्था में खुद को ईमानदार बनाए रखना लेकिन कुछ लोग कितना भी मुश्किल हो खुद का ईमानदार बनाए रखना,वह खुद को ईमानदार बनाए रखने में सफल हैं। अफसोस इस बात का होता है कि ऐसे लोगों की संख्या कम होती जा रही है।भ्रष्ट व्यवस्था में बहुत से लोग ईमानदार बने रहना चाहते लेकिन भ्रष्ट लोगों के कारण एक दिन उनको भी वही करना पड़ता है जो ज्यादातर लोग करते हैं।भ्रष्ट लोगों के बीच एक ईमानदार आदमी दाग की तरह लगता है, इसलिए किसी भी तरह से भ्रष्ट लोग इस दाग को मिटा देना चाहते हैं। भ्रष्टाचार अँधेरे की तरह फैलता ही जा रहा है और ईमानदार आदमी जुगनू की तरह है,बस यह उम्मीद बनाए रखने को कि अंधेरा कितना भी हो, रौशनी है, भले की जुगनू की तरह है।भ्रष्टाचार का अँधेरा फैलता ही जा रहा है, सभी जगह यह अंधेरा है, ऐसे में आदमी उम्मीद करता है कि सपना देखता है कि एक जगह तो अंधेरा न हो। वह जगह है अदालत। आदमी चाहता है,सपना देखता है कि अदालत में तो भ्रष्टाचार का अंधेरा न हो। जज दीपक की तरह भ्रष्टाचार के अंधेरे में न्याय की रोशनी फैलाएं। अच्छी बात यह है कि अदालत में अभी भ्रष्टाचार कम है लेकिन जब भी अदालत के जज के यहां बोरों में पैसा मिलने या जलने की खबर आती है तो आदमी के उम्मीद को बड़ा झटका लगता है कि जज भी वही कर रहे हैं जो राजनीति में नेता कर रहे है।दफ्तरों में अफसर कर रहे हैं।एक कमरे में बोरों में रखा पैसा आधा जल जाए तो कौन यकीन करेगा कि जिस जज के यहां पैसा जला है, वह जज ईमानदार होगा।यह तो सामान्य तौर पर माना जाता है कि किसी के यहां भी इफरात पैसा मिला है तो वह काली कमाई ही होगी। ईमानदार आदमी कितना भी मेहनत कर ले वह इतना पैसा नहीं कमा सकता कि उसे बोरों में भरकर रखना पड़े। जज के घर में पैसा मिले और जज यह कहे कि यह उसका पैसा नहीं है तो यह बात भी यकीन करने वाली नहीं है।जज साहब लाख कहें कि यह उनका पैसा नहीं है,उनको फंसाने के लिए यह साजिश की गई है देश में शायद ही कोई जज साहब की बात पर यकीन करेगा। पैसा जल गया, बात सार्वजनिक हो गई तो भलाई में इसी में रहती है कि पैसे से ही इंकार कर दिया जाए।पहली बार ऐसा हुआ है कि इस बात की जांच कराई गई और रिपोर्ट सीजेआई को सौंप दी गई है और उन्होंने रिपोर्ट का सार्वजनिक कर दिया है।यह आदेश भी जारी कर दिया गया है कि जिन जज साहेब के यहां पैसा जला है, उनको कोई काम न दिया जाए। इससे पहले जज साहेब का तबादला इलाहाबाद हाईकोर्ट करने की खबर भी फैली थी, तब इस बात की चर्चा रही कि किसी जज के यहां पैसा मिले तो उसकी जांच होनी चाहिए या उसका तबादला कर दिया जाना चाहिए। इलाहाबाद के वकीलों ने भी इसका विरोध किया कि ऐसे जज को इलाहाबाद कैसे भेजा जा सकता है।भ्रष्टाचार के आरोप लगे जज के खिलाफ क्या इतना ही किया जाना चाहिए। यह अगर ठीक माना जाता है तो यह तो जज साहेब को फिर से दूसरी जगह भ्रष्टाचार करने की छूट ही मानी जाएगी,भ्रष्टाचार के आरोपी जज को संरक्षण दिया जा रहा है माना जाएगा। जज साहेब के खिलाफ क्या कार्रवाई होती है, यह अभी साफ नहीं है। वैसे भी भ्रष्टाचार के आरोप में जज साहेब के खिलाफ कार्रवाई इतनी लंबी होती है कि उसका कोई मतलब नहीं रह जाता है।यह सवाल तो हमेशा उठता है कि न्यायाधीश को पद से हटाने की प्रक्रिया इतनी दुरूह क्यों है, दूसरे लोगों की तरह उनको जल्द हटाया क्यों नहीं जाता है।उन पर भ्रष्टाचार का आरोप लगते ही पद से हटाया क्यों नहीं जाता है जैसे दूसरे क्षेत्रों में अधिकारियों के साथ किया जाता है।क्या न्याय व्यवस्था के लोग खुद को विशेष मानते हैं,इसलिए उनके लिए अलग से कार्रवाई की प्रक्रिया है। अब तक यही होता आया है कि हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट के जज पर आरोप लगे तो इन हाउस जांच होती है,आरोप साबित होने के बाद भी कार्रवाई में बरसों लग जाते हैं,कई बार तो जज रिटायर हो जाते हैं तब भी प्रक्रिया पूरी नहीं होती है।बताया जाता है कि आरोप लगने पर कालेजियम जज का किसी अन्य कोर्ट में तबादला करने की सिफारिश केंद्र सरकार को भेजता है।फैसला केंद्र सरकार करती है कि तबादला करना है या नही। इसके बाद जज के खिलाफ इन हाउस जांच होती है,जज से कमेटी सफाई मांगती है,इसके बाद सबूतों दलीलों के आधार पर कमेटी फाइनल रिपोर्ट बनाती है। आरोप साबित होने पर रिपोर्ट केंद्रीय विधि मंत्रालय को भेजी जाती है,वह इसे राष्ट्रपति को भेजता है, सिफारिश स्वीकार होने पर राष्ट्रपति महाभियोग के लिए संसद भेजते हैं। संसद के दोनों सदनों में प्रस्ताव पास होता है तो तब महाभियोग के जरिए जज को हटाया जा सकता है। बताया जाता है कि अब तक दो जज सुप्रीम कोर्ट की इन हाउस जांच में दोषी पाए गए हैं लेकिन उन पर कार्रवाई नहीं हुई। एक हैं जस्टिस एसएन शुक्ला।जांच में दोषी पाए जाने पर इनको हटाए जाने की सिफारिश की गई थी लेकिन कार्रवाई के पहले ही वह रिटायर हो गए। दूसेर हैं जस्टिस आईएम कुरैशी। इन हाउस कमेटी में इन पर लगाए गए आरोपों को सही पाया था,हटाने की सिफारिश अटकी रही और वे रिटायर हो गए।कांग्रेस की तरफ से इस मामले में कहा गया है कि मामला संगीन है,इस तबादला कर रफादफा नहीं कर सकते,न्यायपालिका पर भरोसा बनाए रखने के लिए यह पता लगाया जाना जरूरी है कि यह पैसा किसका है और क्यों दिया गया। भाजपा का कहना है कि पार्टी को इस मामले में टिप्पणी नहीं करनी चाहिए।सीजेआई इस मुद्दे पर पहले ही संज्ञान ले चुके हैं।सवाल आरोप लगने पर हटाने का नहीं है, सवाल तो यह है कि जजों की नियुक्ति की प्रक्रिया में सुधार की जरूरत क्यों महसूस नहीं की जा रही है। किसी देश में ऐसा नहीं होता है कि जज ही जजों की नियुक्ति करते हो। भारत में ही ऐसा होता है कि जज की कालेजियम के जरिए जजों की नियुक्ति करते है। इसमें भाईभतीजावाद की पूरी गुंजाइश रहती है।पिता के बाद पुत्र, चाचा के बाद भतीजा जज बनता है,एक ही परिवार से कई लोग जज बनते है तो शक होता है कि क्या नियुक्ति में पक्षपात किया गया है। इसे दूर करने का प्रयास मोदी सरकार ने आते ही किया था लेकिन यह न्यायपालिका को जजों को अच्छा नहीं लगा और उन्होंने उसे ही ठीक माना जो वह कर रहे हैं। न्यायपालिका में भ्रष्टाचार अब एक सच्चाई है, न्यायपालिका को इस दूर करने गंभीरता से प्रयास करना होगा यदि वह ऐसा नहीं करती है तो लोगों का आखिरी उम्मीद भी टूट जाएगी कि कम से कम न्यायपालिका को तो भ्रष्टाचार से दूर रहकर न्याय करना चाहिए। इसी के साथ न्याय सस्ता व सुलभ करने की ओर भी ध्यान देने की जरूरत है। आम जनता जितनी खाद्य वस्तुओं की महंगाई से परेशान होती है उतनी ही परेशान वह न्याय के महंगा होने से भी होती है। इस ओर राजनीतिक क्षेत्र के लोग तो ध्यान नहीं देते हैं, न्यायपालिका के लोगों को ही ध्यान देना चाहिए।

राजनीति

बिहार:जहाँ गंदगी व दुर्गन्ध कोई मुद्दा ही नहीं

तनवीर जाफरी

अशोक, बुद्ध व गाँधी जैसे महापुरुषों की कर्मस्थली बिहार सौभाग्यवश मेरी भी पैतृक स्थान है। इस नाते जन्म से ही अपने गांव में लगभग प्रत्येक वर्ष मेरा एक बार जाना जरूर होता है। आज भी यह राज्य देश को सबसे अधिक प्रशासनिक अधिकारी देने वाला राज्य है। परन्तु मुझे आश्चर्य है कि इतनी जागरूकता के बावजूद न जाने क्यों यहाँ के लोगों को गंदगी से कोई परहेज नहीं है। मैं हमेशा से यह देखता आ रहा हूँ कि यहाँ शहरों व कस्बों के नाले व नालियां हमेशा ही जाम रहते हैं और दुर्गन्ध व सड़ांध मारते हैं । यही वह राज्य है जहाँ प्रत्येक धर्मों के लोग अपनी धर्म ध्वजा भी बुलंद रखना चाहते हैं। हिन्दू राष्ट्र बनाने का आवाहन करने के लिये पिछले दिनों एक विवादित कथावाचक द्वारा बिहार में भारी भीड़ इकट्ठी की गयी। यहाँ नफरती बातें तो खूब हुईं परन्तु स्वच्छता को लेकर किसी तरह की बात उपस्थित लोगों को नहीं बताई गयी। यहाँ गांव गांव में अनेक मंदिर मस्जिद हैं। हर तरफ से भजन व अजानों की आवाजें सुनाई देती हैं। रोजा पूरी अक़ीदत के साथ रखा जाता है मुहर्रम के जुलूस निकलते हैं परन्तु यह सब प्रायः ऐसी जगहों या रास्तों पर होते हैं जहाँ से दुर्गन्ध व गंदिगी के कारण इंसान का निकलना भी दूभर है। बड़ा आश्चर्य है कि जिस रास्तों व स्थानों पर इंसान का चलना स्वास्थ्य के दृष्टिगत खतरे से खाली नहीं उन जगहों पर लोग किस तरह भगवन या खुदा को याद करते हैं और अपने इष्टदेव को बुलाते हैं ? भला गंदिगी में भी कहीं भगवान या पीर पैगंबर या इमाम भी आते हैं ? आखिर क्यों कभी कोई इमाम अपने खुत्बे में या प्रवचन कर्ता अपने प्रवचनों में अपने अनुयायियों को सफाई के प्रति जागरूक नहीं करता। जबकि स्वर्ग व जन्नत के मार्ग सभी बताते हैं। भला गंदगी भरा नारकीय जीवन बिताने वाला शख़्स मरणोपरांत स्वर्ग या जन्नत में जाकर क्या करेगा और कैसे जायेगा ? दरअसल बिहार में मजदूर से लेकर अधिकारी नेता मंत्री संतरी तक सभी आम तौर पर पान या खैनी (तंबाकू) खाने के 'शौक़ीन' हैं। आप यहाँ इन तंबाकू खैनी के 'कद्रदानों' को प्रायः मुंह बंद किये हुये पान,सुरती ,खैनी व तंबाकू आदि का आनंद लेते हुये देखेंगे। और यही 'महानुभाव ' जब और जहाँ चाहते हैं बेरोकटोक थूक भी देते हैं। ट्रेंस या बसों की खिड़की से बाहर,कार या चलते बाइक से थूक देना इनका स्वभाव बन चुका है। यह नहीं देखते की इनका 'पावन थूक ' किसी दूसरे पर भी पड़ सकता है। इससे किसी दूसरे को आपत्ति भी हो सकती है। हद तो यह है कि सरकारी या निजी कार्यालय, कोर्ट कचेहरी किसी विभाग का मुख्यालय लोगों के खड़े होने के सार्वजनिक अड्डे आदि सब पान की पीक से लाल नजर आएंगे। यह 'अति बुद्धिमान ' लोग जिस सीट पर बैठ कर अपना काम करते हैं वहीँ थूक देते हैं। लिफ़्ट को भी नहीं बख़्शते,रेल के डिब्बों में बाथरूम में गोया कोई जगह ऐसी नहीं जहाँ इन्होंने अपनी 'सभ्यता ' की पहचान न छोड़ी हो। बड़ा आश्चर्य है कि प्रातः चार बजे से ही चौक चोराहों के चायखानों पर बैठकर अमेरिका इस्राईल, ईरान और देश विदेश की राजनीति की गहन चर्चा करने तथा बी बी सी लंदन पर समाचार सुनने वाले लोगों को यह एहसास भी नहीं होता कि जहाँ वे बैठे हैं वहां कितनी बदबू है,आसपास कितनी गंदिगी है और बैठने की जगह पर थूकना नहीं चाहिये ? बड़े ही अफसोस परन्तु पूरे विश्वास से मुझे कहना पड़ रहा है कि मैं ने आजतक बिहार में किसी भी शहर के बाजारों में यहाँ तक कि राजधानी पटना से लेकर मुज़फ़्फ़रपुर व दरभंगा जैसे प्रमुख शहरों के मुख्य नालों नालियों को सुचारु रूप से प्रवाहित होते नहीं देखा। यहाँ तक कि मुख्य चौराहों पर जहां दिन भर हजारों लोग आते जाते हैं वहां भी कूड़े के ढेर,उसमें मुंह मारते हुये सूअर व गोवंश आदि मिल जायेंगे। उदाहरण के तौर पर दरभंगा का एक मशहूर स्थान है बेंता चौक। दरभंगा मेडिकल कॉलेज के समीप स्थित इस चौक के आसपास मेडिकल सम्बन्धी सैकड़ों दुकानें,टेस्टिंग लैब,डॉक्टर्स,डिस्पेंसरी आदि सब कुछ हैं। खाने पीने की भी यहाँ अनेक दुकाने व रेस्टोरेंट आदि हैं। इसके मुख्य चौक पर एक छोटा सा कमल सर्किल बना है। यक़ीन कीजिये आप इस जगह पर खड़े नहीं हो सकते। यहाँ आसपास के सारे दुकानदार स्वयं इस चौक को कूड़ाघर बनाये रखते हैं। यहाँ खड़े होना रुकना तो दूर, दुर्गन्ध के चलते इसके सामने से निकलना भी आसान नहीं है। परन्तु यह जगह दरभंगा के मुख्य एवं व्यस्ततम चौक में शामिल है। उधर बिहार के गांव के हालात तो और भी दयनीय हैं। यहाँ नाले नालियों के निर्माण के नाम पर पंचायत स्तर पर खूब लूट की गयी है।सारे के सारे नाले नालियां टूटे व जाम होने के कारण दुर्गन्ध व बीमारी का कारक बन गए हैं। उन नालों की निकासी का कोई निर्धारित मार्ग नहीं है। केवल सरकारी धन की लूट के लिये नालों व नालियों के टेंडर किये जाते हैं। सच पूछिये तो गांव के हर घर के पीछे या सामने उसका कूड़ाघर है ,वहीँ गंदे पानी का सोख़्ता है। गोया हर घर बीमारी फैलने का अड्डा है। हैरत है कि किस तरह और किस उम्मीद पर गांव के लोग अपना सरपंच व मुखिया चुनते हैं ? और कितने बेशर्म होते हैं जो कुछ न कर पाने के बावजूद जनता के बीच जाकर वोट मांगते फिरते हैं ? कहना गलत नहीं होगा कि इसतरह की घोर दुर्व्यवस्था के लिये केवल सरकार ही नहीं बल्कि आम लोग भी जिम्मेदार हैं। बजाये इसके कि कोई किसी को नालों व सड़कों पर कूड़ा फेंकने या सार्वजनिक स्थल को थूक से लाल करने से रोके, उलटे वह स्वयं इसी कृत्य में शामिल हो जाता है। यदि किसी ऑफिसर से शिकायत कीजिये तो वह भी ऐसे विषय पर ज्यादा तवज्जोह नहीं देता। क्योंकि वह स्वयं अपनी सीट पर बैठ कर या अपने ऑफिस की दीवारों या कोने पर थूकता रहता है। गोया गंदिगी व बदबू इस गौरवशाली राज्य की नियति बनकर रह गयी है। और इसी वजह से यह राज्य अक्सर गंभीर संक्रामक रोगों की चपेट में भी आ जाता है। शायद यही वजह है कि बिहार में कभी भी किसी भी चुनाव में गंदगी व दुर्गन्ध कोई मुद्दा ही नहीं बन पाता।

राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। जीवनसाथी को आप किसी नए बिजनेस की शुरूआत कर सकते हैं। आपके परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य में अकस्मात गिरावट आने से आपकी भागदौड़ लगी रहेगी। आपको अपने आर्थिक प्रयासों में तेजी लानी होगी। आप किसी पूजा-पाठ आदि का अपने घर में आयोजन कर सकते हैं। आप किसी की कहीसुनी बातों पर भरोसा बिल्कुल ना करें। राजनीति की ओर कदम बढ़ा रहे लोगों को कुछ मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए पारिवारिक रिश्तों में मजबूती लेकर आएगा। आपकी आय के सोर्स बढ़ेंगे। आप अपनी जरूरत की आवश्यकताओं की पूर्ति आसानी से कर सकेंगे, लेकिन आप पारिवारिक कामों को कल पर न टालें। आपके घर के किसी सदस्य को आज सम्मान की प्राप्ति हो सकती हैं। सरकारी नौकरी में कार्यरत लोगों को प्रमोशन मिलेगा। विद्यार्थियों के उच्च शिक्षा के मार्ग प्रशस्त होंगे। घूमने-फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी।

मिथुन- आज का दिन नौकरीपेशा जातकों के लिए अच्छा रहने वाला है। आपको आज कुछ कर्ज उतारने में कठिनाइयां आएंगी। आपकी सेहत में उतार-चढ़ाव रहने से आपका मन परेशान रहेगा। सामाजिक कार्यक्रमों में आप बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे। गृहस्थ जीवन जी रहे लोगों की अपने साथी से खटपट होने की संभावना है। आप किसी से मांगकर वाहन ना चलाएं, नहीं तो कोई दुर्घटना होने की संभावना है। भाईचारे की भावना आपके मन में रहेगी। आपको किसी नए काम में सोच समझकर हाथ बढ़ाना होगा।

कर्क- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आप अपने कामों में कुछ बदलाव करेंगे, तो आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आप किसी नई संपत्ति भूमि-वाहन आदि की खरीदारी करने की प्लानिंग कर सकते हैं। आपके घर किसी अतिथि का आगमन हो सकता है। आपको अपने भाइयों से संपत्ति को लेकर लड़ाई-झगड़ा होने की संभावना है। आपके घर किसी मांगलिक कार्यक्रम की तैयारी शुरू हो सकती हैं। आपको किसी से कोई वादा सोच समझकर करना होगा।

सिंह- आज के दिन आपके लिए अपने आसपास रह रहे विरोधियों से सावधान रहने के लिए रहेगा। आपको अनजान लोगों से दूरी बनाकर रखनी होगी। आपके बिजनेस में आपको कोई सरकारी टेंडर मिल सकता है। आप कुछ नई योजनाओं को शामिल करेंगे। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। वरिष्ठ सदस्यों का आपको पूरा सहयोग मिलेगा। आपको कोई निवेश बहुत ही सोच समझकर करना होगा।

कन्या- आज का दिन आपके लिए उलझनों से भरा रहने वाला है। आपको एक साथ कई काम हाथ लगने से आपकी व्याकाग्रता बढ़ेगी। आपको मन में चल रही उलझनों पूरा ध्यान देना होगा। कोई पुराना लेनदेन चुकता होगा। आप किसी प्रतियोगिता में सोच समझकर हाथ बढ़ाएं। माता-पिता के आशीर्वाद से आपका कोई रुका हुआ काम पूरा होगा। आपकी आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर रहेगी। आपको अचानक लाभ मिलने से खुशियां बढ़ेंगी।

तुला- आज का दिन आपके लिए अकस्मात लाभ दिलाने वाला रहेगा। दोस्तों के साथ आप कुछ समय मौज-मस्ती करने में व्यतीत करेंगे। आपको अपने बिजनेस में चल रही समस्याओं का समाधान ढूंढना होगा। भाई-बहनों से रिश्ते में यदि कुछ अनबन चल रही थी, तो वह भी दूर होगी। आप अपने घर के रिनोवेशन पर भी अच्छा खासा धन खर्च करेंगे। आपको कुछ ईर्ष्यालु और झगड़ालु लोगों से दूरी बनाकर रखना बेहतर रहेगा। आपकी सुविधाएं बढ़ेंगी, जो आपको खुशी देंगी।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए खुशनुमा रहने वाला है। आपको किसी दूर रह रहे परिजन से कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। पारिवारिक बिजनेस में कामों में आप कोई बदलाव करने के बारे में सोच विचारकर सकते हैं। आपको किसी दूर रहे परिजन की याद सता सकती है। आपका कोई नया शेयर मार्केट इन्वेस्टमेंट कर सकते हैं। आप किसी प्रॉपर्टी की डील को लेकर यदि परेशान थे, तो वह भी फाइनल होगी।

धनु- आज के दिन आपकी निर्णय लेने की क्षमता बेहतर रहेगी। आपको मित्रों और रिश्तेदारों का पूरा सहयोग मिलेगा। सामाजिक क्षेत्रों से जुड़कर आप अच्छा नाम कमाएंगे। आपको किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मिलकर खुशी होगी। विद्यार्थियों को बौद्धिक व मानसिक बोझ से छुटकारा मिलेगा। आपको अपने माता-पिता की सेवा के लिए भी कुछ समय निकालना होगा। आप अपने कामों को किसी दूसरे पर ना छोड़े, तो उन्हें पूरा करने में समस्या आएगी।

मकर- आज का दिन आपके लिए इनकम के सोर्स को बढ़ाने वाला रहेगा। आपका कोई कानूनी मामला आपके लिए खुशियां लेकर आ सकता है। धर्म के कार्य में भी आप काफी ध्यान देंगे, जिससे आपके मन को सुकून मिलेगा। संतान किसी प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करके आपको अच्छा लाभ देगी। आपको किसी सरकारी योजना का पूरा लाभ मिलेगा। जीवनसाथी को लेकर आप कहीं बाहर घूमाने-फिराने लेकर जा सकते हैं।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए लंबे समय से रुके हुए कामों को पूरा करने के लिए रहेगा। आप किसी यात्रा पर जाएं, तो वाहनों का प्रयोग सावधान रहकर करें, जिससे रुके हुए धन की आपको प्राप्ति हो सकती है। यदि आपकी कोई प्रिय व मूल्यवान वस्तु खो गई थी, तो उसके आपको मिलने की पूरी संभावना है। भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। आप अपने खर्चो को लेकर थोड़ा सा सतर्क रहे। आपकी संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी।

मीन- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है, लेकिन आप अपनी सेहत पर पूरा ध्यान दें। संतान के करियर को लेकर आपको थोड़ी टेंशन रहने वाली है, जिसके लिए आप उन्हें कुछ एग्जाम की तैयारी भी करवाएंगे। आप अपने वैवाहिक जीवन में नवीनता ला सके, तो आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आप अच्छी सोच से कार्यक्षेत्र में किसी विपरीत परिस्थिति के बाद भी माहौल को सामान्य बनाने में कामयाब रहेंगे। आप परिवार के सदस्यों के साथ किसी मांगलिक कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे।

रुपयों का पहाड़ घर में छिपाकर रखने वाले जज साहब

मनोज कुमार अग्रवाल

दिल्ली हाईकोर्ट के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के सरकारी आवास पर लगी आग के बाद भारी मात्रा में नकदी बरामद होने से न्यायपालिका में हड़कंप मच गया। यह मामला इतना गंभीर हो गया कि सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना के नेतृत्व वाले कॉलेजियम को उन्हें तत्काल स्थानांतरित करने का फैसला लेना पड़ा साथ ही फिलहाल उन्हें न्यायिक कार्य से विलग कर दिया गया है।

आपको बता दें 14 मार्च को जस्टिस वर्मा के सरकारी बंगले में आग लग गई थी. वह शहर से बाहर थे. जज के निजी सचिव ने पीसीआर को बुलाया. इसके बाद आग पर तो काबू पा लिया गया लेकिन इस दौरान पुलिस और दमकल कर्मियों को बंगले के अंदर एक कमरे में कई बोरियों में बड़ी मात्रा में नोटों का ढेर दिखा. यह ढेर आधा जलकर खाक हो गया था. यह बात बड़े अधिकारियों तक पहुंची और फिर सुप्रीम कोर्ट तक मामला पहुंच गया.

जानकारी के अनुसार चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया ने इस मामले में एक्शन लेते हुए फौरन सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की बैठक बुलाई जिसमें जस्टिस वर्मा का ट्रांसफर इलाहाबाद हाई कोर्ट करने का फैसला लिया गया. इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में अपने स्तर पर जांच शुरू कर दी. अब तक जांच में जो कुछ सामने आया है, वह सब सुप्रीम कोर्ट ने पब्लिक डोमेन में उपलब्ध करा दिया है. इसमें नोटों के ढेर की अधजली तस्वीर भी शामिल है. 14 मार्च की रात जज के निजी सचिव ने आग लगने की सूचना दी.फायर ब्रिगेड को अलग से कॉल नहीं किया गया.दिल्ली हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस को दिल्ली पुलिस कमिश्नर ने 15 मार्च की सुबह मामले की जानकारी दी. हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस तब लखनऊ में थे.पुलिस कमिश्नर ने अधजले कैश की तस्वीरें और वीडियो भी हाई कोर्ट चीफ जस्टिस को भेजीं.कमिश्नर ने बाद में दिल्ली हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस को यह भी बताया कि जज के बंगले के एक सिक्युरिटी गार्ड ने उन्हें बताया कि 15 मार्च को कमरे से मलबा साफ किया गया है। इस के बाद मामले को दबाने झुठलाने का सिलसिला शुरू हो गया कभी फायर सर्विस के एक अधिकारी के बयान से कोई नकदी नहीं मिलने की बात कही गई कभी जज साब का स्थानांतरण नियमित प्रक्रिया में होने की बयान आए और मामले पर मिट्टी डाल कर जार जार हो रहे न्याय तंत्र की साख को बचाने की कोशिश की गई लेकिन सोशल मीडिया के जमाने में जज साहब के घर की आग में अधजले नोटों के बोरो की तस्वीर वायरल हो गई और अंततः जिम्मेदार बड़ी अदालत को इस सबको लेकर अपना नजरिया साफ करना पड़ा।

आपको बता दें दिल्ली हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस ने जस्टिस वर्मा से मुलाकात की तो जस्टिस वर्मा ने किसी कैश की जानकारी होने से इनकार किया. यह भी कहा कि वह कमरा सब इस्तेमाल करते हैं.दिल्ली हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस ने उन्हें वीडियो दिखाया तो उन्होंने इसे साजिश बताया.दिल्ली हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस ने भारत के मुख्य न्यायधीश को भेजी चिट्ठी में गहराई से जांच की जरूरत बताई है.भारत के मुख्य न्यायधीश के निर्देश पर जस्टिस वर्मा का 6 महीने कॉल रिकॉर्ड निकाला गया है.जस्टिस वर्मा से यह भी कहा गया है कि वह अपने फोन को डिस्पोज न करें, न ही चैट मिटाएं. रिपोर्ट के मुताबिक जब आग लगी, उस समय न्यायमूर्ति वर्मा शहर से बाहर थे। उनके परिवार के सदस्यों ने फायर ब्रिगेड और पुलिस को सूचना दी। दमकल कर्मियों ने आग बुझाने के दौरान एक कमरे में भारी मात्रा में नकदी बरामद की, जिसके बाद इस मामले की आधिकारिक एंट्री दर्ज की गई। स्थानीय पुलिस ने वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया, जिसके बाद यह खबर सरकार के उच्च

अधिकारियों तक पहुंची और अंततः सीजेआई को जानकारी दी गई। सूचना मिलते ही सीजेआई संजीव खन्ना ने तुरंत सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की बैठक बुलाई। कॉलेजियम ने सर्वसम्मति से न्यायमूर्ति वर्मा को दिल्ली हाईकोर्ट से उनके मूल हाईकोर्ट, इलाहाबाद स्थानांतरित करने का निर्णय लिया। न्यायमूर्ति वर्मा को अक्टूबर 2021 में इलाहाबाद से दिल्ली हाईकोर्ट में भेजा गया था।

कॉलेजियम के कुछ सदस्यों ने इस घटनाक्रम पर चिंता जताते हुए कहा कि यदि केवल स्थानांतरण कर दिया जाता है, तो इससे न्यायपालिका की छवि धूमिल होगी और न्याय व्यवस्था से जनता का विश्वास कमजोर हो सकता है। कुछ सदस्यों ने सुझाव दिया कि न्यायमूर्ति वर्मा से इस्तीफा मांगा जाना चाहिए। यदि वे इनकार करते हैं, तो संसद के माध्यम से उन्हें हटाने की प्रक्रिया शुरू करनी चाहिए। संविधान के अनुसार, किसी भी हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के खिलाफ भ्रष्टाचार, अनियमितता या कदाचार के आरोपों की जांच के लिए 1999 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा इन-हाउस प्रक्रिया तैयार की गई थी। इस प्रक्रिया के तहत, सीजेआई पहले संबंधित न्यायाधीश से स्पष्टीकरण मांगते हैं। यदि जवाब संतोषजनक नहीं होता या मामले में गहन जांच की जरूरत महसूस होती है, तो सीजेआइ सुप्रीम कोर्ट के एक न्यायाधीश और दो उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों की एक इन-हाउस जांच समिति गठित कर सकते हैं।

हालांकि फिलहाल केवल वर्मा के ट्रांसफर का फैसला लिया निलंबन नहीं किया है जांच के बाद जज वर्मा के खिलाफ कोई सख्त कार्रवाई करने की बात कही जा रही है।

खबर है कुछ जज इस मामले में सिर्फ तबादले की कार्रवाई को ठीक न मानते हुए न्यायमूर्ति वर्मा से इस्तीफे की मांग कर रहे हैं. जजों का कहना है कि अगर वो इस्तीफा देने से मना करें तो सीजेआई उनके खिलाफ 1999 की प्रक्रिया के अनुसाज जांच शुरू कराएं. इस मामले में किसी भी जज के खिलाफ शिकायत मिलने पर जांच कराई जाती है. चलिए जानें कि ऐसे मामलों में कहां और कैसे एक्शन लिया जाता है.

इस तरीके के मामलों में सुप्रीम कोर्ट की 1999 में बनाई गई इन-हाउस प्रक्रिया के तहत कार्रवाई की जाती है. जिसकी मांग बाकी के जज कर रहे हैं. इस प्रक्रिया में न्यायालयों के जजों के खिलाफ गलत काम, अनुचित व्यवहार और भ्रष्टाचार जैसे आरोपों से निपटा जाता है. इस प्रक्रिया के तहत सीजेआई को किसी जज के खिलाफ शिकायत मिलने पर वह उससे जवाब मांगते हैं. अगर जवाब से सीजेआई संतुष्ट नहीं होते हैं या अगर उनको लगता है कि इस मामले की गंभीर तरीके से जांच की जानी चाहिए तो वह एक इन-हाउस जांच पैनल बनाते हैं. इस पैनल में सुप्रीम कोर्ट के एक न्यायाधीश और हाई कोर्ट के दो मुख्य न्यायाधीश शामिल होते हैं. फिर जांच के नतीजों के अनुसार उनका इस्तीफा मांगा जाता है या फिर महाभियोग चलता है.जज के आवास से नकदी की बरामदगी से संबंधित मामला शुक्रवार को राज्यसभा में उठाया गया। सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि वह इस मुद्दे पर एक व्यवस्थित चर्चा बहस कराने की कोशिश करेंगे। कांग्रेस के जयराम रमेश ने सुबह के सत्र में यह मुद्दा उठाते हुए न्यायिक जवाबदेही पर सभापति से जवाब मांगा और इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक जज के खिलाफ महाभियोग के संबंध में लंबित नोटिस के बारे में याद दिलाया। उन्होंने कहा, ह्यमैं आपसे अनुरोध करता हूं कि कृपया इस पर कुछ टिप्पणियां करें और न्यायिक जवाबदेही बढ़ाने के लिए प्रस्ताव के साथ आने के लिए सरकार को आवश्यक निर्देश दें।ह्ण नकदी की कथित बरामदगी के मुद्दे पर धनखड़ ने कहा कि उन्हें जिस बात की चिंता है वह यह है कि यह घटना हुई लेकिन तत्काल सामने नहीं आई। उन्होंने कहा कि अगर ऐसी घटना किसी राजनेता, नौकरशाह या उद्योगपति से जुड़ी होती तो संबंधित व्यक्ति तुरंत निशाना बन जाता। उन्होंने ऐसे मामलों में ऐसी प्रणालीगत प्रतिक्रिया की वकालत की जो पारदर्शी, जवाबदेह और प्रभावी हो। सोचने वाली बात है कि किसी अन्य नौकरी में भ्रष्टाचार उजागर होने पर तुरंत निलंबन और जांच होती है। लेकिन यहाँ न्यायपालिका की प्रतिष्ठा को ताक पर रखकर केवल स्थानांतरण कर दिया गया। क्या जज वर्मा घर से बैंक चला रहे थे? या फिर कोई आर्थिक सेवा दे रहे थे?

जब ऐसे फैसले लिए जाते हैं, तो न्यायपालिका की निष्पक्षता पर सवाल उठना लाजमी है। अगर चीफ जस्टिस खुद न्यायपालिका की साख को बचाने की चिंता नहीं करेंगे, तो आम जनता किससे उम्मीद करे? दरअसल देश मे भ्रष्टाचार चरम पर है और कई बार न्यायपालिका के फैसलों और न्यायिक अधिकारियों की कार्यप्रणाली और गतिविधियों पर भी सवाल किए जाते रहे हैं अब इन हालातों में जब रिश्वतखोर न्यायिक अधिकारी पैसे लेकर न्याय की बोली लगाकर फैसले दे रहे हैं तब समाज में कानून व्यवस्था को लेकर अविश्वास का माहौल पनपना स्वाभाविक है।और अब तो बाकायदा एक हाइकोर्ट के जज के आवास से नोटों के अधजले बंडल चीख चीख कर कह रहे हैं कि भ्रष्टाचार की जड़ें कितनी गहराईयों तक पहुच चुकी है।न्याय की कुर्सी पर बैठ कर इस तरह अवैध अकूत संपदा एकत्र करने वाले व्यवस्था के सरमाएदार बने लोग समाज में कितना गलत संदेश दे रहे हैं यह लोकतांत्रिक देश में न्याय पालिका की गैरजिम्मेदाराना स्थिति को बयान करती है। सरकार को सख्त से सख्त कार्रवाई करनी चाहिए ताकि भविष्य में कोई सरकारी अधिकारी देश के आम आदमी के विश्वास से खिलवाड़ न करे।

एक नजर

रॉयल ट्रेवल्स की बस के ड्राइवर के साथ मारपीट एवम् लूटपाट

सुकमा, 25 मार्च। तोंगपाल के सुनील गुप्ता संजू गुप्ता दिलीप गुप्ता सज्जू सिंह के द्वारा तोंगपाल में करीब 11 बजे रॉयल बस के ड्राइवर के मारपीट एवम् लूटपाट की गई जिसमें की रॉयल बस के ड्राइवर के द्वारा तोंगपाल थाना में ड्राइवर के द्वारा रिपोर्ट की गई।

दुर्घटना में घायल हितग्राही को समाज कल्याण विभाग ने दी बैटरी चलित ट्रायसाइकिल

दंतेवाड़ा, 25 मार्च। समाज कल्याण विभाग द्वारा प्राप्त जानकारी अनुसार दुर्घटना में ठेठापारा चितालंका, निवासी श्री सुदरूराम इच्छाम पिता स्व. मुराराम इच्छाम, का जुलाई वर्ष 2021 में सड़क दुर्घटना हो जाने से दाहिना पैर बुरी तरह से घायल हो गया था और इलाज करवाने के बावजूद भी ठीक नहीं होने से वर्ष अगस्त 2024 में चिकित्सकों की सलाह पर उनका पैर कटवाना पड़ा। जिसका इलाज भद्राचलम में हुआ वर्तमान में वे पूरी तरह से स्वस्थ हैं, पर उन्हें दैनिक क्रियाकलाप करने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था इसे देखते हुए समाज कल्याण विभाग की दिव्यांगजनों को निःशुल्क बैटरी चलित ट्रायसायकल प्रदाय योजना के तहत लाभ लेने हेतु दिनाँक 21 मार्च 2025 को कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी के समक्ष अपनी समस्या उक्त ग्रामीण ने रखी और कलेक्टर द्वारा समाज कल्याण विभाग को दिव्यांग की समस्या का निराकरण तत्काल करने के निर्देश दिए गए। फलस्वरूप आज 24 मार्च 2025 को अपर कलेक्टर श्री राजेश कुमार पात्रे के हाथों श्री सुदरू राम इच्छाम को एक नग बैटरी चलित ट्राय साइकिल एवं एक नग व्हीलचेयर प्रदान किया गया। इस अवसर पर उप संचालक समाज कल्याण एवं विभागीय कर्मचारी उपस्थित रहे।

जैविक कीट नियंत्रण के लिए दिया कृषकों को प्रशिक्षण एवं सामग्री भी बांटी

सुकमा, 25 मार्च। कृषि विज्ञान केंद्र, सुकमा में राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो, बैंगलोर की

आदिवासी उप-परियोजना के तहत जैविक खेती पर एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. योगेश कुमार मेश्राम ने किसानों को जैविक कीट नियंत्रण की तकनीकों की जानकारी दी। कार्यक्रम में भारतीय किसान संघ के अध्यक्ष श्री धरम नाग और ग्राम पंचायत मुरतोणडा के सरपंच श्री मुक्का नाग भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर किसानों को फेरोमोन ट्रैप, मित्र कीट, सब्जियों की नर्सरी और कृषि पंचांग वितरित किए गए। साथ ही, कृषि विभाग द्वारा कृषक पंजीयन शिविर का आयोजन कर एग्री स्टैक पंजीयन, पीएम किसान सम्मान निधि और किसान क्रेडिट कार्ड के लिए पंजीकरण कराया गया। छिंदगढ़, सुकमा और कोंटा विकासखंड के 105 किसानों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और जैविक खेती की उन्नत तकनीकों की जानकारी प्राप्त की।

अवध के फाग के साथ क्षत्रिय समाज ने होली मिलन समारोह का आयोजन किया

सुकमा, 25 मार्च। सुकमा जिले के ग्राम कूकानार में हिन्दू क्षत्रिय वाहिनी संगठन द्वारा होली

मिलन समारोह एवं संगीतमय फाग उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले भर से क्षत्रिय समाज के लोग दुर्गा मंदिर प्रांगण में एकत्रित हुए और अवध के फाग गीतों के साथ एक-दूसरे से मिलकर शिष्टाचार भेंट की। समारोह में समाज के लोगों ने रंग-गुलाल लगाकर एक-दूसरे को होली की शुभकामनाएं दीं। युवाओं ने बड़ों का आशीर्वाद प्राप्त किया, वहीं बुजुर्गों ने उन्हें अपनी संस्कृति और परंपरा को संरक्षित रखने की प्रेरणा दी। हिन्दू क्षत्रिय वाहिनी संगठन के जिला अध्यक्ष अशोक सिंह चौहान ने कार्यक्रम के दौरान कहा कि सुकमा जिले में क्षत्रिय समाज का एक विशिष्ट स्थान है। जिले के कोंटा से लेकर तोंगपाल और गादीरास तक क्षत्रिय समाज के लोग मौजूद हैं। उन्होंने कहा, हमारा उद्देश्य सिर्फ पर्व मनाना नहीं, बल्कि युवा पीढ़ी के बीच अपनी संस्कृति, सभ्यता, भाषा-बोली और क्षत्रिय धर्म को जीवित रखना है, ताकि समाज एकजुट रहकर देश सेवा में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दे सके। चौहान ने बताया कि क्षत्रिय समाज के गठन के बाद से हर वर्ष होली मिलन समारोह आयोजित किया जा रहा है।

महापरीक्षा अभियान के लिए जिले में 701 केन्द्र बनाए गए।

सुकमा, 25 मार्च। उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत 23 मार्च 2025 को प्रातः 10 बजे से शाम 5 बजे तक प्रौढ़ शिक्षार्थी के आंकलन के लिए महापरीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर श्री देवेश कुमार ध्रुव कलेक्टर एवं अध्यक्ष कार्यकारिणी समिति जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण के निर्देशन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती नम्रता जैन के मार्गदर्शन में सभी विकास खण्ड शिक्षा अधिकारियों एवं विकास खण्ड परियोजना अधिकारी विकासखण्ड साक्षरता मिशन प्राधिकरण को महापरीक्षा अभियान के संबंध में विस्तृत दिशा निर्देश दिए है। शिक्षार्थी आंकलन में गुणवत्ता बनाए रखने की दृष्टि से यह आवश्यक है कि केवल ऐसे शिक्षार्थी ही आंकलन में शामिल होंगे जिन्होने 200 घण्टे की पढ़ाई पूरी कर ली हो व जिनका नाम उल्लास पोर्टल में अपलोड हो और जिनके द्वारा उल्लास साक्षरता केन्द्र में उल्लास प्रवेशिका का पठन पाठन पूर्ण कर लिया गया हो।

बस्तर पंडुम जनजातीय संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन की दिशा में महत्वपूर्ण कदमःकश्यप

- बस्तर पंडुम में प्रतिभागियों ने लिया उत्साहपूर्वक हिस्सा
- समाज प्रमुखों ने की बस्तर पंडूम की सराहना
- सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और जनजातीय कला के प्रोत्साहन हेतु जिलास्तरीय कार्यक्रम संपन्न

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

सुकमा, 25 मार्च। बस्तर संभाग की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित और प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से बस्तर सांसद श्री महेश कश्यप के मुख्य आतिथ्य में कलेक्टर श्री देवेश कुमार ध्रुव, एसपी श्री किरण चव्हाण एवं सीईओ श्रीमती नम्रता जैन की उपस्थिति में शनिवार को जिलास्तरीय बस्तर पंडूम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शबरी ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में स्थानीय लोक कला, शिल्प, रीति-रिवाज, तीज-त्योहार, वेशभूषा, आभूषण, वाद्य यंत्र, पारंपरिक नृत्य, गीत-संगीत, नाट्य कला, व्यंजन और पेय पदार्थों के मूल स्वरूप को संरक्षित करने की दिशा में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।

स्टॉलों का निरीक्षण और पारंपरिक व्यंजनों का अवलोकन- मुख्य अतिथि बस्तर सांसद श्री महेश कश्यप ने कार्यक्रम के प्रारंभ में विभिन्न पारंपरिक व्यंजन और पेय पदार्थों के स्टॉल का अवलोकन किया। स्थानीय हस्तशिल्प और पारंपरिक खानपान को प्रदर्शित करने वाले इन स्टॉलों को मुख्य अतिथि ने खूब सराहा। पारंपरिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियों के दौरान विभिन्न पारंपरिक नृत्य और लोकगीतों की मनमोहक प्रस्तुतियां दी गईं, जिसमें आदिवासी कलाकारों ने अपनी संस्कृति की झलक प्रस्तुत की। बस्तर सांसद श्री महेश कश्यप ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे सरकार के द्वारा हमारी संस्कृति, परंपरा और रीति रिवाज को जीवित रखने का हर संभव प्रयास किया जा रहा है। जनजाति समाज के द्वारा हमारे माड़िया पेज, हमारे लांदा, सल्फी, ताड़ी, चापड़ा चटनी जैसे खाद्य और पेय पदार्थों के माध्यम से प्राचीन परंपरा को जीवित रखने का प्रयास किया जा रहा है। बस्तर पंडुम का यह आयोजन जनजातीय संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहा है, जिससे क्षेत्र की समृद्ध परंपराओं को नई पहचान मिल रही है। खान पान आचार विचार रहन सहन से हमारे जीवन में बहुत फर्क पड़ता है। संसद भवन में मिलेट आटा के रोटी बन रहे हैं। हमारी पुरानी संस्कृति ही हमारी पहचान है। स्वर्ग से सुंदर बस्तर को बचाए रखना हम सबकी जिम्मेदारी और जवाबदारी है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के द्वारा पहली बार बस्तर पंडूम के नाम से सांस्कृतिक आयोजन किया जा रहा है। बस्तर पंडूम में भाग लेने वाले आप सभी लोगों को बहुत बहुत बधाई और धन्यवाद क्योंकि हम लोग अपने संस्कृति की पहचान के लिए आए हैं।

ठगी के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

- नौकरी लगाने के नाम पर आरोपी ने प्रार्थी से लिए थे 9 लाख रू

सुकमा, 25 मार्च। मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि प्रार्थी मडकम सोना पिता स्वर्गीय देवा उम्र 24 वर्ष निवासी चिचोरगुड़ा थाना केरलापाल ने आज सोमवार को थाना सुकमा में रिपोर्ट दर्ज कराया की वर्ष 2020-2021 को अलग-अलग दिनांक को आरोपी अरुण कुमार ढ़िढ़ी निवासी महासमुंद एवं कृत लाल धीवर निवासी महासमुंद द्वारा मंत्रालय में नौकरी लगने के नाम पर चेक एवं कैश कुल ?900000 ले लिया है और नौकरी नहीं लगवा रहा है प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना सुकमा में अपराध क्रमांक 22/2022 धारा- 420.34 भा.द.वी.का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था घटना दिनांक से आरोपी फरार था जिसकेसंपूर्ण हालात से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया। जिस पर पुलिस अधीक्षक सुकमा किरण चव्हाण द्वारा आरोपी को शिघ्र गिरफ्तार करने हेतु निर्देशित किया गया जिस पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के द्वारा टीम गठित कर लगातार प्रकरण की मॉनिटरिंग की जा रही थी एवं एसडीओपी सुकमा परमेश्वर तिलकवार के नेतृत्व में थाना सुकमा से निरीक्षक शिवानंद तिवारी एवं थाना स्टाफ तथा फरार आरोपी की लगातार पतसाजी की जा रही थी और मुखबिर सूचना पर 23 मार्च 2025 को प्रकरण के फरार आरोपी कृत लाल धीवर पिता कृष्ण कुमार धीवर उम्र 40 वर्ष निवासी ग्राम सिवनी तहसील आरंग जिला रायपुर को पिथौरा जिला महासमुंद से हिरासत में लेकर पूछताछ किया गया। आरोपी से पूछताछ कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया।उक्त कार्यवाही में थाना सुकमा से उपनिरीक्षक जगतपाल सिंह. प्रधान आरक्षक विजय ध्रुव एवं अन्य स्टाफ की सराहनीय भूमिका रही।

पीएम आवास 2.0 योजनांतर्गत छूटे हुए पात्र परिवारों का सर्वेक्षण जारी

- हितग्राही स्वयं भी एप के जरिये कर सकते है सर्वे कार्य
- अंतिम तिथि 30 अप्रैल 2025 निर्धारित

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

सुकमा, 25 मार्च। केंद्र सरकार के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्रालय की महत्वपूर्ण योजना प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत सामाजिक आर्थिक जनगणना 2011 एवं आवास प्लस 2018 के छूटे हुए पात्र परिवारों को लाभ पहुंचाने के लिए जो प्रधानमंत्री आवास योजना से वंचित रह गए हैं, आवास प्लस 2.0 ऐप के माध्यम से प्रत्येक ग्राम पंचायत में सर्वेक्षण का कार्य किया जा रहा है।

कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव ने सभी छूटे हुए पात्र परिवारों से अपील की है कि वे प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) का लाभ लेने के लिए अपने ग्राम पंचायत से संपर्क करें और सर्वेक्षण में अपना नाम शामिल कराएं। कलेक्टर श्री देवेश ध्रुव के निर्देश और सीईओ जिला पंचायत श्रीमती नम्रता जैन के मार्गदर्शन में सभी जनपद पंचायत के ग्राम पंचायतों में छूटे हुए पात्र परिवारों के सर्वेक्षण के लिए सचिव, रोजगार सहायक और आवास मित्र को प्रगणक नियुक्त किया गया है। प्रगणक द्वारा आवास प्लस 2.0 ऐप के माध्यम से सर्वेक्षण कार्य किया जा रहा है। इसके साथ ही, कोई भी व्यक्ति स्वयं इस ऐप के माध्यम से सर्वे कार्य कर सकता है। सर्वे के लिए आधार कार्ड, मनरेगा जाब कार्ड और परिवार का विवरण आवश्यक है। यदि आवास प्लस 2.0 सर्वे में किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या आती है तो संबंधित जिले एवं जनपद पंचायत के पीएम आवास शाखा से संपर्क किया जा सकता है। स्वयं सर्वे करने के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के वेबसाइट में जाकर इस लिंक से भी आवास प्लस 2.0 ऐप एवं आधार फेस आरडी ऐप डाउनलोड कर सकते है।

गीदम में विश्व जल दिवस पर विशेष कार्यक्रम आयोजित

दंतेवाड़ा, 25 मार्च। शासकीय आदर्श आवासीय महाविद्यालय, गीदम में भूगोल एवं समाजशास्त्र विभाग अंतर्गत विश्व जल दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सहायक प्राध्यापक समाजशास्त्र संयोजक डॉ. संजीव कुमार मांजरे द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों, शिक्षकों और अतिथियों ने जल संरक्षण, जल प्रदूषण की रोकथाम और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों पर चर्चा की। इस अवसर पर जिला सलाहकार (वॉश कार्यक्रम), जिला दंतेवाड़ा, श्री सुरेश कुमार अनंत द्वारा विशेष प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें जल प्रबंधन और स्वच्छता से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर जानकारी दी गई।

जिले में एक दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम आयोजित

दंतेवाड़ा, 25 मार्च। एनएमडीसी डीएवी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट के परिसर में यूथ हब-दंतेवाड़ा के सहयोग से वाणिज्य एवं उद्योग विभाग, छत्तीसगढ़ तथा भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद के संयुक्त तत्वावधान में विगत दिवस एक दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में स्वरोजगार और नवाचार को बढ़ावा देना था, जिससे वे आत्मनिर्भर बनकर स्थानीय अर्थव्यवस्था को सशक्त बना सकें। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के प्रोजेक्ट लीड, श्री रवि कान्त भारती ने कार्यक्रम के दौरान वर्तमान परिदृश्य में सरकारी नौकरियों की सीमित उपलब्धता और बढ़ती बेरोजगारी को एक गंभीर चुनौती बताया। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में युवाओं को स्वरोजगार के प्रति जागरूक कर उन्हें अपने व्यवसाय का स्वामी बनने के लिए प्रेरित करना आवश्यक है। साथ ही, उन्होंने स्टार्टअप और नवाचार की बढ़ती संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए, प्रशिक्षकों एवं विशेषज्ञों के मार्गदर्शन की अनिवार्यता पर जोर दिया। कार्यक्रम के अन्य वक्ताओं में से एक एनएमडीसी डीएवी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूटके प्रतिनिधि ने अपने संबोधन में कहा कि अध्ययनरत छात्रों के लिए उद्यमिता आर्थिक समृद्धि का मूलमंत्र है। ऐसे कार्यक्रम न केवल युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करते हैं, बल्कि उन्हें नवाचार और आर्थिक स्वतंत्रता के अवसर भी प्रदान करते हैं। कार्यक्रम की समन्वयक, सुश्री हेमलता ने कार्यक्रम में बताया कि छत्तीसगढ़ में युवाओं और महिलाओं के बीच उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए यह एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने प्रतिभागियों से इस प्रशिक्षण का अधिकतम लाभ उठाकर अपने स्वयं के व्यवसाय स्थापित करने और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था में योगदान देने का आह्वान किया।

जिले में उल्लास साक्षरता महापरीक्षा 70 बंदियों ने भी दी

- उल्लास कार्यक्रम बना साक्षरता का सेतु, बड़ी संख्या में लोगों ने उत्साह से दी परीक्षा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

सुकमा, 25 मार्च। जिले में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत संचालित नवभारत साक्षरता कार्यक्रम ÷उल्लास÷ के अंतर्गत साक्षरता महापरीक्षा का भव्य आयोजन किया गया। यह परीक्षा जिले भर में शिक्षा का नया सवेरा लेकर आई,

जिसका उद्देश्य 15 वर्ष या उससे अधिक आयु के अशिक्षित व्यक्तियों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना है। कलेक्टर श्री देवेश कुमार ध्रुव के निर्देशन और जिला सीईओ श्रीमती नम्रता जैन के मार्गदर्शन में इस परीक्षा का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। परीक्षा के नोडल अधिकारी डिप्टी कलेक्टर श्री सुमित ध्रुव ने बताया कि महापरीक्षा में जिले भर से लगभग 7500 परीक्षार्थियों ने परीक्षा में भाग लेने के लिए पंजीयन किया था। जिला जेल सुकमा के 70 बंदी भी परीक्षा में शामिल हुए। परीक्षा में वे अभ्यर्थी शामिल हुए जिन्होंने उल्लास साक्षरता केंद्र में 200 घंटे की पढ़ाई पूरी कर ली थी या उल्लास प्रवेशिका के सात अध्यायों को सफलतापूर्वक पूरा किया था। इस परीक्षा के सफल प्रतिभागियों को राष्ट्रीय मुक्त विद्यालय संस्थान (ह्ढ्ढह्रस्) और राष्ट्रीय साक्षरता मिशन प्राधिकरण (ह्ढ्ढस्क्क) द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा, जिससे उनके लिए शिक्षा और रोजगार के नए द्वार खुलेंगे। यह पहल न केवल उनके जीवन में बदलाव लाएगी बल्कि जिले को जन-जन साक्षर बनाने की दिशा में भी मील का पत्थर साबित होगी।

रेत का अवैध उत्खनन कांग्रेस शासन काल में ज्यादाः धीरेन्द्र प्रताप

दंतेवाड़ा 25 मार्च। भाजपा जिला महामंत्री व पूर्व नगर पालिका उपाध्यक्ष दंतेवाड़ा धीरेन्द्र प्रताप सिंह ने कांग्रेस नेत्री व जिलापंचायत सदस्य तूलिका कर्मा के बयान भाजपा सरकार में रेत माफिया को संरक्षण के आरोप

को निराधार और द्वेष युक्त बताते हुए कहा कि जिस मुक्ति धाम के कार्य को लेकर तूलिका कर्मा आरोप लगा रही है वो कार्य उनके चहेते ठेकेदार को मिला था। इस ठेकेदार के कार्यों को गुणवत्ता विहीन होने के चलते प्रशासन ने निरस्त कर दिया था। अब उच्च गुणवत्ता के साथ कार्य हो रहा है तो कांग्रेसी नेत्री को हजम नहीं हो रहा है। इस ठेकेदार का कार्य निरस्त होने एवं निजी फायदा न मिलने पर तूलिका कर्मा अनर्गल आरोप लगा रही है। जबकि रेत का अवैध उत्खनन का मामला कांग्रेस सरकार में ही सबसे ज्यादा हुआ है, अब जो भी ठेकेदार कार्य करता है वो चाहे कही से भी रेत इस्तेमाल करे उसे भुगतान के प्रक्रिया के तहत पिटपास जमा करना अनिवार्य होता है। ठेकेदार उसकी 03 गुना राशि जमा करता है। पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष तूलिका कर्मा के चहेते ठेकेदारों को कार्य निरस्त क्या हुआ बौखला गई है। कांग्रेस शासन में गुणवत्ताहीन कार्य ऐसे ठेकेदारों द्वारा किया गया कुछ जगह तो सिर्फ लीपापोती कर भुगतान कर दिया गया। इन सब मामलो में तूलिका कर्मा के करीबियों की संलिप्तता रही है ऐसे कार्यो की भी पुनः जांच होनी चाहिए।

अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सदस्यों ने किया शपथ ग्रहण

सुकमा 25 मार्च। जिला पंचायत सुकमा के नवनिर्वाचित अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सदस्यों के प्रथम सम्मेलन एवं शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन सोमवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में संपन्न हुआ। इस अवसर पर जिला सीईओ श्रीमती नम्रता जैन ने नवनिर्वाचित जिला पंचायत अध्यक्ष मंगम्मा सोयम, उपाध्यक्ष श्री महेश कुमार कुंजाम सहित सभी सदस्यों को पंचायती राज अधिनियम के तहत कार्य करने की शपथ दिलाई।

- जिला सीईओ नम्रता जैन ने अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सदस्यों को दिलाई शपथ

श्रीमती जैन ने सभी 11 नवनिर्वाचित सदस्यों को अपने पदीय दायित्वों के निर्वहन के लिए शुभकामनाएं दीं और क्षेत्र में विकास कार्यों के लिए सहयोग की अपील की। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मंगम्मा सोयम ने अपने संबोधन में खुशी जाहिर करते हुए कहा कि इस बार पुरुषों की तुलना में महिला सदस्यों की संख्या अधिक है। सभी सदस्य मिलकर जनता की उम्मीदों पर खरा उतरेंगे। जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री महेशकुमार कुंजाम ने कहा कि जनता ने पूर्ण विश्वास के साथ जनप्रतिनिधियों को चुना है, इसलिए पूरी निष्ठा से क्षेत्र के विकास के लिए कार्य किया जाएगा। सभी जनप्रतिनिधियों के सहयोग से विकास कार्यों को और गति मिलेगी।

घर व दुकान में घुसकर पांच लाख रुपए लूटने वालों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

- लूट के मुख्य आरोपी ने पूर्व में भी कई लोगों को नौकरी लगाने के नाम पर की है धोखाधड़ी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कोण्डागांव। मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि दिनांक 23/03/2025 को प्रार्थिया श्रीमति तुलेश्वरी मानिकपुरी पति अजय मानिकपुरी उम्र 32 वर्ष निवासी बम्हनी थाना कोण्डागांव ने थाना कोण्डागांव में आकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि दिनांक 19/03/2025 को दोपहर लगभग 02.30 बजे एक इनोवा कार क्रमांक CG 10 BM 3041 में चार व्यक्ति उसके दुकान के पास आए और उसके पति अजय मानिकपुरी को अपने कब्जे मे रखे हुए थे तथा जबरदस्ती उसके घर दुकान में घुसकर घर के आलमारी में रखे पांच लाख रूपये नगदी को बल पूर्वक आलमारी से निकालकर तथा गल्ले में रखे रकम को और घर में लगे हुए कैमरे के डीव्हीआर को निकालकर तथा घर मे काम कर रहे पुष्कर ठाकुर, के मोबाईल को लूटकर अपने साथ ले गए है कि रिपोर्ट पर थाना कोण्डागांव मे अपराध क्रमांक 118/2025 धाराः- 309 (4) 127 (2) 332 (ग) बीएनएस कायम कर विवेचना में लिया गया। घटना के संबंध में तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया जिस पर पुलिस अधीक्षक महोदय कोण्डागांव श्री वाय अक्षय कुमार से निर्देश प्राप्त हुआ कि तत्काल विधिवत कार्यवाही करते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी करे।

विश्व जल दिवस पर सभी ने ली जल संरक्षण की शपथ

सुकमा, 25 मार्च। जल ही जीवन है, स्वच्छ पानी ही स्वास्थ्य है÷ के संदेश के साथ शनिवार को कलेक्टर श्री देवेश कुमार ध्रुव एवं सीईओ जिला पंचायत श्रीमती नम्रता जैन के निर्देशन में शबरी ऑडोटोरियम सुकमा में विश्व जल दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न संगठनों, सरकारी एजेंसियों और आम नागरिकों ने जल संरक्षण एवं सतत उपयोग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। जल संरक्षण के महत्व को रेखांकित करते हुए बताया गया कि जल अनमोल है और इसे बचाने के लिए हमें तत्काल ठोस कदम उठाने होंगे। इस विश्व जल दिवस पर आ प्रण लिया कि वे जल का विवेकपूर्ण उपयोग करेंगे, बर्बादी रोकेंगे और जल संवर्धन की दिशा में सक्रिय योगदान देंगे। इस दौरान पीएचई विभाग के अधिकारी कर्मचारी सहित नागरिक गण उपस्थित रहें।

1, 2 व 3 अप्रैल को संभाग स्तरीय बस्तर पंडुम

- संभाग के सभी जिलों के विभिन्न विधाओं में विजेता प्रतिभागी करेंगे प्रदर्शन
- जिला पंचायत सीईओ ने ली तैयारियों के संबंध में आवश्यक बैठक

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दंतेवाड़ा, 25 मार्च। बस्तर संभाग अंतर्गत जनजातीय बाहुल्य राज्य छत्तीसगढ़ की स्थानीय कला एवं संस्कृति परंपरा से परिपूर्ण बस्तर अंचल के लोककला, शिल्प कला, तीज-त्यौहार, खान-पान, बोली-भाषा, रीति-रिवाज, वेशभूषा, आभूषण, वाद्य यंत्र, पारंपरिक नृत्य, गीत-संगीत, नाट्य, व्यंजन पेय पदार्थ के मूल स्वरूप को संरक्षण, संवर्धन एवं कला समूहों के सतत विकास तथा जनजातीय कलाकारों को प्रोत्साहित एवं सम्मानित करने के उद्देश्य

से संभाग स्तरीय ''बस्तर पंडुम 2025'' का आयोजन दिनांक 1,2,3 अप्रैल 2025 को किया जा रहा है। इस वृहद आयोजन में जिला सुकमा, बीजापुर, बस्तर, कोंडागांव, नारायणपुर, दंतेवाड़ा, कांकेर, जिलों के विजेता प्रतिभागी टीमें पुनः अपना सांस्कृतिक प्रदर्शन जिला मुख्यालय में करेंगी।

इसके तैयारी एवं सफल आयोजन के तहत जिला कार्यालय के डंकनी सभा कक्ष में आज सीईओ जिला पंचायत श्री जयंत नाहटा द्वारा नोडल अधिकारियों की आवश्यक बैठक ली गई। बैठक में प्रतियोगिता में सम्मिलित प्रतिभागियों के ठहरने एवं भोजन की व्यवस्था, प्रतिभागियों के आवागमन की सम्पूर्ण व्यवस्था, कला एवं संस्कृति से संबंधित समस्त व्यवस्थाओं, विजेताओं को नगद पुरस्कार, प्रमाण पत्र , साथ ही प्रतियोगिता स्थल पर बांस-बल्ली व्यवस्था, बैरिकेडिंग, प्रतियोगिता स्थल पर सम्पूर्ण सुरक्षा व्यवस्था, चिकित्सा व्यवस्था, प्रतिभागियों के आवागमन हेतु वाहन की व्यवस्था, टेंट पंडाल, मंच व्यवस्था कार्यपालन, साउंड सिस्टम, मंच में लाइट तथा जनरेटर की व्यवस्था, प्रतियोगिता स्थल पर विद्युत व्यवस्था, प्रतियोगिता स्थल में आवश्यक लेआउट, समतलीकरण, साफ-सफाई, पीने के पानी, पानी टेंकर, चलित शौचालय एवं संबंधित अन्य कार्य, फायर ब्रिगेड की व्यवस्था, विशिष्ट अतिथियों के समन्वय हेतु लाईजनिंग के संबंध में विषेष दिषा निर्देष दिए गए। बैठक में अपर कलेक्टर श्री राजेष पात्रे, सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

एक नजर

कैरियर के लिए लक्ष्य सुनिश्चित कर स्वयं को करें तैयार:कलेक्टर

रायगढ़, 25 मार्च। किरोड़ीमल शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय में 23 एवं 24 मार्च को सस्टेनेबल डेवलपमेंट एंड रिसर्च विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। जिसमें देश-विदेश के अनेक विद्वानों, शोधकर्ताओं और शिक्षाविदों ने भाग लिया। कॉन्फ्रेंस के विभिन्न सत्रों में विशेषज्ञों ने सतत् विकास और अनुसंधान के नवीनतम पहलुओं पर अपने विचार साझा किए। सम्मेलन का उद्देश्य विज्ञान और तकनीक के माध्यम से सतत विकास को बढ़ावा देना था।कलेक्टर श्री कार्तिकेया गोयल ने संबोधित करते हुए कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य आप सभी को वैश्विक मंच प्रदान करना है। इस दौरान उन्होंने कॉन्फ्रेंस के विभिन्न सत्रों की जानकारी लेते हुए जिज्ञासा से संबंधित प्रश्न भी पूछे। उन्होंने कहा कि ऐसे सत्रों में अपने डाउट क्लियर करना चाहिए। आज विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित एआई उपलब्ध है, जो आपके प्रश्नों का दुनिया भर के डेटा से सार निकल कर आपको निकटतम एवं सटीक जवाब देता है। लेकिन आपके एआई टूल्स का बेहतर उपयोग करना आना चाहिए जो आपके लिए उपयोगी हो। उन्होंने रोजगार पर कहा कि भविष्य में अपार संभावनाएं है लेकिन आपके पास तीन से चार साल का ही महत्वपूर्ण समय है। आप अपने कैरियर के लिए तीन माइंड सेट के साथ लक्ष्य सुनिश्चित कर कार्य करें, जिससे आपको सफलता मिल सके। जिसमें पहला स्वयं का कार्य करना, दूसरा प्राइवेट एवं तीसरा गवर्नमेंट संस्थान के लिए कार्य करना है और उसके लिए अपने आप को तैयार करें। नौकरी के साथ व्यवसायिक सोच विकसित करें। नए-नए स्टार्टअप आइडिया प्रेजेंटेशन दे क्योंकि यह समय आपके एक्सपेरिमेंट का है। इस दौरान उन्होंने शोध पत्र प्रस्तुत करने वाले शोधार्थियों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किया।

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 26 मार्च

रायगढ़, 25 मार्च। पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति अंतर्गत राज्य से बाहर अध्ययनरत छत्तीसगढ़ के निवासी विद्यार्थी 19 से 26 मार्च 2025 तक ऑनलाईन आवेदन जमा कर सकते है। निर्धारित तिथियों के पश्चात शिक्षा सत्र 2024-25 की पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति हेतु आवेदन स्वीकृत नहीं किए जायेंगे।सहायक आदिवासी विकास, रायगढ़ ने जानकारी देते हुए बताया कि पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति अंतर्गत राज्य से बाहर अध्ययनरत (जिले के निवासी)विद्यार्थी जो अन्य राज्य में संचालित समस्त शासकीय, शासकीय महाविद्यालय, विश्वविद्यालय, इंजीनियरिंग कालेज, मेडिकल कालेज, नर्सिंग कालेज, पालीटेक्निक एवं आईटीआई आदि में अध्ययनरत अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों जो विभाग द्वारा संचालित पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति की पात्रता रखते हुए उनके लिए शिक्षा सत्र 2024-25 हेतु ऑनलाइन पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति राज्य से बाहर (कक्षा 12 वीं से उच्चतर)के पंजीयन/आवेदन स्वीकृति एवं वितरण की कार्यवाही वेबसाईट http://post-matric-scholarship.cg.nic.in पर ऑनलाईन की जा रही है।वर्ष 2022-23 से छात्रवृत्ति का भुगतान पीएफएमएस के माध्यम से किया जा रहा है। पीएफएमएस द्वारा आधारित भुगतान की जा रही है। अतएव सभी विद्यार्थी ऑनलाईन आवेदन करते समय आधार सीडेड बैंक खाता नंबर की प्रविष्टि करना सुनिश्चित करें।

सांसद राज्यसभा के निज सहायक कमल किशोर मेहर हटाए गए

रायगढ़, 25 मार्च। सांसद राज्यसभा श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह के सचिवालयीन कार्य के लिए निज सहायक श्री कमल किशोर मेहर को संलग्न किया गया था। कलेक्टर श्री कार्तिकेया गोयल ने सांसद के आग्रह पर संबंधित आदेश को निरस्त करते हुए उनके मूल विभाग बीआरसी समग्र शिक्षा (राजीव गांधी शिक्षा मिशन)विकासखण्ड पत्थलगांव, जिला-जशपुर में पदस्थ किया गया है।

बेहतर भविष्य के लिए शिक्षा जरूरी:नपाध्यक्ष

महासमुंद,25 मार्च। स्थानीय कॉलेज रोड स्थित किडजी प्री स्कूल के वार्षिक उत्सव कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। स्कूल प्रबंधन की ओर से श्री साहू का पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि श्री साहू ने मां सरस्वती की पूजा कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। पश्चात उन्होंने विभिन्न खेल स्पर्धाओं के विजेता बच्चों को पुरस्कार वितरण किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नपाध्यक्ष श्री साहू ने कहा कि वार्षिक उत्सव के आयोजन का उद्देश्य बच्चों को शिक्षा के साथ कला, संस्कृति से जोड़ना होता है। इस तरह के कार्यक्रम बच्चों के भीतर छिपी प्रतिभा को निखारने में मददगार साबित होती है। ये नन्हे विद्यार्थी देश के भावी नागरिक है। विद्यार्थी भारत का भविष्य है। हम सभी को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़कर योगदान देना चाहिए। क्योंकि बिना शिक्षा के बेहतर भविष्य की कामना करना असंभव है। उन्होंने शिक्षा के महत्व को बताते हुए कहा कि आज के समय में शिक्षित होना बहुत जरुरी है। शिक्षा से व्यक्ति को मानसिक, व्यावहारिक एवं शारीरिक ज्ञान की प्राप्ति होती है। यदि हमारे पास ज्ञान ना हो तो हमारा जीवन सुख सुविधा और मान सम्मान से वंचित रह जाएगा। इसलिए हम सभी को मिलकर शिक्षा के क्षेत्र में और अधिक जोर देना होगा। कार्यक्रम आयोजन के लिए श्री साहू ने विद्यालय परिवार को बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित की। इस अवसर पर स्कूल संचालक गण अमित चोपड़ा, विकास जैन, प्रियंका जैन, पायल चोपड़ा सहित स्कूल की शिक्षिका निधि श्रीवास्तव, दीपिका शर्मा, स्कूली बच्चे व पालक गण बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

29 से 31 मार्च अवकाश दिवस में खुले रहेंगे पंजीयन कार्यालय

रायगढ़, 25 मार्च। कलेक्टर श्री कार्तिकेया गोयल ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए निर्धारित राजस्व लक्ष्य (मुद्रांक एवं पंजीयन)आय शासन को अधिक से अधिक राजस्व प्रदाय करने के उद्देश्य से 25 मार्च एवं 29 से 31 मार्च 2025 तक शासकीय अवकाश के दिनों में भी पंजीयन कार्य करने हेतु निर्देश दिए हैउल्लेखनीय है कि पंजीयन विभाग राज्य के लिए राजस्व संग्रहण करने वाला एक प्रमुख विभाग है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के अंतिम माह पूर्ण होने में मात्र 7 दिवस ही शेष है। मार्च के माह में पक्षकारों द्वारा सर्वाधिक पंजीयन कराया जाता है। अतएव जनसुविधा एवं राजस्व संग्रहण को दृष्टिगत रखते हुए आगामी शासकीय अवकाश के दिनों में पंजीयन कार्यालय खोलकर नियमित पंजीयन कार्य कराया जाना है। अतएव 25 मार्च को भक्त माता कर्मा जयंती, 29 मार्च माह का अंतिम शनिवार, 30 मार्च माह का अंतिम रविवार एवं 31 मार्च 2025 ईद-उल-फितर को शासकीय अवकाश है। उक्त शासकीय अवकाश के दिनों में भी दस्तावेजों के पंजीयन हेतु पंजीयन कार्यालय खुला रहेगा।

टीबी मरीज से परहेज करने की जगह सही पोषण देकर स्वस्थ करने का प्रयास आवश्यक:कलेक्टर

रायगढ़, 25 मार्च। विश्व क्षय दिवस के अवसर पर नगर निगम ऑडिटोरियम, पंजरी प्लांट में स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रधानमंत्री टीबी मुक्त पंचायत अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें 298 टीबी मुक्त पंचायतों को सम्मानित किया गया। जिसमें 248 ग्राम पंचायतों को कांस्य गांधी प्रतिमा एवं 50 पंचायतों को सिल्वर गांधी प्रतिमा के साथ प्रशस्ति पत्र प्रदान की गई। मौके पर कलेक्टर श्री गोयल ने टीबी मुक्त ग्राम पंचायत बनाने हेतु शपथ दिलाई। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत श्री जितेन्द्र यादव, सीएमएचओ डॉ.अनिल कुमार जगत, सिविल सर्जन डॉ.दिनेश पटेल एवं टीबी नियंत्रण अधिकारी डॉ.जय कुमारी चौधरी उपस्थित रही।

कलेक्टर श्री कार्तिकेया गोयल ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य आपके साथ ही अन्य ग्राम पंचायतों को टीबी से मुक्त करने हेतु प्रेरित करना है। हमें अपने गांवों को टीबी मुक्त करना है इसका मतलब यह नहीं है कि आपको टीबी के मरीज से परहेज करना है। आपको उसके कारणों को जानना एवं उस मरीज को सही पोषण देकर टीबी से बाहर लाने का प्रयास करना होगा।टीबी मुक्त बनाने में विभाग के मैदानी कर्मियों के साथ ही आपके ग्राम पंचायतों का बहुमूल्य योगदान रहा है। स्वास्थ्य विभाग के अभियान एवं ग्राम पंचायतों के प्रयास के फलस्वरूप भारत आज पोलियों से मुक्त है, जबकि हमारे पड़ोसी देश आज भी पोलियो से ग्रस्त है। वर्ष 2030 तक टीबी मुक्त बनाने के लक्ष्य को लेकर हम कार्य कर रहे है। लेकिन हम सबको इस दिशा में लगातार कार्य करते हुए लक्ष्य से पहले जिले से टीबी को खत्म करना होगा। जब कोई टीबी से ग्रसित होता है तो वह हमारे आर्थिक प्रगति का हिस्सा नहीं बन पाता एवं उसके परिवार को आर्थिक समस्याओं से जुझना पड़ता है। जिसके लिए भारत सरकार निश्चय निरामय योजना के माध्यम से टीबी को खत्म किया जा रहा है। इसके लिए अपने जिले में सुपोषित करने हेतु टीबी के मरीजों को फूड बॉस्केट प्रदान किया जा रहा है। निश्चय मित्र बन कर टीबी बीमारी के प्रति लोगों को जागरूक कर टीबी मुक्त देश बनाने में सहयोग करें ताकि हमारे नौजवान युवा देश की प्रगति में अपना योगदान दे सके। आज आपके कार्यों के फलस्वरुप टीबी मुक्त ग्राम पंचायत होने पर आपको सम्मानित किया जा रहा है, ताकि आप आगे भी बेहतर कार्य करते रहे और अपने गांव के साथ आस पास के गांवों को टीबी मुक्त बनाने में सहयोग करें।

सीईओ जिला पंचायत श्री जितेन्द्र यादव ने कहा कि जिन पंचायतों ने अपने ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त है किया है वे सब बधाई के पात्र है। उन्होंने ग्राम सरपंचों को संबोधित करते हुए कहा कि आपके सहयोग से जिले के 298 पंचायत टीबी मुक्त हो चुके है। आप सक्रिय निश्चय मित्र की भूमिका निभाते हुए अपने ग्रामों के साथ अन्य गांव को भी टीबी मुक्त करने के दिशा में कार्य करें। टीबी के मरीजों को शारीरिक स्वास्थ्य एवं रोजगार संबंधी दिक्कतें सामने आती है, हमें उन्हें बेहतर खानपान के साथ रोजगार संबंधी सहयोग करना होगा। उन्होंने सीएमएचओ से सभी लोगों को जोड़कर जागरूक करने को कहा ताकि जिले के शत-प्रतिशत ग्राम पंचायत टीबी मुक्त हो सके।सीएमएचओ डॉ.अनिल कुमार जगत ने कहा कि जिले में 2024-25 में 2100 से अधिक टीबी के मरीज रहे। टीबी के मरीज व्यक्ति को विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्यगत एवं आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। उन्होंने सभी मरीजों को टीबी के निर्धारित डोज एवं पूर्ण ईलाज कराने का आग्रह, ताकि अन्य ड्रग रेसिस्टेंट टीबी न हो सके। उन्होंने टीबी के मरीजों को टीबी बीमारी रोकने अन्य स्थानों में रोजगार संबंधी पलायन एवं भीड़ भाड़ जगह में न जाने की सलाह दी। सिविल सर्जन डॉ.दिनेश पटेल ने टीबी के लक्षण, ईलाज एवं रोकथाम की विस्तार से जानकारी देते हुए अन्य लोगों को जागरूक करने की अपील की।

आयोजित कार्यक्रम के दौरान लोक कला मंच के कलाकारों द्वारा नाट्य मंचन के माध्यम से टीबी बीमारी के प्रति लोगों को जागरूक किया गया। कलाकारों ने टीबी मरीजों को होने वाले दिक्कतों, आर्थिक समस्याओं को नाट्य मंचन के माध्यम से अवगत करवाया। उन्होंने टीबी से बचाव, रोकथाम एवं शासकीय चिकित्सालय में निःशुल्क ईलाज के साथ ही बीमारी को लेकर होने वाले संशय को दूर करने टोल फ्री नंबर 1800116666 की जानकारी दी। इस अवसर पर ग्राम पंचायतों से आए प्रतिनिधियों ने अपने ग्रामों को टीबी मुक्त करने के उपायों एवं जागरूकता संबंधी गतिविधियों की अपने अनुभवों को मंच

विश्व क्षय दिवस पर लोगों को किया जागरूक

बीजापुर, 25 मार्च (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। दिनाँक 24.03.2025 को जिला बीजापुर में विश्व क्षय दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि श्रीमती गीता सोम पुजारी जी नगर पालिका अध्यक्ष महोदया , विशिष्ट अतिथि उपाध्यक्ष एवं पार्षद नगर पालिका बीजापुर एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला बीजापुर की अध्यक्षता में टी बी जागरूकता हेतु कार्यशाला सह सम्मान समारोह का आयोजन सांस्कृतिक भवन बीजापुर में किया गया । इस शुभ अवसर पर 1) वर्ष 2023 में टी बी मुक्त हुए 25 ग्राम पंचायतो के सरपंचो को गांधी जी की प्रतिमा एवं प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया ।2) मरीजों को पोषण आहार हेतु फुड बास्केट वितरण किया गया।3) वर्ष 2023 एवं 2024 के टीबी मरीजों की मदद करने वाले निक्षय मित्रो को पदक एवं प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया।4) जिले के समस्त सरपंचो, नगर पालिका पार्षदों एवं गणमान्य नागरिको को टीबी रोग के प्रति जागरूक कर जनभागीदारी से निक्षय मित्र बनकर टी बी मरीजों की सहायता कर टी बी मुक्त बीजापुर बनाने हेतु प्रेरित किया गया। टी बी के गुप्त एवं संकस्पद मरीजों की जांच हेतु ष्ट4ज्ञक्क जांच का जिलास्तरीय शुभारंभ भी किया गया।इस मौके पर नगर पालिका उपाध्यक्ष महोदय, नगर पालिका पार्षद महोदय, जिले के ग्राम पंचायतों के सरपंच महोदय, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला नोडल अधिकारी (NTEP) ,खंड चिकित्सा अधिकारी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक, MSF project coordinator के साथ साथ स्वस्त्र एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम भी उपस्थित रही ।

कारखाने में हुई दुर्घटना की जांच जारी, श्रमिकों का बेहतर उपचार किया जा रहा

महासमुंद। मां करणी कृपा प्लांट में 22 मार्च को हुई दुर्घटना की जांच के तहत उप संचालक औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा बिलासपुर (वर्तमान प्रभार बलौदाबाजार) अश्वनी पटेल एवं श्रम पदाधिकारी महासमुंद डीएन पात्र द्वारा विभिन्न अधिनियमों के अंतर्गत निरीक्षण किया गया। कारखाना अधिनियम के तहत दुर्घटना स्थल का निरीक्षण कर आवश्यक जांच की गई। जांच अधिकारियों ने कारखाना प्रबंधन को निर्देशित किया कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सभी आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए जाएं। दुर्घटना के संबंध में आगे की जांच एवं वैधानिक कार्रवाई प्रक्रियाधीन है। दुर्घटना कारखाने के डस्ट सेटलिंग चेंबर में हुई, जहां डस्ट गिराने के दौरान अधिक मात्रा में डस्ट पानी में गिरने से गर्म पानी के छीटों के संपर्क में आने से तीन श्रमिक झुलस गए। घायलों का इलाज रायपुर के कालडा बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी सेंटर, पचपेढ़ी नाका में जारी है। इसके अलावा, श्रम विभाग ने ठेकेदार मेसर्स जवाहर इंटरप्राइजेस का न्यूनतम वेतन अधिनियम 1948, वेतन भुगतान अधिनियम 1936, भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार अधिनियम 1996 एवं संविदा श्रमिक अधिनियम 1970 के तहत निरीक्षण किया। निरीक्षण में पाई गई त्रुटियों के लिए ठेकेदार को नोटिस जारी कर आगामी कार्रवाई प्रक्रियाधीन है।

छत्तीसगढ़िया स्वर्णकार महिला मंडल का होली मिलन समारोह आयोजित

महासमुंद,25 मार्च। छत्तीसगढ़िया स्वर्णकार महिला मंडल ने होली मिलन समारोह उल्लास पूर्वक मनाया। आपसी प्रेम और सौहार्द को बढ़ावा देने वाले इस रंगों के त्यौहार में मन की बुराईयों को होलिका में समर्पित कर मंडल की महिलाओं ने रंगारंग कार्यक्रम में होली मिलन मनाया।कार्यक्रम में सर्वप्रथम सोनी समाज की महिलाओं द्वारा राधा कृष्ण की छायाचित्र का पूजन अर्चन एवं गुलाल लगाकर कार्यक्रम की शुरुआत की। गणेश जी के वंदन पश्चात फाग गीतों का गायन में महिलाएं जमकर झूमीं। कृष्ण-राधा के भक्तिमय फाग गीतों पर समाज की महिलाएं एवं बच्चे नृत्य कर कार्यक्रम का भरपूर लुत्फ उठाया। त्योहार हमारे जीवन में खुशियां, उल्लास और सामाजिक मेल-जोल लाते हैं।

जिले के भोपालपटनम् में रचित नाटक गुण्डाधूर का भोपाल में मंचन

बीजापुर, 25 मार्च (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। बीजापुर

ज़िले के प्रतिष्ठित साहित्यकार लक्ष्मीनारायण ताटी पयोधि के बहुचर्चित,बहुमंचित और बहुप्रसारित काव्यनाटक गुण्डाधूर का मंचन 25 मार्च 2025 की शाम को भोपाल के शहीद भवन में किया जायेगा।यह जानकारी देते हुए श्री पयोधि के छोटे भाई और पूर्व जिला पंचायत सदस्य बसंत ताटी ने बताया कि इस नाटक की रचना पयोधि भैया ने गहन शोध के बाद भोपालपटनम् में ही वर्ष 1982 में की थी,जिसका प्रकाशन सन्1984-85 में बस्तर के लोकप्रिय दैनिक दण्डकारण्य समाचार के साहित्यिक परिशिष्ट में धारावाहिक रूप से हुआ था,जिससे इस नाटक की ओर बुद्धिजीवियों का ध्यान आकृष्ट हुआ और उस पर चर्चा शुरू हुई।बसंत ताटी ने बताया कि बस्तर स्टेट में ब्रिटिश हुकूमत द्वारा आदिवासियों के जल,जंगल,जमीन और अन्य परंपरागत संसाधनों से आदिवासियों के अधिकारों से बेदखल करने तथा दीगर आदिवासी विरोधी नीतियाँ लागू करने से उपजे असंतोष ने डारामिरी संकेतक के मार्फत आदिवासी समुदायों को एकजुट किया और भूमकाल जैसा महाविद्रोह घटित हो गया।श्री पयोधि रचित नाटक से पहले यह घटना अधिक लोगों की जानकारी में नहीं थी। बसंत ताटी के अनुसार वर्ष 1987 से 89 तक स्व.श्री हरि नायडू के निर्देशन में बस्तर संभाग के सभी तहसील मुख्यालयों और रायपुर जगार में गुण्डाधूर का महानाट्य के रूप में भव्य मंचन हुआ था।पहले आकाशवणी, जगदलपुर से स्थानीय और फिर आकाशवणी,रायपुर द्वारा इसका रेडियो प्ले के रूप में अखिल भारतीय स्तर पर इसका प्रसारण किया गया था।संस्कृति विभाग मध्यप्रदेश के स्वराज संस्थान संचालनालय द्वारा इस पर आधारित डाक्यूड्रामा का निर्माण भी किया गया। ऐसे लोकप्रिय नाटक का लगभग 36 वर्षों बाद भोपाल में मंचित होना सुखद है।ताटी ने कहा कि बस्तर के भूमकाल विद्रोह को स्वतंत्रता-संग्राम के रूप में स्थापित कर आदिवासी-चेतना को जन-जन तक पहुँचाने वाले इस नाटक का भोपाल में मंचित होना भोपालपटनम् और बीजापुर जिले के लिये गौरवपूर्ण है।आज गुण्डाधूर छत्तीसगढ़ राज्य में आदिवासी-अस्मिता के प्रतीक हैं। इसलिये इस नाटक का मंचन संपूर्ण छत्तीसगढ़ में होना चाहिए,ताकि नयी पीढ़ी को इससे प्रेरणा मिल सके।

अघरिया समाज के नवनियुक्त पदाधिकारियों ने किया शपथ ग्रहण

सरायपाली,25 मार्च। 23 मार्च को अखिल भारतीय अघरिया समाज केंद्रीय समिति रायगढ़ का नवनिर्वाचित अध्यक्ष उषा पटेल सहित सभी पदाधिकारियों को भंवरपुर मंडी प्रांगण में आयोजित शपथ ग्रहण एवं सम्मान समारोह में निवर्तमान अध्यक्ष भुवनेश्वर पटेल के द्वारा शपथ ग्रहण करवाया गया। कार्यक्रम में वर्चुअल रूप से वित्त मंत्री ओपी चौधरी जुड़े और शपथ ग्रहण समारोह को संबोधित किये,वहीं सांसद रूप कुमारी चौधरी के मुख्य आतिथ्य में कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मंच संचालन द्वय भोजराज पटेल,राजाराम पटेल के द्वारा किया गया, और स्वागत उद्बोधन बसना क्षेत्र के अध्यक्ष संतराम पटेल ने किया। स्वागत गीत शिक्षक शैलेंद्र नायक के द्वारा प्रस्तुत किया गया। साथ ही अघरिया सदन भंवरपुर का सांसद रूप कुमारी के द्वारा भूमि पूजन किया गया।

मंडी प्रांगण में आयोजित अखिल भारतीय अघरिया समाज केंद्रीय समिति रायगढ़ के शपथ ग्रहण व सम्मान समारोह में वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने वर्चुअल रूप से दिल्ली से जुड़कर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पैता धाम के पहुंच मार्ग के लिए सीसी रोड का मांग रखा गया है जिससे पूरा करने का आश्वसन दिया आगे उन्होंने कहा कि समाज को आगे बढ़ाने में जो भी आवश्यक कदम उठाया जाएगा उसमें उनके द्वारा सहयोग करने आश्वास्त किया गया। जरूरी कार्य होने के कारण समाज के महत्वपूर्ण कार्यक्रम में उपस्थित नहीं होने पर ?खेद प्रकट किया,और वर्चुअल रूप से जुड़कर अपनी बात को समाज तक पहुंचाई। कार्यक्रम को महासमुंद लोकसभा के सांसद रूपकुमारी चौधरी ने संबोधित करते हु? कहा पहली बार समाज के द्वारा केंद्रीय अध्यक्ष की कमान महिला के हाथों सौपी गई है,उन्होंने कहा कि समाज के द्वारा महिला और युवकों को जिम्मेदारी दी जाती है तो तेजी से समाज आगे बढ़ता है। उन्होंने कहा कि है अघरिया समाज के लोग किसी

भी क्षेत्र में उतर जाते है तो वे लक्ष्य को हासिल करके ही रहते है। आगे उन्होने कहा कि समााज हित में जो भी मांग रहेगा उस पर जरुर अमल किया जाएगा। नवनिर्वाचित केंद्रीय अध्यक्ष उषा पटेल सहित उनकी पूरी टीम को उन्होंने बधाई दी, और कहा का जिम्मेदारी पूर्वक पद की गरिमा को ध्यान में रखते हुए समाज की उम्मीद पर केंद्रीय अध्यक्ष उषा पटेल खरा उतरे। कार्यक्रम को नवनिर्वाचित केंद्रीय अध्यक्ष उषा पटेल ने संबोधित करते हुए कहा कि उनके द्वारा उनके कार्यकाल के दौरान समाज के प्रत्येक कार्य में पारदर्शिता रखी जाएगी एक-एक रुपए का हिसाब रखा जाएगा, उन्होंने ट्रस्ट बनाने की घोषणा की,साथ पूर्व अध्यक्ष भुनेश्वर पटेल के कार्यकाल की सराहना की उनके द्वारा करवाए गए कार्य को बताएं, उन्होंने समाज द्वारा जो उम्मीद के साथ उन्हें नई जिम्मेदारी पूरे देश भर के लिए दी गई है उसको पूरा करने वह उनकी उम्मीदों पर खरा उतरने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि जितनी बड़ी जो जिम्मेदारी दी गई है वह सभी सामाजिक लोगों के सहयोग से संगठन,कार्यकारिणी के सहयोग से ही वे पूरा करेंगे। उन्होंने वित्त मंत्री ओपी चौधरी से वर्चुअल रूप से जुड़कर समाज को आगे बढ़ने व समाज के कार्यों में सहयोग करने की अपेक्षा की जिस पर ओपी चौधरी ने उनकी अपेक्षा पर हामी भारी। आगे उन्होंने कहा कि रायपुर में एक अघरिया समाज का केंद्र स्थल बनाया जाना है,जिसके लिए शासन से समाज के लिए जमीन उपलब्ध करवाने मांग रखने बात कही और कहा कि अगर जमीन उपलब्ध हो जाता है तो वहां धर्मशाला के रूप में उपयोग होगा और इलाज करवाने, विभिन्न कार्य के लिए रायपुर जाने वाले समाज के लोगों को कम दर में रूम उपलब्ध होगा जिन्हें उन्हें आर्थिक बोझ से भी राहत मिलेगी,? आगे उन्होंने कहा कि पैति धाम को भव्य बनाया जाएगा जो अन्य समाज के लिए भी उदाहरण प्रस्तुत होगा। उन्होंने समाज की रीति नीति का परिपालन करते हुए समाज की रीति रिवाज को सहेज कर रखने की बात कही। कार्यक्रम को खरसिया के व्यवसायी बालक राम पटेल ने संबोधित करते हुए कहा कि रायपुर में शासन द्वारा प्रत्येक समाज को जमीन आवंटित करने के संबंध में ध्यान आकर्षण करवाया और समाज के लिए जमीन आरक्षित कर उसका उपयोग व्यवसाय,शिक्षा आदि के लिए भवन निर्माण करने का प्रस्ताव रखा। देर से शादी करने वाले लड़का-लड़कियों व समाज में लड़कियों की कमी की ओर ध्यान आकर्षण करवाते हुए छत्तीसगढ़ व उड़ीसा को एकता के सूत्र में बांधकर इस समस्या का निराकरण करने को कहा, कार्यक्रम को उड़ीसा के संगठन महामंत्री रंजन पटेल ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम के दौरान सभी ब्लॉक के क्षेत्रीय अध्यक्षों को पुष्पमाला व गमछा भेंटकर स्वागत किया गया। वहीं कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल रूप कुमारी चौधरी को केंद्रीय अध्यक्ष के द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी मंचासीन लोगों को नवनिर्वाचित अध्यक्ष सहित पदाधिकारियों के द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से किशोर पटेल,जवाहर नायक, प्रकाश नायक त्रिलोचन पटेल,कलपराम पटेल,जगदीश पटेल,छत्तर सिंह नायक,ओमप्रकाश चौधरी, निराकार पटेल,कृष्णा पटेल? विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। इन पदाधिकारियों सहित कार्यकारिणी व मनोनीत सदस्यों ने ली गोपनियता की शपथइस अखिल भारतीय अघरिया समाज केंद्रीय समिति रायगढ़ के शपथ ग्रहण समारोह में नवनिर्वाचित केंद्रीय अध्यक्ष उषा पटेल,वरिष्ठ उपाध्यक्ष द्वारिका पटेल, प्रेमशिला नायक,कोषाध्यक्ष दिनेश चौधरी, महिला संयोजिका तारेश्वरी नायक, युवा संयोजक विजय पटेल सहित सभी कार्यकारिणी व मनोनीत पदाधिकारियों ने गोपनीयता की शपथ ग्रहण की।

नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों का मुख्य अतिथि व केंद्रीय अध्यक्ष ने किया सम्मान

कार्यक्रम में अघरिया समाज से विभिन्न पदों में नवनिर्वाचित? जनप्रतिनिधियों का मुख्य अतिथि व केंद्रीय अध्यक्ष के द्वारा सम्मानित किया गया जिसमें मोगरा पटेल जिला पंचायत अध्यक्ष महासमुंद,सरस्वती पटेल नगर पालिका अध्यक्ष सरायपाली, लक्ष्मी पटेल जनपद पंचायत अध्यक्ष सरायपाली,कमल किशोर पटेल जिपं उपाध्यक्ष शक्ति,अजय नायक जि पं उपाध्यक्ष सारंगढ़, अभिलाषा नायक जिपं सदस्य सारंगढ़, प्रियंका पटेल जिपं सदस्य शक्ति, बंशीधर चौधरी जिपं सदस्य रायगढ़,सीमा नायक जिपं सदस्य महासमुंद,देवकी पटेल जिपं सदस्य महासमुंद,नैन पटेल जिपं सदस्य महासमुंद, भाग्यवती नायक जिपं सदस्य रायगढ़, लक्ष्मी पटेल जिपं सदस्य रायगढ़, सरिता नायक जिपं सदस्य बरमकेला, राजू नायक जिपं सदस्य बरमकेला, सत्यभामा नायक अध्यक्ष नगर पंचायत बरमकेला, शकुन देव जनपद अध्यक्ष अकलतरा, मुकेश पटेल जनपद उपाध्यक्ष सरायपाली,ब्रह्मानंद पटेल जनपद उपाध्यक्ष पिथौरा, मोहित पटेल जनपद उपाध्यक्ष बसना, देवानंद नायक जनपद उपाध्यक्ष कसडोल, अंजू पटेल जनपद उपाध्यक्ष डभरा, ओंकार पटेल जनपद उपाध्यक्ष बरमकेला शामिल है।

सुदूर क्षेत्रों में शिविर लगा योजनाओं की जानकारी दी जा रही

बीजापुर, 25 मार्च (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मंशानुरूप अंतिम व्यक्ति तक शासकीय योजनाओं को पहुंचाने और उनके जीवन स्तर में व्यापक बदलाव लाने के जिला प्रशासन बीजापुर द्वारा कलेक्टर श्री संबित मिश्रा के मार्गदर्शन में कार्य किए जा रहे इसी क्रम में भोपालपटनम के ग्राम केरपे अंतर्गत निर्धारित शिविर का आयोजन ग्राम करकेली में रखा गया उक्त शिविर में अनुभाग भोपालपटनम के अनुविभागीय अधिकारी (रा.) सीईओ जनपद पंचायत, तहसीलदार के अलावा सभी विभागीय अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित हुए एवं केरपे पंचायत के 10 ग्रामों से ग्रामवासी ट्रैक्टरों, मोटरसाइकिल एवं सायकल से उपस्थित होकर अपने समस्या सबंधित आवेदन पत्र जैसे जाति प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, जॉब कार्ड, राशन कार्ड, अन्य विभागों से संबंधित आवेदन पत्र प्राप्त किया गया। शिविर के माध्यम से केंद्र एवं राज्य सरकार के महत्वाकांक्षी योजनाओं की विस्तृत जानकारी विभागीय अधिकारियों द्वारा दी गई और योजनाओं से लाभान्वित होने के लिए प्रेरित किया गया।

पूर्व विधायक और नपा अध्यक्ष का बरसात के पहले वार्डों का दौरा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भाटापारा, 25 मार्च। आगामी दिनों में बरसात के मौसम में बारिश से जलभराव की समस्या को देखते हुए नगर पालिका परिषद भाटापारा के अध्यक्ष अश्वनी शर्मा, क्षेत्र के पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा के साथ शहर के अनेक वार्डों में निरीक्षण के लिए पहुँचे। इस दौरान जलभराव के भौतिक निरीक्षण करते हुए वास्तविक कारणों को समझने का प्रयास किया गया। जलभराव की समस्या से निपटने और स्थायी समाधान के लिए स्थानीय निवासियों से सुझाव भी आमंत्रित किया गया है।

गौरतलब है भाटापारा नगर के अनेक इलाकों में बरसात के समय जलभराव की समस्या गंभीर रूप से सामने आती है। शहर के झुग्गी वाले इलाकों में नालों में जलभराव से हादसे की भी आशंका बढ़ जाती है। ऐसे में नवनिर्वाचित नपा अध्यक्ष अश्वनी शर्मा और क्षेत्र का सदन में प्रतिनिधित्व कर चुके पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा लोगों की

जलभराव के कारणों को समझने का प्रयास

समस्याओं को ध्यान में रखते हुए उनके बीच पहुँचे। वार्डवासियों से जलभराव के स्थानों का भौतिक निरीक्षण करते हुए, जलभराव के कारणों को जानने-समझने का प्रयास हुआ। इस दौरान पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा और नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने जनसमस्याओं को प्राथमिकता देते हुए शीघ्र ही प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया।

वार्ड निरीक्षण के नगर पालिका उपाध्यक्ष दिलीप छाबड़िया, पार्षद मनीष मिश्रा, भुवन ठाकुर, बंटी टंडन, कुंजराम कोशले, मुख्य नगर पालिका अधिकारी जफर खान, कार्यपालन अभियंता अमरनाथ अवधिया एवं संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

समाचार संक्षेप

नि:शुल्क स्वास्थ्य और रक्तदान शिविर का किया गया आयोजन

रायपुर, 25 मार्च। पूज्य सिंधी पंचायत न्यू राजेंद्र नगर, अमलीडीह द्वारा अमलीडीह स्थित स्स्ष्ठ धाम मे नि:शुल्क स्वाथ्य शिविर एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

पंचायत के अध्यक्ष विशाल कुकरेजा ने बताया की इस शिविर में क्षेत्र के रहवासियों ने बढ़ी संख्या में उपस्थित होकर शिविर का लाभ उठाया। इस आयोजन में डॉक्टरों ने अपना योगदान दिया। कुकरेजा ने बताया कि इसके साथ ही पंचायत ने रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया। शिविर में खास बात ये रही की महिलाओ ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया और रक्तदान कर नारी शक्ति का संदेश दिया।कुकरेजा ने बताया की आयोजन में रक्तदाताओं को कुलदेवी माता हिंगलाज माता की

दुर्लभ प्रतिमा दी गई।इस शुभ आशीर्वाद को दुर्गा मंदिर लिली चौक के साईजी सतगुरु श्री अनंतपुरी गोस्वामी के द्वारा दिया गया जो की पूर्ण रूप से नि:शुल्क था।

इस आयोजन मे मुख्य रूप से जी.एस गेहानी, डी. प्रेम मूलचंदानी, अमर चंदनानी, सुनील बत्रा, प्रेम सोनी, संजय जयसिंघानी, गोपी कुकरेजा, कपिल गेहानी, राकेश माटा, चिराग जयसिंघानी, यश नागवानी, दर्शिल बसंतवानी आदि उपस्थित थे।

एक नजर

सरकार की विभिन्न योजनाओं से हीरामति ने आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ाया कदम

बलौदाबाजार, 25 मार्च (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। केंद्र एवं राज्य सरकार की कई योजनाओं का लाभ मिलने से हीरामति पटेल अब आत्मनिर्भरता की ओर आगे बढ़ रही है और परिवार मे खुशहाली आई है। विकासखंड बलौदाबाजार अंतर्गत ग्राम गिन्दोला निवासी हीरामति पटेल और उनके पति भुवन पटेल वर्षों से कृषि कार्य में संलग्न हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद, वे अपने परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए मेहनत करते रहे। लेकिन आर्थिक स्थिति के कारण वे अपने सपनों को पूरा नहीं कर पा रहे थे। सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं ने हीरामति पटेल के जीवन को एक नई दिशा दी। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत उन्हें पक्के मकान की सुविधा मिली, जिससे अब उनका परिवार सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन रहा है। पहले कच्चे मकान में बारिश और गर्मी की परेशानियों का सामना करना पड़ता था, लेकिन अब वे अपने नए घर में सुकून से रहते हैं। महतारी वंदन योजना के माध्यम से उन्हें आर्थिक सहायता प्राप्त हुई, जिससे वे अपने दैनिक खर्चों को आसानी से पूरा कर पा रही हैं। यह योजना न केवल महिलाओं की आर्थिक स्थिति को मजबूत कर रही है, बल्कि उनके आत्मसम्मान को भी बढ़ा रही है। प्रधानमंत्री उ वला गैस योजना ने उनके जीवन में एक और बड़ा बदलाव लाया।

मोटरसाइकिल से शराब का अवैध परिवहन करते तीन गिरफ्तार

बलौदाबाजार, 25 मार्च (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। 23 मार्च को थाना सुहेला की पुलिस टीम द्वारा ग्राम पड़कीडीह-आमाकोनी रोड पानी टंकी के पास घेराबंदी कर मोटरसाइकिल के माध्यम से बिक्री करने के लिए अवैध रूप से शराब ले जाते हुए 02 आरोपी शराब कोचियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों से ?27, 690 कीमत मूल्य का 214 पाव स्पेशल गोवा व्हीस्की अंग्रेजी शराब एवं अवैध रूप से शराब परिवहन में प्रयुक्त मोटरसाइकिल छ्त्र04 छ्श्र 7324 जप्त किया गया है। इस दौरान आरोपियों से पूछताछ कर मेमोरेंडम कथन लिया गया, जिसमें आरोपियों द्वारा जप्त शराब को आरोपी भुनेश्वर यादव द्वारा बिक्री करने के लिए मंगाने पर उसके पास ले जाना बताया गया। कि आरोपियों के विरुद्ध थाना सुहेला में धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर तीनों आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर जेल भेजने की प्रक्रिया की जा रही है। आरोपियों के नाम राजकुमार साहू उम्र 19 वर्ष निवासी संजय कॉलोनी बलौदाबाजार थाना सिटी कोतवाली, अक्षय कुमार निषाद उम्र 20 वर्ष निवासी ग्राम कोकड़ी थाना सिटी कोतवाली, भुनेश्वर यादव उम्र 19 वर्ष निवासी लोहिया नगर बलौदाबाजार थाना सिटी कोतवाली है।

शहर के विकास में सहयोगी बनने जनता से समेकित व जल कर का भुगतान करने की अपील की नपा अध्यक्ष ने

करोड़ों रुपये जल व समेकित कर बकाया, शहर के विकास कार्य में आ रही बाधा : अश्वनी शर्मा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भाटापारा, 25 मार्च। छत्तीसगढ़ प्रदेश के सबसे बड़ी नगर पालिका का दर्जा रखने वाले भाटापारा में अरसे से शहरवासियों द्वारा सम्पत्ति कर व जल कर का भुगतान नहीं किया जा रहा है। निरंतर बकाया होने से कर की यह राशि करोड़ों में हो चली है। ऐसे में अनेक तरह के विकास कार्यों के लिए करों पर निर्भर रहने वाली नगर पालिका में अब विकास में बाधा आ रही है। स्थिति को देखते हुए नवनिर्वाचित नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने शहर के विकास में सहभागी बनने लोगों से जल व समेकित करों के भुगतान की अपील की है। नपा अध्यक्ष शर्मा ने कहा कि उन्होंने शहर को स्वच्छ, सुंदर व विकसित बनाने की दिशा में अनेक योजनाओं की रूपरेखा तैयार कर ली है, लेकिन नगर पालिका में पर्याप्त मद नहीं होने से वे विकास कार्य शुरू हो पा रहे हैं। दूसरी ओर नगर पालिका के अंतर्गत कार्य करने वाले कर्मचारियों के वेतन का भुगतान भी नहीं हो पा रहा है।

गौरतलब है कि नगरीय निकायों में अनुदान के अलावा विकास कार्यों के लिए मूल रूप से आय के स्त्रोत अनेक तरह के कर होते हैं, जिनकी वसूली नगरीय निकाय क्षेत्र के अंतर्गत रहने वाले लोगों से होती है। लेकिन नगर पालिका परिषद भाटापारा में करोड़ों रुपये का सम्पत्ति कर व जल कर की राशि लम्बे अरस से बकाया है। नगरवासियों द्वारा इन करों का भुगतान होने से नगर में सुविधा बहाली के साथ ही विकास कार्य होंगे। बता दें कि नगर पालिका परिषद स्तर पर सम्पत्ति कर के रूप में आय के स्त्रोतों में भवन कर प्रमुख है, जो नगर पालिका क्षेत्र अंतर्गत निर्मित भवनों पर कर लगाई जाती है, जिसमें आवासीय और व्यावसायिक भवन शामिल हैं। इसी तरह भूमि कर भी वसूलने का प्रावधान है, जिसमें

खाली प्लॉट और निर्मित भवन शामिल हैं। नपा क्षेत्र में व्यावसायिक संस्थानों पर व्यावसायिक कर लगाया जाता है। बिल बोर्ड और होर्डिंग या डिजिटल बोर्ड पर विज्ञापन कर लगाया जाता है। नगर पालिका क्षेत्र में निर्धारित पार्किंग स्थलों पर पार्किंग कर वसूला जाता है। वहीं निर्माण कार्यों पर निर्माण कर वसूलने का प्रावधान है। वहीं भवन और भूमि के पंजीकरण पर संपत्ति पंजीकरण शुल्क वसूला जाता है। इसके साथ ही भवन और भूमि के मूल्यांकन पर संपत्ति मूल्यांकन शुल्क की वसूली की जाती है। लेकिन आलम यह है कि नगर पालिका भाटापारा में आधे से कम लोग ही इन करों का भुगतान कर रहे हैं, जिसका असर नगर पालिका क्षेत्र में विकास कार्यों पर पड़ रहा है। दूसरी ओर कर्मचारियों का वेतन व मानदेय भी इन करों से ही दिया जाता है। कर की वसूली नहीं होने से कर्मचारियों का वेतन व मानदेय का भुगतान प्रभावित हो रहा है।

सम्पत्ति कर के माध्यम से नगर पालिका को राजस्व प्राप्त होता है, जिसका उपयोग नगरीय सेवाओं जैसे कि कूड़ा-कचरा संग्रहण, स्ट्रीट लाइट, और अन्य सामाजिक सेवाओं के संचालन में किया जाता है। वहीं सम्पत्ति कर के माध्यम से सड़कें, पानी की आपूर्ति, स्वच्छता, और अन्य सामाजिक सेवाओं के रख-रखाव में किया जाता है। इसी तरह 50 हजार से अधिक की आबादी वाले भाटापारा नगर पालिका परिषद क्षेत्र में नल जल योजना के अंतर्गत शहर में हजारों की संख्या में नल कनेक्शन हैं, जिनमें से शहर के कुछ लोग ही जल कर का भुगतान करते हैं, जबकि सामान्य नल के अंतर्गत 180 रुपये प्रति माह व भागीरथी नल जल योजना के अंतर्गत 60 रुपये प्रति माह कर निर्धारित है।

वहीं नगरपालिका मे वसूली को लेकर एलर्ट मोड पर आ गया है जानकारी के अनुसार पालिका के विभिन्न विभागों का करीब 5 करोड़ रूपये से अधिक बकाया है इसमे जल विभाग का करीब साढे तीन करोड़ रूपया बकाया बताया गया है नगरपालिका के विभिन्न काम्प्लेक्स, मुख्यमंत्री स्वालंबन योजना की दुकानो का लगभग एक करोड रूपये सहित संपत्ति कर की भी भारी राशि बकाया है। वहीं इस संबंध मे पालिका के सीएमओ जफर खान ने कहा है कि बकाया के संबंध मे पालिका की परिषद की बैठक मे प्रस्ताव लाया जायेगा इसमे निर्णय होगा कि आगे बकाया के संबंध मे क्या कार्यवाही होगी यह भी तय किया जायेगा कि बडे बकायादारो के खिलाफ दुकान राजसात की कार्यवाही भी की जा सकती है।

सिंधी समाज ने उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा व कैबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा का किया स्वागत

तिल्दा-नेवरा, 25 मार्च (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। तिल्दा नेवरा दुर्गा बाड़ा तिल्दा में सिंधी समाज के बंधुओं द्वारा आयोजित सिंधु नवरत्न सम्मान समारोह में छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा और कैबिनेट मंत्री टंक राम वर्मा का समाज द्वारा भव्य स्वागत किया गया उप मुख्य मंत्री विजय शर्मा ने सिंधी समाज के सभी बंधुओं को चेट्रीचंड्र की बधाई एवं शुभकामनाए दी है। इस अवसर पर गृह मंत्री का समाज द्वारा सिंधु नवरत्न सम्मान किया गया। बीजेपी के कार्यकर्ताओं ने भी स्वागत किया। नगर में सिंधी समाज के इस आयोजन में बीजेपी कार्यकर्ताओं को आमंत्रित नहीं किया गया। इस कारण कार्यकर्ताओं ने उप मुख्य मंत्री और मंत्री का स्वागत पंडित दीनदयाल चौक में किया।

चौहान समाज के सामुदायिक भवन का लोकार्पण

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

सिमगा, 25 मार्च। सिमगा में चौहान समाज के सामुदायिक भवन का लोकार्पण मुख्य अतिथि पूर्व विधायक प्रदेश उपाध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी शिवरतन शर्मा के द्वारा संपन्न हुआ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शर्मा ने कहा हम सबको अपने पूर्वजों का इतिहास जानने की आवश्यकता है आप सब यहां पर काफी संख्या में उपस्थित है आपको पृथ्वीराज चौहान के इतिहास को पढ़ना चाहिए उसे आने वाली पीढ़ी को एक ताकत मिलेगी।

शर्मा ने कहा हम साल में एक बार बने हुए भवन में एकत्रित होते हैं समाज की बात करते हैं समाज में एकता की बात करते हैं लेकिन हम सबको इस बात पर भी विशेष ध्यान रखना चाहिए कि हमारे पूर्वजों ने समय समाज के लिए क्या बलिदान दिया है अगर हम उन बलिदान पुरुषों के आदर्श पर चलेंगे तो निश्चित तौर पर चौहान समाज भी एक आदर्श समाज के रूप में स्थापित होगा

शर्मा ने कहा अब समय आ गया है हम सबको समाज से ऊपर उठकर देशहित के बारे में भी विचार करना चाहिए सर्वप्रथम हमारा देश है हमारी मातृभूमि है उसके बाद समाज है समाज की अपनी एक अलग परंपरा है देश और मातृभूमि की अपनी एक अलग परंपरा है हम सब अगर मातृभूमि को अपना आदर्श मानकर अपने बच्चों को अच्छा करने का अवसर देंगे तो निश्चित तौर पर समाज में भी अच्छे लोग धीरे-धीरे आगे बढ़ेंगे शर्मा ने उपस्थित सभी चौहान समाज के लोगों को उनके भवन के लोकार्पण की बहुत-बहुत बधाई दी कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए किसान नेता भाटापारा विधानसभा अनिल पांडे ने कहा चौहान समाज के बलिदान के बारे में बताने की आवश्यकता नहीं है पृथ्वीराज चौहान की कहावत आज भी प्रासंगिक है।

चार बांस 24 गज अंगुल अस्त प्रमाण तथा ऊपर सुल्तान है मत चूको चौहान शिव पांडे ने कहा अगर हम लक्ष्य को प्राप्त करना चाहते हैं तो बच्चों को नशा से दूर रखकर अच्छी शिक्षा देने की आवश्यकता है हम अगर बच्चों को शिक्षित करेंगे तो वह आगे बढ़कर समाज का नाम रोशन करेंगे पांडे ने उपस्थित सभी चौहान समाज के लोगों को पृथ्वीराज चौहान के बताए हुए आदर्श पर चलने का आगरा किया साथ ही साथ नशा से दूर रहके एक बेहतर बेहतरीन समाज की ओर अग्रसर करने के लिए आह्वान किया कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी जिला बलौदा बाजार भाटापारा के जिला अध्यक्ष आनंद यादव ने भी संबोधित किया कार्यक्रम में प्रमुख रूप से मंडल अध्यक्ष चंद्रमणि तिवारी महामंत्री छोटू यादव समाज के अध्यक्ष गजेंद्र सिंह चौहान जिला महामंत्री हेम सिंह चौहान अभिजीत अवस्थी विकास सोनकर देबू देवांगन धीरज जैन नीरज शर्मा पारस पाटकर राजेश सिंह माया सलूजा सचिन जैन अनूप तिवारी एवं चौहान समाज के काफी संख्या में महिलाएं एवं पुरुष उपस्थित थे।

वार्षिक अधिवेशन में नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों व वरिष्ठ लोगों का सम्मान

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा-नेवरा, 25 मार्च। रायपुर जिले के तिल्दा नेवराब्लाक के ग्राम सोमनाथ लखना में सोमनाथ राज लखना निषाद समाज का वार्षिक अधिवेशन आयोजित हुआ जहां निषाद समाज द्वारा नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों और वरिष्ट नागरिको का सम्मान किया गया। अधिवेशन में रायपुर, बलौदाबाजार और बेमेतरा जिले के 144 गावों से आये हुए प्रतिनिधिगण और कार्यकर्ताओ के स्वागत के लिए नन्ही बालिकाओं के द्वारा मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर

दर्शको का मन मोह लिया गया इस अवसर पर समाज के लोगों को संबोधित करते हुए सोमनाथ राज के अध्यक्ष संतराम निषाद ने शिक्षा, व्यवसाय व आर्थिक क्षेत्र में समाज के पिछड़ेपन पर चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा कि भावी पीढ़ी को इन क्षेत्रों में आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी हम सबकी है, जिसके लिए हमें शासन की जाल, नाव आइस बाक्स मिलने सहित विभिन्न योजनाओं का पूरा-पूरा लाभ लेकर, मछुआरा समिति बनाकर अपनी व समाज की आर्थिक स्थिति को मजबूत करना होगा।

छट्ठी, मृत्यु भोज कार्यक्रमों में फिजूलखर्ची रोकेगा समाज: समयानुसार हमें रूढ़िवादिता, फिजूलखर्ची व आडंबरों को छोड़कर आदर्श विवाह को बढ़ावा तथा छट्ठी, मृत्यु भोज जैसे कार्यक्रमों में फिजूलखर्ची रोकना होगा। निषाद (केवट) समाज सोमनाथ राज के वार्षिक अधिवेशनको सफल बनाने में प्रमुख रूप से उपाध्यक्ष राम प्रसाद निषाद; सचिवनिषाद, शिव निषाद, सह सचिव तोरण निषाद, कोषाध्यक्ष केशराम निषाद आदि सामाजिक बंधुओ का सराहनीय सहयोग रहा।

नाम परिवर्तन

मैं सोमनाथ सोनी पिता प्रभा सोनी, आयु 37 वर्ष, निवासी मकान नं. 120 रामपुर ओड़िया कैम्प वार्ड नं. 02 किरंदुल, पोस्ट किरंदुल, तहसील बड़े बचेली, जिला दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा छ.ग., पिन नं. 494556 का निवासी हूं।

मेरी पुत्री सारिका सोनी पिता सोमनाथ सोनी (SARIKA SONY D/O SOMNATH SONY) के नाम से जारी आधार कार्ड क्रमांक 3869 7964 3676 में पुत्री का नाम द्वारका सोनी माता का सोनी बेबी पिता बेबी सोना (SARIKA SONI, MOTHER NAME BABY SON FAHTER NAME BABY SONI) अंकित है जो कि गलत है।

मेरी पुत्री का वास्तविक व सही नाम सारिका सोनी पिता सोमनाथ सोनी (SARIKA SONY D/O SOMNATH SONY) है जो सत्य एवं सही है। जो मेरी पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र एवं शैक्षणिक प्रमाण पत्रों में दर्ज नाम से प्रमाणित है।

मेरी पुत्री के आधार कार्ड में अंकित गलत द्वारका सोनी माता का सोनी बेबी पिता बेबी सोना (SARIKA SONI, MOTHER NAME BABY SONI FAHTER NAME BABY SONI) के स्थान पर वास्तविक एवं सही नाम सारिका सोनी पिता सोमनाथ सोनी (SARIKA SONY D/O SOMNATH SONY) अंकित किया जावे।

उक्त शपथ पत्र में मेरी पुत्री के आधार कार्ड में नाम सुधार करने के समर्थन में प्रस्तुत कर रहा हूं।

सोमनाथ सोनी

न्यायालय नायब तहसीलदार डोंगरगढ़ 1 के न्यायालय में मामला क्रमांक: 202503095200016

विषय:- अ-6 अ
मामले की श्रेणी:- राजस्व
सन्- 2024-2025

देवकट्टा (प.ह.न. 00018),
पक्षकारों का विवरण-
आवेदक पक्षकार- रविलाल पटेल,
अनावेदक पक्षकार-

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व सधारण को सूचित किया जाता है. कि आवेदक रविलाल पटेल पिता सियाराम पटेल जाति मरार उम्र 36 वर्ष निवासी वार्ड नम्बर 14 देवकट्टा तहसील डोंगरगढ़ जिला राजनांदगाँव द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर लेख किया है कि आवेदक के नाम एवं अन्य हिस्सेदार अगेशरी एवं रधियाबाई के नाम पर ग्राम देवकट्टा में भूमि स्थित है जिसका खसरा नम्बर 1/11, 154/3, 384/7, 538/12, 538/14 रकबा क्रमशः 0.170, 0.198, 0.162, 0.016, 0.009 हे. कुल ख.न. 05 कुल रकबा 0.555 हे. है। आवेदक की ग्राम देवकट्टा स्थित भूमि के राजस्व रिकार्ड नक्शा, खसरा, बी-1 में आवेदक की जाति भूलवश लोधी दर्ज हो गई है जो कि गलत है जबकि आवेदक की जाति मरार है जो कि सत्य एवं सही है। अतः आवेदक द्वारा राजस्व रिकार्ड में आवेदक की जाति लोधी के स्थान पर मरार दर्ज किये जाने का निवेदन किया है।

अतः उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को उजर व आपत्ति हो तो वह ईश्तहार प्रकाशन दिनांक 11.04.2025 तक या उसके पूर्व स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 21/03/2025 को जारी किया जाता है।

मुहर

नायब तहसीलदार
डोंगरगढ़

2121 बहराणा साहब की पूजा का भव्य आयोजन

इंडोर स्टेडियम में साईं लालदास के सानिध्य में हुई विशेष पूजा-अर्चना

■ अनुपमा फेम प्रसिद्ध कलाकार रूपाली गांगुली रही विशेष आकर्षण

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा-नेवरा, 25 मार्च। छत्तीसगढ़ सिंधी पंचायत द्वारा 23 मार्च को इनडोर स्टेडियम में 2121 बहराणा साहब की भव्य पूजा का आयोजन साईं लालदास के सानिध्य में किया गया पंचायत के प्रदेश अध्यक्ष महेश दरयानी व प्रदेश सचिव रितेश वाधवा ने बताया कि पूरे भारतवर्ष में आज तक इतने बहराणा साहब की पूजा अर्चना कभी नहीं की गई है यह अपनी तरह का एक अलग ही आयोजन रायपुर शहर में पंचायत द्वारा किया गया जिसे गोल्डन बुक ऑफवर्ल्ड रिकॉर्ड में भी शामिल किया गया

इस आयोजन का मुख्य आकर्षण रही स्टार प्लस के प्रसिद्ध धारावाहिक अनुपमा की मुख्य किरदार रूपाली गांगुली जो की इस आयोजन में शामिल हुई और समाजजनों के बीच में आकर समाजजनों को आयोलाल सभई चओ झूलेलाल के उदघोष से बहराणा साहब के आयोजन की बधाईयां दी व आगामी चेट्रीचंड्र महोत्सव की अग्रिम बधाइयां दी।

वहीं साईं लाल लाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि ज्योत व जल ही भगवान झूलेलाल का स्वरुप है बहाराणा साहब में जोत जलाकर हम

भगवान झूलेलाल का आह्वान करते हैं उन्हें बुलाते हैं तथा उस जोत को जलाने के पश्चात पूजा अर्चना करके जल में भगवान झूलेलाल की गोद में अर्पित करते हैं क्योंकि जल के किनारे ज्योत जलाकर ही भगवान झूलेलाल का आह्वान किया गया था जहां 40 दिनों की पूजा अर्चना के पश्चात भगवान झूलेलाल के आने की भविष्यवाणी हुई थी तथा उन्होंने अवतार लिया था इसलिए सिंधी समाज में बहराणा साहब का बहुत ही धार्मिक महत्व है जहां जोत जलाकर विधिवत पूजा अर्चना के पश्चात जोत को जल में अर्पण करके भगवान झूलेलाल से सभी मनोकामनाएं प्राप्त की जा सकती है इसलिए बहराणा साहब भगवान झूलेलाल को प्राप्त करने का सबसे सरल व सिद्ध साधन है।

छत्तीसगढ़ सिंधी पंचायत के प्रदेश अध्यक्ष महेश दरयानी ने अपने स्वागत भाषण में आज उपस्थित संतों व समाज जनों का स्वागत किया तथा उनसे यह उम्मीद की की छत्तीसगढ़ सिंधी पंचायत को सदैव संतो व समाज जनों का आशीर्वाद मिलता रहेगा तथा उनका यह तीन साल का कार्यकाल ऐतिहासिक कार्यकाल सिद्ध होगा इसी तरह सामाजिक धार्मिक आयोजन होते रहेंगे था 3 वर्ष में पंचायत अपने मुख्य उद्देश्य सांस्कृतिक सामाजिक व धार्मिक जागरुकता में सफल होगी। आयोजन का संचालन महासचिव बलराम आहूजा ने किया व आभार प्रदर्शन तनेश आहूजा व गौरव मंधानी ने किया। आयोजन को सफल बनाने में प्रदेश अध्यक्ष महेश दरयानी महेश रोहरा कैलाश बालानी महासचिव बलराम आहूजा सचिव रितेश वाधवा तनेश आहूजाविकास रूपरेला भावना कुकरेजा नत्थू धनवानी विनोद संतवानी रतन वल्र्यानी जीवत बजाज कैलाश खेमानी अनूप मसंद सुनील रामवानी राजा बजाज पंचायत की युवा विंग महिला विंग बाबा गुरमुखदास सेवा समिति सहित सभी कार्यकर्ता व पदाधिकारीयों की मुख्य भूमिका रही।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग-नारायणपुर, जिला-नारायणपुर (छ.ग.)

निविदा सूचना क्र.-12/2024-25

क्रमांक/911/निविदा/व.ले.लि./ग्रा.यां.सेवा/2024-25 नारायणपुर, दिनांक 19/03/2025

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत लोक निर्माण विभाग में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्न निर्माण कार्य हेतु निविदा दिनांक 03.04.2025 अपरान्ह 5.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है:-

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रुपये लाख में)
1	2	3
1	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र निर्माण कार्य ग्राम पंचायत कुतुल विकास खण्ड ओरछा	43.44 लाख

2. उक्त निर्माण कार्य की निविदा सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। साथ ही यह जानकारी विभगीय वेबसाईट https://res.cg.gov.in में दिनांक 21.03.2025 से डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता,
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा,
संभाग-नारायणपुर (छ.ग.)

जी-242506110/4

बूढ़ातालाब चौपाटी को लेकर बिफरीं महापौर

■ मीनल चौबे ने पर्यटन विभाग के अधिकारियों को लिया आड़े हाथ कहा- शहर के ऐतिहासिक धरोहर का नहीं होने देंगे व्यवसायीकरण

■ मुख्य नगर संवाददाता

रायपुर, 25 मार्च। महापौर मीनल चौबे आज सुबह रायपुर के बूढ़ातालाब में पहुंची. इस दौरान बूढ़ातालाब में बन रहे चौपाटी का निरीक्षण करते हुए इससे होने वाली आम जनता को समस्याओं की जानकारी ली. महापौर मीनल चौबे ने अधिकारियों के साथ तालाब किनारे बने फुटपाथ का निरीक्षण किया. लोगों के चलने-टहलने वाली जगह पर लोहे के बड़े-बड़े कंटेनर लगा कर बनाई जा रही चौपाटी को हटाने को लेकर लगातार लड़ाई लड़ने की बात कही. इस दौरान पर्यटन विभाग के अधिकारियों को भी महापौर ने फटकार लगाई.

महापौर मीनल चौबे ने बताया कि बूढ़ातालाब हमारी ऐतिहासिक धरोहर है. बूढ़ातालाब के बाजू में बन रहे चौपाटी की आसपास के लोगों से शिकायतें आ रही थी. इस पर आज मैने आयुक्त के साथ विजिट किया. मैं देखकर आश्चर्यचकित हूं कि स्मार्टसिटी ने जो करोड़ों रुपए खर्च कर पाथवे बनाया था, जिसमें हमें सब्जबाग दिखाया गया था, इसमें जनता के चलने के लिए जगह होगी. जनता को सुकून मिलेगा. आज हम जब आकर देख रहे हैं, तो लगभग सौ दुकानें खुलने के कगार पर हैं, जिसका हम विरोध करते हैं. उन्होंने कहा कि स्मार्ट सिटी ने इस प्रापर्टी की पर्यटन विभाग को हैंडओवर कर दिया है. और पर्यटन विभाग ने किसी एजेंसी के साथ एमओयू किया इस तरह की चौपाटी बनाने के लिए. पर्यटन विभाग का उद्देश्य है कि नगर की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर का संरक्षण करना. न कि उसका व्यवसायीकरण करना. अगर व्यवसायीकरण कर बूढ़ातालाब को मेंटेन करना होता तो नगर निगम भी कर लेगा. हम इस कृत्य का कड़ा विरोध करते हैं. बूढ़ातालाब के सामने शहर का सबसे पुराना स्कूल है, दानी स्कूल. लोग बताते हैं कि चौपाटी में शराब बेचने का भी अनुबंध हुआ है. तो इस प्रकार की दुर्घटना ही हम होने ही नहीं देंगे. यह शहर का बहुत बड़ा दुर्भाग्य है. दानी स्कूल में मेरी शिक्षा हुई है. जिस प्रकार से पर्यटन विभाग एजेंसी की आड़ में कर रहा है, वह बर्दाश्त करने के लायक नहीं है. बूढ़ातालाब में पूरे शहर की जनता आती है. उसका इस तरह से व्यवसायीकरण नहीं होने देंगे.

एक नजर

कायस्थ समाज का चित्रांशोत्सव 4 मई को

रायपुर, 25 मार्च। श्री चित्रगुप्त जयंती आयोजन समिति छत्तीसगढ़ द्वारा प्रति वर्ष की

भांति इस वर्ष भी 4 मई को चित्रांशोत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा। श्री चित्रगुप्त जयंती आयोजन समिति के संयोजक संजय श्रीवास्तव ने जानकारी दी कि इस वर्ष के कार्यक्रम में चित्रगुप्त पूजन, आरती, सामाजिकजनों के सांस्कृतिक कार्यक्रम, सामाजिक सम्मान पत्रिका विमोचन ,नाट्य मंचन एवं रात्रिभोज शामिल है । यह कार्यक्रम मेडिकल कॉलेज सभागार में आयोजित है। कार्यक्रम की तैयारी को लेकर रविवार को आयोजन समिति की बैठक संपन्न हुई । बैठक में प्रमुख रूप से संजय श्रीवास्तव, राजेंद्र श्रीवास्तव, प्रदीप वर्मा, राजेंद्र प्रकाश श्रीवास्तव, सुभाष वर्मा, विठ्ठल श्रीवास्तव, राजेश श्रीवास्तव, संदीप वर्मा, दिलीप वर्मा, अमित श्रीवास्तव, प्रदीप श्रीवास्तव, वैभव श्रीवास्तव, मंजुल श्रीवास्तव, अमित वर्मा, रविन्द्र वर्मा, आनंद बक्षी, मिक्की श्रीवास्तव, नितिन खरे, श्वेता श्रीवास्तव, सारिका वर्मा, विनीता सक्सेना, कनक वर्मा, सीमा श्रीवास्तव, रितु श्रीवास्तव, अमृता श्रीवास्तव, अनुषा श्रीवास्तव ,ज्योति खरे , विवेक श्रीवास्तव, अभिषेक निगम, विनोद श्रीवास्तव ,दीपेंद्र श्रीवास्तव, अजय श्रीवास्तव, अल्पना वर्मा, विमल श्रीवास्तव आदि कायस्थजन उपस्थित थे।

स्वास्थ्य मंत्री से त्यागपत्र की मांग हास्यास्पदः सोनी

रायपुर, 25 मार्च। रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी ने कांग्रेस की उस मांग को हास्यास्पद बताया है जिसमें उन्होंने प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल से त्यागपत्र की मांग की है। रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी ने कहा कि सैकड़ों करोड़ का घोटाला करने वाले कांग्रेसी अब उनके कर्मों की हो रही जाँच से हताश एवं घबराए हुए हैं और अनर्गल प्रलाप कर प्रदेश को गुमराह करने में लगे हैं। दरअसल प्रदेश के भाजपा सरकार ने जिस तत्परता से ई.ओ.डब्ल्यू. से जाँच कराकर छत्तीसगढ़ के एक पैसे का भी दुरुपयोग करने वालों को जेल भेजने का कार्य किया है, वह सराहनीय है। श्री सोनी ने कहा कि कांग्रेस शासन में छत्तीसगढ़ में सी.बी.आई. को प्रतिबंधित करने वाले आज उसी से जाँच की मांग कर समय काटने का रास्ता देख रहे हैं, ताकि भ्रष्टाचारियों के बचाव के जुगाड़ खोजे जा सकें। स्वास्थ्य मंत्री से त्यागपत्र की मांग करने वाले लोग अपने शासनकाल में खुली आँखों से इस भ्रष्टाचार को देखते रहे, जो इस घेटाले में इनकी हिस्सेदारी का भी संदेह पैदा करता है।

नशा परोसने वाले कार्यक्रम को रोकने सौंपा गया ज्ञापन

रायपुर, 25 मार्च। असंगठित क्षेत्र व समस्या निवारण प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष मो.

सिद्दीक व प्रदेश कांग्रेस महामंत्री कन्हैया अग्रवाल के साथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर सार्वजनिक तौर पर शराब परोसने वाले कार्यक्रम की शिकायत की। प्राप्त जानकारी अनुसार हुकुम्स ललित महल रायपुर में 28 मार्च 2025 सागर वाली कव्वाली का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में आयोजकों द्वारा शराब परोसी जाएगी। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने संस्कृति के खिलाफ और नशाखोरी को प्रोत्साहन देने वाले इस आयोजन आवश्यक कार्यवाही करने की मांग कर बड़ा विरोध प्रदर्शन करने की चेतावनी दी।

रक्तदान पर बृजमोहन ने किया पोस्टर का विमोचन

रायपुर, 25 मार्च। नेशनल इंटीग्रेटेड फोरम ऑफ़ आर्टिस्ट्स एंड एक्टिविस्ट्स एवं नेशनल मेडिकल एसोसिएशन द्वारा देश के लिए बलिदान हुए क्रांतिकारी भगत सिंह, राजगुरु एवं सुखदेव के सम्मान में बलिदान दिवस के अवसर पर 16 से 30 मार्च 2025 तक संवेदना-2 अभियान के अंतर्गत पूरे विश्व में रक्तदान शिविर आयोजित कर इन बलिदानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। इस अभियान का आधिकारिक उद्घाटन तत्कालीन राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद द्वारा 2021 में किया गया। निफ़ा एक सामाजिक संस्था है जो पच्चीस वर्ष से विश्व स्तर पर अनेकों अभियानों से सामाजिक सफलता एवं उपलब्धियाँ हासिल कर रही है ।

निफ़ा छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र व गोवा समन्वयक डॉ प्रियंका बिस्सा ने बताया की इस अभियान में 20 देशों सहित भारत के 28 राज्यों, 8 केंद्र शासित प्रदेशों एवं 800 जिलों में विभिन्न संस्थाओं के अथक प्रयासों व सहयोग से 2400 रक्तदान शिविर आयोजित करते हुए 150000 यूनिट रक्त संग्रह करने का लक्ष्य रखा गया है जिसका विश्व रिकॉर्ड इंग्लैण्ड में भी दर्ज किया जाएगा । पूर्व में निफ़ा द्वारा 6 गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाये गये है । इस अभियान को सफल बनाने में छत्तीसगढ़ के तेजराम सारथी, देवाशीष, बबीता अग्रवाल, सुशांत पटनायक, विवेक साहू, खुशबू साहू, सुदीप श्रीवास्तव, रानु गुप्ता , सरगुण, जसराज, हर्ष डोंगरे आदि हर जिले से सहयोगी शामिल है।

केंद्र प्रवर्तित योजनाओं की समीक्षा करने के लिए राज्यपाल उत्तरी छग के दौरे पर

■ प्रधानमंत्री आवास एवं मनरेगा सहित अन्य योजनाओं की जानकारी लेंगे

■ मुख्य नगर संवाददाता

रायपुर, 25 मार्च। राज्यपाल रमेन डेका केंद्र प्रवर्तित योजनाओं की समीक्षा करने के लिए उत्तरी छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों का दौरा करने आज रवाना हो गए हैं। केंद्र द्वारा विभिन्न योजनाओं के लिए एक बड़ी राशि दी जाती है।

मिली जानकारी के अनुसार राज्य में नक्सल उन्मूलन, पंचायत विभाग के अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना, मनरेगा, नवा बिहान सहित शिक्षा विभाग में शिक्षा का अधिकार एवं मिड-डे मील, महिला बाल विकास विभाग में पोषण योजना, जैसी योजनाएं संचालित की जा रही है। आदिम जाति विभाग में पोटा केबिन एवं अनुसूचित जाति, जनजाति समुदाय के छात्रों को स्टाइपेंड दिया जाता है। केन्द्र द्वारा सहायक अनुदान एवं केन्द्रीय करों के हिस्से के रूप में करीब 6700 करोड़ रुपये दिये जाने का नए बजट में प्रावधान है। राजभवन सचिवालय के अनुसार राज्यपाल के दौरे का मुख्य उद्देश्य केंद्र प्रवर्तित योजनाओं की समीक्षा करना है।

राज्यपाल विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति भी होते हैं। इस समय उच्च शिक्षा की हालत काफी गंभीर हैं। बड़ी संख्या में कालेज खोल दिए गए हैं लेकिन सहायक प्राध्यापक नहीं हैं जिसके कारण उच्च शिक्षा विभाग का हाल बेहाल है। राज्यपाल अपने दौरा कार्यक्रम के तहत इन सभी केंद्र प्रवर्तित योजनाओं की समीक्षा करेंगे। स्वास्थ्य विभाग के तहत अंधत्व निवारण, एड्स नियंत्रण, हाथ पांव (फाइलेरिया), परिवार नियोजन एवं पीएम केयर फंड की भी समीक्षा करेंगे।

टेकारी में अखंड त्रिदिवसीय मानस गान सम्मेलन

रायपुर, 25 मार्च। कौशिल्या धाम चंदखुरी से नजदीकी ग्राम टेकारी (कुंडा) में कल 25 मार्च मंगलवार को पूर्वाह्न 12 बजे से अखंड त्रिदिवसीय मानस गान सम्मेलन प्रारंभ हो गया है, जिसका समापन शुक्रवार 28 मार्च को पूर्वाह्न में होगा । भाग लेने वाले प्रत्येक मंडली को आयोजन कर्ता जय बजरंग मानस मंडली द्वारा फोटोफ्रेम के साथ 1201 रुपया प्रोत्साहन राशि के रुप में प्रदत्त किया जावेगा ।इस आयोजन का यह लगातार 45 वा वर्ष है जिसे ग्रामवासियों के सहयोग से किया जा रहा है।

भाजपा और सरकार के संरक्षण में धर्मांतरण बढ़ाः कांग्रेस

रायपुर, 25 मार्च। भाजपा के राज में धर्मांतरण की घटनाये बढ़ गयी है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि बिलासपुर, रायपुर, जशपुर, बस्तर में धर्मांतरण की घटनाओं पर सरकार जवाब दें। धर्मांतरण भाजपा के लिये राजनैतिक हथियार वह निदान नहीं चाहती। भाजपाई ही संरक्षण देते है और दिखावे के लिए शिकायत भी करते है। छत्तीसगढ़ में साय सरकार ने अपनी पहली बैठक में ही वह दावा किया था कि नया धर्म स्वातंत्र विधेयक का ड्राफ्ट तैयार है, 60 दिन के भीतर लागू हो जायेगा, लेकिन सवा साल से अधिक बीतने के बाद आज तक मौन है। अब भी भाजपा के मंत्री केवल कह ही रहे है कि नया कानून लायेंगे, हकीकत यह है कि राज्य में जब से भाजपा की सरकार बनी है प्रदेश के शहरी एवं मैदानी क्षेत्रों में भी धर्मांतरण की घटनायें बढ़ गयी है। भाजपा खुद

धर्मांतरण को बढ़ावा देती है फिर वर्ग संघर्ष करवाती है विपक्ष में रहते हुये धर्मांतरण के नाम पर फसाद करने वाले भाजपाई पिछले एक साल से प्रदेश में होने वाली धर्मांतरण की घटनाओं पर चुप्पी साध लिये है। यही नहीं खबरें तो यह भी आ रही है कि धर्मांतरण कराने वालों को सत्तारूढ़ दल का संरक्षण मिला हुआ है। रायपुर, बिलासपुर, जशपुर, बस्तर में धर्मांतरण की घटनाओं के बाद भाजपा की खामोशी इस बात का प्रमाण है कि इन घटनाओं को उसका समर्थन है।

निर्वाचन समिति ने वैध प्रत्याशियों की सूची जारी की

रायपुर, 25 मार्च। छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के चुनाव 2025 की प्रक्रिया के तहत आज 24 मार्च 2025 को नाम निर्देशन पत्रों पर प्राप्त आपत्ति के निराकरण उपरांत मुख्य निर्वाचन अधिकारी शिवराज भंसाली ने निर्वाचन अधिकारी प्रकाश गोलछा, रमेश गांधी, बालकृष्ण दानी, महावीर तालेड़ा, अनिल जैन(कुचेरिया), संजय देशमुख, संजय जोशी, अमित वर्मा, मनोज शर्मा, मुख्य निर्वाचन नियंत्रक एच.एस.कर, एवं चेम्बर चुनाव कार्यालय प्रभारी एस.एम.रावते की उपस्थिति में आज निर्धारित समय संध्या 6 बजे वैध प्रत्याशियों की सूची जारी कर दी है जो कि ÷चेंबर÷ की वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।

चेंबर के संविधान अनुसार रायपुर जिले में जिला उपाध्यक्ष और जिला मंत्री के 8- 8 पद हैं एवं शेष जिलों में जहाँ सदस्यों की संख्या 50 से अधिक है वहां जिला उपाध्यक्ष और जिला मंत्री का एक एक पद होता है अतः उपरोक्त अनुसार ÷चेंबर चुनाव 2025÷ में प्रदेश के 26 जिलों में जिला उपाध्यक्ष और जिला मंत्री का चुनाव होना है। बलरामपुर, बस्तर, बीजापुर, कोंडागांव, सुकमा, मोहला मानपुर, खैरागढ़-छुई खदान-गंडई जिलों में सदस्यों की संख्या 50 से कम होने से जिला उपाध्यक्ष एवं जिला मंत्री के पद का प्रावधान नियमानुसार नहीं हैं।

रायपुर जिले में 8 जिला उपाध्यक्ष और 8 जिला मंत्री पद के लिए इतने ही नामांकन हुए हैं. रायगढ़, मुंगेली, बालोद और जांजगीर-चाम्पा जिलों में जिला उपाध्यक्ष और जिला मंत्री पद के लिए 2-2 नामांकन प्राप्त हुए हैं. इसी प्रकार सरगुजा और महासमुंद जिला में जिला उपाध्यक्ष पद के लिए 2-2 एवं राजनांदगांव में जिला मंत्री पद के लिए 3 नामांकन प्राप्त हुए हैं।

कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता, हेमचंद तथा खैरागढ़ विवि के कुलपतियों की चयन प्रक्रिया तेज

■ चयन समिति ने दुर्ग और खैरागढ़ के लिए योग्य उम्मीदवारों का नाम सुझाया

■ मुख्य नगर संवाददाता

रायपुर, 25 मार्च। राज्य में विभिन्न विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति को लेकर अब पुनः कवायद तेज हो गई है। कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता विवि के कुलपति का कार्यकाल भी समाप्त हो गया है। इसमें राष्ट्रीय स्तर के पत्रकारों के अलावा जनसंचार महाविद्यालय से जुड़े प्राध्यापकों की नजर है।

मिली जानकारी के अनुसार पंचायत व नगरीय निकाय चुनाव तथा विधानसभा सत्र चलने के कारण राज्य शासन का प्रशासनिक कामकाज प्रभावित हो गया था। राजभवन में हेमचंद विवि दुर्ग तथा इंदिरा कला संगीत विवि खैरागढ़ के कुलपति चयन हेतु एक चयन समिति का गठन किया गया था। चयन समिति ने एक पैनल बनाकर इसकी अनुशंसा राजभवन को भेज दी है लेकिन आचार संहिता लागू होने के कारण चयन नहीं हो पाया। कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता विवि के कुलपति का कार्यकाल भी 5 फरवरी को समाप्त हो गया है। लेकिन आचार संहिता लागू होने के कारण राजभवन द्वारा विज्ञापन जारी नहीं हो पाया है। शीघ्र ही इसका चयन करने के लिए विज्ञापन जारी होगा। राजभवन से कुलपति के चयन हेतु अब कुलपति के पद पर कार्य करने के लिए अपना प्रेजेंटेशन भी देना पड़ता है।

कांग्रेस शासन काल में कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता विवि का नाम बदल दिया गया है। लेकिन अब पुनः पुराना नाम कर दिया गया है। कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता विवि भारत के अग्रणी विश्वविद्यालयों में से एक है, जहां पर अनेक पाठ्यक्रमों का अध्यापन कराया जाता है। वर्तमान कुलपति राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से जुड़े हुए हैं वे अपना कार्यकाल बढ़ाने के लिए कवायद कर रहे हैं।

सिद्धि माता मंदिर सन्डी में पशुबलि पर रोक लगेः मिश्र

रायपुर, 25 मार्च। अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति के अध्यक्ष डॉ. दिनेश मिश्र ने कहा कि बेमेतरा के संडी स्थित सिद्धि माता मंदिर में बलि प्रथा पर पूर्णतः रोक लगे.पिछले कई वर्षों से क्षेत्र के अनेक नागरिक इस स्थल पर रोक लगाने की मांग कर रहे है.यहाँ तक कि मंदिर समिति भी अब पशुबलि पर रोक के लिए सहमत हो गयी है कुछ समय तक बलि बंद भी रही पर इस वर्ष फिर कुछ लोगों शुरू की है .अब इस कुप्रथा पर सदैव के लिए प्रभावी रोक लगना चाहिए. डॉ दिनेश मिश्र ने कहा प्रदेश में राज्य सरकार के धर्मस्व एवं न्यास विभाग के आदेश के बावजूद कुछ स्थानों पर पशुओं की बलि चढ़ाये जाने की परंपरा जारी है, जबकि राज्य में पशुबलि निषेध अधिनियम लागू है तथा राज्य शासन के धर्मस्व एवं न्यास विभाग द्वारा पशुबलि पर रोक के लिए लिखित में आदेश भी जारी किया जा चुका है इसके बाद भी पशुबलि की परंपरा का जारी रहना उचित नहीं है। देश के अनेक धार्मिक स्थलों में आज भी विभिन्न धार्मिक अवसरों पर पशुओं के बलि देने की परंपरा कायम है जबकि किसी भी धर्म ने हिंसा को मान्यता नहीं दी है।

आयुर्वेद चिकित्सकों का अपने मातहत कर्मियों से कम वेतन में काम करना शर्मनाकः दीवान

रायपुर, 25 मार्च। आठ वर्ष से वेतन वृद्धि नहीं होने पर आयुष चिकित्सकों ने शासन से 80से-90 हजार प्रतिमाह वेतन की मांग को लेकर रायपुर, में 21 मार्च को छत्तीसगढ़ आयुर्वेदिक अधिकारी संघ के प्रांताध्यक्ष डॉ. पतंजलि दीवान ने प्रेस क्लब रायपुर में आयोजित पत्रकारवार्ता में बताया कि आयुष चिकित्सक केंद्र एवं राज्य सरकार की इच्छानुसार ग्रामीण क्षेत्रों में वर्षो से चिकित्सा सेवा में समर्पित भाव से ग्रामीणों को निरोग रखने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर रहे हैं। प्रदेश में 400 आयुष चिकित्सक है। अविभाजित मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ बनने के बाद जहां एलोपैथिक चिकित्सकों की वेतन में जबर्दस्त वृद्धि हुई है वहीं आयुष चिकित्सकों की वेतन वृद्धि गत 8 वर्षों से नहीं हुई है। पिछली सरकार ने आयुष चिकित्सकों की वेतन वृद्धि 27 प्रतिशत करने का निर्णय लिया था किंतु वेतन वृद्धि का लाभ अब तक नहीं मिला है। आयुष चिकित्सकों ने कोरोना काल में ऐसे क्षेत्रों में भी सेवाएं दी है। जहां एलोपेथिक चिकित्सक नहीं गये। आयुष चिकित्सकों की मांग है कि शहरीय क्षेत्रों में 80 हजार एवं ग्रामीण क्षेत्रों(अनुसूचित क्षेत्र,आदिवासी क्षेत्र) में कार्यरत आयुष चिकित्सकों को 90 हजार रुपये प्रति माह वेतन दिया जाय ।दीवान ने कहा है कि आज सरकार चिकित्सको को सम्मान जनक वेतन नहीं दे रही है , हालात ये है कि उनके मातहत तृतीय वर्ग श्रेणी का वेतन चिकित्सको से अधिक है उनके मातहत फार्मासिस्ट को भी आज 70से80हजार वेतन दिया जाताऔर चिकित्सको (अधिकारियों)को, विगत दिनों 10 हजार की वृद्धि पश्चात50से60हजार वेतन मिल रहा है जो कि शर्मनाक है।

आंध्रा ब्राह्मण समाज की कार्यकारिणी का चुनाव संपन्न

रायपुर, 25 मार्च। आंध्रा ब्राह्मण समाजन छत्तीसगढ़, रायपुर के कार्यकारिणी समिति के चुनाव 23, (रविवार) को श्री बालाजी विद्या मंदिर, देवेंद्र नगर, में संपन्न हुए। चुनाव 3 वर्षों में एक बार होते हैं। उल्लेखनीय है कि समाज के इतिहास में ये चुनाव पहली बार गुप्त मतदान द्वारा कराए गए। इसके पूर्व निर्विरोध रूप से कार्यकारिणी गठित होती थी पर इस बार कुछ पदों के लिए एक से अधिक नामांकन दाखिल होने की वजह से चुनाव आयोजित करने की स्थिति आई। समाज के सदस्यों ने काफी बढ़ चढ़कर मतदान में हिस्सा लिया। अध्यक्ष पद के लिए श्री आर मुरली लगातार तीसरी बार चुने गए जिन्होंने अपने प्रतिद्वंदी टी बाबू राव को 54 के मुकाबले 156 मतों से पराजित किया। उपाध्यक्ष (प्रथम) पद के लिए चुने गए श्री ए के श्रीनिवास मूर्ति ने अपने प्रतिद्वंदी श्रीमती डी भवानी राव को 77 के मुकाबले 133 मतों से पराजित किया। उपाध्यक्ष (द्वितीय) पद के लिए श्री वेणु गोपाल चुने गए जिन्होंने

अपने प्रतिद्वंदी श्री के वी एस अखिलेश को 64 के मुकाबले 141 मतों से पराजित किया। कार्यकारिणी समिति के अन्य सदस्य निर्विरोध निर्वाचित हुए। नई कार्यकारिणी समिति इस प्रकार है-अध्यक्ष - श्री आर मुरली, उपाध्यक्ष (प्रथम) - श्री ए के श्रीनिवास मूर्ति, उपाध्यक्ष (द्वितीय) - श्री वेणु गोपाल, सचिव - श्री डी श्रीनिवास राव, कोषाध्यक्ष - श्री सी साई गोपाल,सह सचिव (प्रथम) - श्री जे वी प्रसाद, सह सचिव (द्वितीय) - श्री के श्रीनिवास, कार्यकारिणी सदस्य (7 पदों के लिए) - श्री सी एस एन मूर्ति, श्री टी रामचंद्र राव आदि उपश्तिथ थे।

■ पुरस्कार वितरण तीन चरणों में सम्पन्न हुआ

पुष्करणा प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट का समापन

■ मुख्य नगर संवाददाता

रायपुर, 25 मार्च। पुष्टिकर समाज के तत्वावधान में देश के विभिन्न प्रांतों में तेजी से लोकप्रियता हासिल करती पुष्करणा प्रीमियर लीग का रायपुर स्थित सुभाष स्टेडियम में उत्साहपूर्वक समापन हुआ। पुरस्कार वितरण तीन चरणों में सम्पन्न हुआ। सर्वप्रथम रायपुर दक्षिण के विधायक श्री सुनील सोनी ने प्रत्येक मैच के मैन ऑफ दि मैच को पुरस्कार वितरित करते हुए आयोजन को हरसंभव सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया। प्लेयर ऑफ दि मैच के लिए पुरस्कार वितरण के द्वितीय चरण में महापौर मीनल चौबे, पार्षद द्वय सरिता दुबे एवं अम्बर पहुंचे। महापौर श्रीमती चौबे इस भव्य आयोजन को लेकर अत्यधिक प्रसन्न हुई साथ ही साथ उन्होंने इस स्पर्धा में महिला क्रिकेट टीमों की सहभागिता को सराहते हुए महिला सशक्तिकरण के महत्व पर प्रकाश डाला।

तीसरे चरण में रायपुर पुष्टिकर समाज के मुख्य ट्रस्टी चंद्रप्रकाश व्यास, प्रबंध ट्रस्टी विजयलक्ष्मी बोहरा, उमाशंकर व्यास एवं मनीष वोरा द्वारा विजेता टीम काव्या एवं उपविजेता टीम पॉवर हिटर पुरस्कृत की गईं। इसके पूर्व रायपुर पुष्टिकर समाज के ट्रस्टियों ने आयोजन में पधारे अथितियों का आत्मीय स्वागत किया। ट्रस्टी अशोक पुरोहित ने अपने रोचक अंदाज में मंच का संचालन किया। कमेटी के सदस्य गणों अरुण पुरोहित, दीपक पुरोहित, पंकज छंगाणी, प्रवीण बिस्सा, लोकेश पुरोहित एवं आकाश व्यास ने इस भव्य आयोजन की सफलता के लिए स्पर्धा में शामिल सभी खिलाड़ियों, ट्रस्टियों, नगर प्रशासन एवं दर्शकों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

उच्च शिक्षा विभाग को 18 लाख का चूना लगाने वाला बाबू बंदी

रायपुर, 25 मार्च। उच्च शिक्षा विभाग को 18 लाख रुपए का चूना लगाने वाले आरोपी क्लर्क आकाश श्रीवास्तव को आखिरकार रायपुर पुलिस ने भोपाल से धरदबोचा है. विभागीय जांच में अफरा-तफरी के खुलासे के बाद आरोपी

क्लर्क के खिलाफ अपर संचालक ने सरस्वती नगर पुलिस थाना में एफआईआर दर्ज कराया था. जानकारी के अनुसार, उच्च शिक्षा विभाग के रीजनल ऑफिस में पदस्थ ग्रेड 2 क्लर्क आकाश श्रीवास्तव ने 2023 से 2025 के बीच पद पर रहते हुए 18 लाख रुपए सरकारी राशि अपने व रिश्तेदारों के खाते में जमाकर निजी उपयोग किया था. उच्च शिक्षा विभाग को जब क्लर्क की हरकतों का पता चला तो पहले 11 मार्च को निलंबित किया गया, इसके बाद 18 मार्च को उसके खिलाफ आनन-फानन में सरस्वती नगर थाने में अपराध दर्ज कराया गया था. दरअसल, आकाश श्रीवास्तव ने सुनियोजित तरीके से कूटरचना कर शासकीय धन को विभिन्न बैंक खातों में फर्जी तरीके से जमा किया, और बाद में उन पैसों को अपने मोबाइल नंबर के माध्यम से ट्रांसफर कर लिया.

कौशल किशोर मिश्र प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी की ओर से तरुण छत्तीसगढ़, तरुण छत्तीसगढ़ प्रेस टॉवर, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक- कौशल किशोर मिश्र, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26